साल्ट लेक पहुंचे राज्यपाल सीवी आनंद बोस, न्यायिक जांच की मांग- 12

संसदीय समिति ने कहा-कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाना जरूरी - 12

बांग्लादेश में फिर अशांति निर्वाचन आयोग ने मांगी अतिरिक्त सुरक्षा - 13

अर्जेंटीना को हराकर नीदरलैंड्स ने जीता हॉकी महिला जूनियर विश्व कप खिताब - 14

आज का मौसम

23.0⁰ अधिकतम तापमान

10.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष एकादशी, 09:20 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 15 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 21, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

पूर्व विधायक ने फ्लाइट में अमेरिकी महिला यात्री की बचाई जान

बेंगलुरु। कर्नाटक की पूर्व विधायक डॉ. अंजलि निंबालकर ने विमान में एक अमरीकी यात्री के अचानक बेहोश हो जाने पर उसे कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देकर उसकी जान बचाई है। विमान में अमरीकी महिला यात्री की अचानक तबीयत खराब होने लगी जिससे वह बेहोश हो गई और उसकी नब्ज भी बंद हो गई। डा. निंबालकर ने तुरंत सीपीआर दिया और पूरे समय मरीज के पास रहकर उसकी हर जरूरत का ध्यान रखा। विमान के दिल्ली में उतरने पर महिला को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। पूर्व विधायक अभी गोवा, दमन और दीव, और दादरा नगर हवेली की कांग्रेस सचिव एवं सह प्रभारी है। वह कांग्रेस की वोट चोरी रैली के लिए दिल्ली जा रही थी।

ईडी ने कोडीन युक्त सिरप मामले में कई जगहों पर तलाशी ली

नई दिल्ली। ईडी ने कोडीन युक्त कफ सिरप के गैर-कानूनी व्यापार और इसके दुरुपयोग के सिलसिले में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने रविवार को कहा कि उसने लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर, रांची और अहमदाबाद में आरोपियों और उनके साथियों के घरों और कार्यालयों समेत 25 जगहों पर तलाशी ली है। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट, बीएनएस और दूसरे लागू कानूनों की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज 30 प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की।

दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन को शामिल करेगी नौसेना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 17 दिसंबर को अपने दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन - आईएनएएस 335 (ओस्प्रे) को सेवा में शामिल करेगी, जिससे उसकी विमानन क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। उन्नत हथियार और सेंसर इस हेलीकॉप्टर को नौसेना के लिए एक बहुउपयोगी बनाते हैं। नौसेना ने कहा कि गोवा स्थित आईएनएस हंसा पर 17 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन - आईएनएएस 335 (ओस्प्रे) - को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में औपचारिक रूप से सेवा में शामिल किया जाएगा।

सिडनी में यहूदी समुदाय के उत्सव में आतंकी हमला, 11 की मौत

बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी, लोगों ने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन के रेस्त्रां में छिपकर बचाई जान, एक आतंकी मार गिराया

- पुलिस ने एक हमलावर आतंकी को किया गिरफ्तार

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को यहूदी समुदाय के उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों की अंधाधुंध गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।

पुलिस ने एक हमलावर को मार गिराया जबकि एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। सिडनी के न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त एम. लेनयॉन ने बताया कि इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों समेत 29 लोग घायल हुए हैं। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया है। राज्य प्रमुख क्रिस मिन्स ने कहा, इस हमले का निशाना सिडनी का यहूदी समुदाय था। हमले के दौरान लोगों ने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन के रेस्त्रां में छिपकर बचाई जान। यहूदी त्योहार हनुक्का की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर 'चानुका बाय द सी' नामक कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए थे।

युवक ने हिम्मत दिखा छीन ली हमलावर की बंदूक: ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक एक व्यक्ति बंदूकधारियों में से एक को पकड़कर उससे हथियार छीन लेता है और फिर वही हथियार उस पर तान देता है। मेलबर्न निवासी 32 वर्षीय लाचलान मोरान ने बताया कि वह पास ही में अपने परिवार का इंतजार कर रहे थे, तभी उन्हें गोलियों की आवाज सुनाई दी। उन्होंने कहा, सब लोग अपना सारा सामान छोड़कर भागने लगे, लोग रो रहे थे, और यह सब बहुत भयानक था। पुलिस ने कहा कि उसका अभियान जारी है और आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं की जांच विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा की जा रही है, जिसमें एक संदिग्ध की कार में बरामद किया गया आईईडी भी शामिल है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा, बॉन्डी बीच के दृश्य चौंकाने वाले और दुखद हैं।

सिडनी के बॉंडी बीच पर गोलीबारी की में घायल हुए व्यक्ति को स्ट्रेचर पर ले जाते आपातकालीन कर्मी।

मोदी ने आतंकी हमले की निंदा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और दुख की इस घड़ी में वहां के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की जनता की ओर से, मैं उन परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया की जनता के साथ एकजुटता से खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाता है तथा इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।

पंकज ने संभाली यूपी की कमान

निर्विरोध चुने गए 17वें प्रदेश अध्यक्ष, संगठन पर्व में हुआ औपचारिक एलान

- बूथ से शिखर तक एकजुटता का प्रदर्शन, सरकार-संगठन में तालमेल का संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से भाजपा का झंडा थामते हुए 17वें प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाल ली। इसके पहले केंद्रीय चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने निर्विरोध चुने जाने का औपचारिक एलान किया। चुनाव में सरकार और संगठन में तालमेल का जबरदस्त संदेश दिया गया। सड़कों पर पार्टी के झंडे लहराते हजारों कार्यकर्ताओं के हुजूम से जगह-जगह जाम के हालात दिखे। कार्यक्रम के पश्चात पार्टी मुख्यालय पहुंचकर पंकज चौधरी ने रजिस्टर में अपना हस्ताक्षर कर औपचारिकता पूरी की।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में संगठन पर्व समारोह में नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद का दृश्य बेहद आत्मीय, गौरवपूर्ण और कार्यकर्ताओं के नारेबाजी से उत्साह के चरम पर था। पंकज चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चरण स्पर्श किए और निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से कार्यभार ग्रहण किया। शंख और डमरू की ध्वनि के बीच पूरा सभागार कार्यकर्ताओं के उत्साह से गूंज उठा। वर्ष1980 में भाजपा के गठन के बाद पंकज चौधरी पार्टी के 17वें प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यवेक्षक विनोद तावड़े, प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह समेत संगठन व सरकार के शीर्ष नेता मौजूद रहे। नेतृत्व परिवर्तन को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी और संगठन को नए सिरे से धार देने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

लखनऊ स्थित डा.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में नव निर्वाचित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

संगठन और सरकार एक-दूसरे के पूरक : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा में संगठन और सरकार एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों मिलकर उत्तर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले यूपी की पहचान दंगों, अराजकता और अव्यवस्था से जुड़ी थी, लेकिन आज प्रदेश विकास, विरासत और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिए जाना जाता है। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर राज्य बन रहा है। राम मंदिर निर्माण और उसके पूर्ण होने की घोषणा को उन्होंने सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान से मतदाता सूची साफ-सुथरी बनेगी और लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया।

मोदी-योगी समेत 120 राष्ट्रीय परिषद सदस्य घोषित

गोयल ने संगठन पर्व के दौरान भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों की भी घोषणा की। राष्ट्रीय परिषद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की सर्वोच्च इकाई है। परिषद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (वाराणसी), मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर), रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (लखनऊ), उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य (प्रयागराज), उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक (उन्नाव), भूपेंद्र सिंह चौधरी (संभल), स्मृति ईरानी (सुल्तानपुर), डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय (वाराणसी), सूर्य प्रताप शाही (सलेमपुर), स्वतंत्र देव सिंह (बांदा) और डॉ. रमापति राम त्रिपाठी (गोरखपुर) सहित कई प्रमुख चेहरे शामिल हैं।

नितिन नबीन भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- जेपी नड्डा की जगह लेंगे, इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा नेता
- बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं नबीन, पांच बार विधायक रह चुके

भाजपा ने रविवार को बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के संसदीय बोर्ड ने नबीन को इस पद के लिए चुना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा, भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को तत्काल प्रभाव से भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

कायस्थ समुदाय से संबंध रखने वाले नबीन (45) के मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी बनेंगे। पार्टी नेताओं के अनुसार, वह इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा नेताओं में से एक हैं। नबीन पांच बार के विधायक हैं। वर्तमान में वह बिहार में पथ निर्माण मंत्री और पटना के बांकीपुर से विधायक हैं। वह पहले भी कई बार मंत्री रहे हैं। नड्डा को जनवरी 2020 में भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वह अपना पूरा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। नड्डा को 2024 के लोकसभा चुनावों तक पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कार्यकाल विस्तार दिया गया था। वह एक युवा और कर्मठ नेता हैं जिनके पास समृद्ध संगठनात्मक अनुभव है और बिहार में कई बार विधायक एवं मंत्री के रूप में उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगन से काम किया है।

भाजपा नेता रविशंकर के साथ नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन।

उनकी ऊर्जा और समर्पण से पार्टी को मिलेगी मजबूती : मोदी

मोदी ने एक्स पर कहा, वह अपने विनम्र स्वभाव और व्यावहारिक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और समर्पण आने वाले समय में हमारी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई।

राजधानी में एक्यूआई 460 पार से हाहाकार, डीडीए को फटकार

- गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की खिंचाई की

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पाबंदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगभग 460 दर्ज किया गया। यह वायु प्रदूषण की बेहद खतरनाक स्थिति का संकेत देता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को हवा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए ग्रैप (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना)-4 लागू कर दी थी।

आयोग ने शनिवार को पहले ग्रैप-3 लागू किया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर दिल्ली शहर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रैप-4 लगा दिया। वाहनों और धूल प्रदूषण (जिसका ज्यादातर हिस्सा निर्माण कार्य के कारण होता है) को दिल्ली में हवा की गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के लिए मुख्य कारण माना जा रहा है। 450 से ऊपर का एक्यूआई गंभीर श्रेणी में आता है, जो आम लोगों और खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस या दिल की बीमारियों वाले लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। सीएक्यूएम ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों के रखरखाव में खामियों और निरंतर लापरवाही को लेकर खिंचाई की है। निरीक्षणों में राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में धूल का उच्चस्तर, कचरा जमाव और कचरा जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। जांच के निष्कर्ष के अनुसार, 15 मार्गों पर धूल का स्तर अधिक था, जबकि 38 खंडों पर मध्यम स्तर की धूल पाई गई, वहीं 61 खंडों पर धूल की तीव्रता कम थी और 22 खंडों पर धूल बिल्कुल भी नहीं पाई गई।

दिल्ली में सड़क पर छाई धुंध।

दिल्ली-एनसीआर में बाहरी खेलों के आयोजन पर रोक

नई दिल्ली। सीएक्यूएम ने दिल्ली और एनसीआर राज्य सरकारों को सभी बाहरी शारीरिक खेल गतिविधियों को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया है, साथ ही चेतावनी दी है कि खराब वायु गुणवत्ता के बीच ऐसे आयोजनों का निरंतर संचालन बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि वह इस बात से चिंतित है कि 19 नवंबर के शीर्ष कोर्ट के आदेश के अनुरूप जारी किए गए निर्देशों के बावजूद कुछ स्कूल और संस्थान अब भी बाहरी खेल गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं। खराब वायु गुणवत्ता के दौरान बाहरी शारीरिक गतिविधियों को जारी रखना उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों और आयोग के निर्देशों की भावना और उद्देश्य के विपरीत है।

राष्ट्रपति ने दो साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी की दया याचिका की खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- महाराष्ट्र में 2012 में आरोपी ने की थी घिनौनी वारदात 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई थी मौत की सजा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र में 2012 में दो साल की बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के दोषी व्यक्ति की दया याचिका खारिज कर दी है। राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद मुर्मू द्वारा खारिज की गई यह तीसरी दया याचिका है।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन अक्टूबर, 2019 को रवि अशोक घुमारे को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि उसका अपनी 'कामुक इच्छाओं' पर कोई नियंत्रण नहीं था और उसने अपनी यौन भूख को शांत करने के लिए सभी प्राकृतिक, सामाजिक और कानूनी सीमाओं को तार-तार कर दिया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत (जो अब प्रधान न्यायाधीश हैं) की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने दो अनुपात एक के बहुमत से कहा कि उस व्यक्ति ने एक ऐसे जीवन को निर्दयतापूर्वक समाप्त कर दिया जो अभी खिलना बाकी था और दो वर्षीय बच्ची से अप्राकृतिक अपराध करने का उसका कृत्य एक गंदी और विकृत मानसिकता को दर्शाता है।

तीसरी कक्षा की छात्रा से बैड टच, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- चौक कोतवाली क्षेत्र में सामने आया गंभीर मामला
- पहचान न बता पाने से टलती रही थी कार्रवाई

अमृत विचार : नौ साल की छात्रा के साथ दूसरे समुदाय के युवक ने अश्लील हरकत की। बच्ची ने एक मूवी देखने के बाद परिजनों को बताया कि आरोपी की कद काठी इसी की तरह मिलती जुलती है। हिंदू संगठनों विरोध के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

चौक कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने बताया कि उसकी नौ वर्षीया भांजी डेढ़ साल से साथ रह रही है। वह कक्षा तीन की छात्रा है। युवक ने बताया कि बच्ची ने उससे कई बार शिकायत की थी कि एक युवक छेड़छाड़ करता है, लेकिन युवक की पहचान नहीं कर सकी। 11 दिसंबर को मूवी देखने के दौरान छात्रा ने बताया कि आरोपी की कद काठी मूवी के पात्र से मिलती है। इसके बाद युवक 12 दिसंबर को वह बच्ची को लेकर अपनी मां के साथ थाना कोतवाली गया, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। बल्कि शिकायत के बाद आरोपी समझौते का दबाव बनाने लगा।

जानकारी होने पर हिंदू संगठनों ने विरोध किया तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि परिवार की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

विशेष

सभी डीएम को जनगणना पूर्व तैयारियां करके रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश, डिजिटल रूप में संपन्न कराई जाएगी जनगणना, स्वगणना का भी विकल्प

जनगणना से पहले अगले साल शुरू होगी मकानों की गणना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : केंद्र सरकार ने करीब 16 साल बाद 2027 में जनगणना कराना प्रस्तावित किया है। दो चरण में होने वाली जनगणना के पहले चरण में मकानों की गणना कराई जाएगी। मकानों की गणना अगले साल मई-जून माह में शुरू होगी। इसमें एक-एक मोहल्ला, गांव और शहरों के कच्चे-पक्के मकानों की गणना होगी।

जनगणना के दोनों महत्वपूर्ण कार्य शुरू होने से पहले पूर्व परीक्षण के अंतर्गत विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं, जिन्हें 31 दिसंबर तक पूरा करने के निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना संगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने निर्देश जारी किए हैं।

बरेली मंडल सहित सभी जनपदों के डीएम को निर्देश दिए गए हैं कि जनगणना-2027 की पूर्व तैयारियां कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। सभी डीएम को बताया है कि जनगणना वर्ष 2026 एवं 2027 में दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (मई-जून 2026) होगी। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना (फरवरी 2027) में शुरू कराई जाएगी। जनगणना पूरी तरह डिजिटल रूप में सम्पन्न होगी। जिसमें स्व-गणना का भी प्रावधान होगा।

31 दिसंबर के बाद क्षेत्राधिकार परिवर्तन नहीं करा सकेंगे: जनगणना 2027 को शुरू कराने से पहले समस्त प्रशासनिक इकाइयों, जनपद, तहसील, राजस्व ग्राम, नगर निगम, नगर पालिकाओं की सीमाओं को 31 दिसंबर की स्थिति में अंतिम रूप दिया जाना है। 1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक इन सीमाओं में कोई भी परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। सभी डीएम को निर्देश हैं कि जनगणना-2011 के बाद जिला अंतर्गत तहसील, ब्लाक, ग्राम, नगर एवं वार्ड स्तर पर समस्त क्षेत्राधिकार परिवर्तन को अंतिम रूप देते हुए सभी जानकारी संकलित एवं सत्यापित कर निर्धारित प्रपत्रों में प्रस्तुत करें।

जिला मुख्यालय पर बनेगी जनगणना सेल

जनगणना कार्य समय पर पूरा कराने के लिए जनगणना कार्य निदेशालय से समन्वय और विभिन्न प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए एडीएम फाइनेंस के अधीन जिला मुख्यालय में जनगणना सेल गठित होगी। इसमें दो ऐसे तकनीकी दक्ष कर्मी तैनात किए जाएंगे, जो जनगणना कार्य करने के लिए कंप्यूटर, मोबाइल के उपयोग में निपुण हों। एसडीएम के अधीन भी जनगणना सेल गठित होगी।

मानचित्रों का पुन: होगा सत्यापन होगा

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना दोहराव के जनगणना कार्य कराने के लिए ग्राम एवं नगर रजिस्टर त्रुटि-रहित बनाए जाने हैं। ग्राम रजिस्टर में सभी आबाद, गैर आबाद ग्राम एवं नगर रजिस्टर में नगर, उनके वार्ड संबंधित मोहल्लों व कॉलोनियों को शामिल करना है। जिलों से जो रिपोर्ट लखनऊ के जनगणना निदेशालय भेजी गई थी, उसके आधार पर ग्राम व नगर रजिस्टर एवं तहसील मानचित्र सत्यापन के लिए पुन: भेजे गए हैं।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

किशोरी घर से लापता गुमशुदगी दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार :थाना न्यूरिया में क्षेत्र के एक ग्रामीण ने दी तहरीर में बताया उसकी 17 वर्षीय पुत्री को अज्ञात युवक बहला फुसला कर ले गया। उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के ईदगाह चौराहा पर कार की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल में कार्यरत विनीत बाइक से शनिवार रात काम निपटाकर अपने घर जनपद बरेली के थाना भुता क्षेत्र में जा रहे थे। ईदगाह चौराहे के पास पहुंचते ही बरेली की ओर से आ रही कार ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायल को सीएचसी भर्ती कराया। दोनों वाहन पुलिस ने कब्जे में लिए हैं।

चकबंदी कार्यालय में जुटेंगे भानु कार्यकर्ता

पीलीभीत, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकर्ता सोमवार को चकबंदी कार्यालय में मासिक पंचायत को आंदोलन का रुप देंगे। इसे लेकर कई दिन से तैयारियां की जा रही थी। पीलीभीत तहसील क्षेत्र के अध्यक्ष नंद किशोर राठौर ने बताया चकबंदी विभाग के गलत फैसले, फर्जी समाधान और मनमानी की वजह से किसानों में तनाव की स्थिति बन गई है। संगठन के जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा की चकबंदी से जुड़ी समस्याओं का समाधान अभी तक नहीं किया गया है। अन्य किसानों की चकबंदी से जुड़ी समस्याएं भी लंबित हैं। इसी को लेकर पुरानी तहसील परिसर स्थित चकबंदी कार्यालय में प्रदर्शन किया जाएगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के ईदगाह चौराहा पर कार की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल में कार्यरत विनीत बाइक से शनिवार रात काम निपटाकर अपने घर जनपद बरेली के थाना भुता क्षेत्र में जा रहे थे। ईदगाह चौराहे के पास पहुंचते ही बरेली की ओर से आ रही कार ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायल को सीएचसी भर्ती कराया। दोनों वाहन पुलिस ने कब्जे में लिए हैं।

आत्मनिर्भरता के गुर सीखकर लौटीं इको विकास समितियां, मिली आर्थिक मदद

कम्युनिटी डेवलपमेंट, रोजगार समेत अन्य कार्यों पर खर्च करेगी आवंटित धनराशि

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों के ग्रामीणों को रोजगार एवं विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गठित इको विकास समितियां आईआईएफएम भोपाल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के तौर तरीके सीखने के बाद लौट चुकी है। अब इन सभी नौ इको विकास समितियों को टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के माध्यम से एक-एक लाख रुपये की धनराशि दी गई है। आवंटित धनराशि से इको विकास समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में कम्युनिटी डेवलपमेंट, आजीविका बढ़ाने एवं अन्य कार्यों पर खर्च कर सकेगी।

एक दशक पूर्व जनपद के जंगल को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बाद जंगल से सटे गांवों के विकास और इन गांवों के ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने को इको विकास समितियों का गठन की शुरुआत की गई थी, ताकि जंगल से सटे गांवों के लोगों को जंगलों पर आश्रित न रहना पड़े। विश्व प्रकृति निधि की ओर से पीलीभीत टाइगर रिजर्व के माध्यम से अब तक 9 इको विकास समितियों का गठन किया गया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व और विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से ही अब इन इको विकास समितियों के माध्यम से अब जंगल से सटे इलाकों के ग्रामीणों को पर्यटन के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिल रहा है।

बीते दिनों इन सभी इको विकास समितियों को आत्मनिर्भर का प्रशिक्षण दिलाने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में इन सभी समितियों को 9 दिसंबर को तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के लिए उत्तराखंड भेजा गया था। जहां इन सभी इको विकास समितियों को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (आईआईएफएम) भोपाल के विशेषज्ञों द्वारा समितियों के विकास एवं पर्यटन समेत विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने का प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण पाकर सभी इको विकास समितियां वापस आ चुकी है। जिसके बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व की ओर से टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के माध्यम से सभी 9 इको समितियों को एक-एक लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह के मुताबिक आवंटित धनराशि से इको विकास समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में कम्युनिटी डेवलपमेंट, आजीविका बढ़ाने समेत कार्यों में खर्च कर सकेगी।

इको विकास समिति के माध्यम से शहद उत्पादन में जुटे ग्रामीण। ● अमृत विचार

- **जनपद में 14 इको विकास समितियों का किया जा चुका गठन, पर्यटन के माध्यम से समुदायों के माध्यम से मिल रहा रोजगार**

पांच बाघ मित्र इको विकास समितियों को भी धनराशि देने की तैयारी

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में जंगल और जानवर को बचाने में ग्रामीणों के सहयोग की महत्ता को समझते हुए ही इको विकास समितियों का गठन किया गया था। दरअसल जंगल और वन्यजीवों को बचाने के लिए वन विभाग को अकेले जूझना पड़ रहा है। इको विकास समिति एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा वन विभाग के पदाधिकारी की सीधी पहुंच ग्रामीणों तक होती है। इतना ही नहीं, जंगल से सटे गांवों में होने वाली किसी भी तरह की गतिविधियों की जानकारी तत्काल विभागीय अधिकारियों तक पहुंचती है। इको विकास समितियों की महत्ता को समझते हुए ही करीब दो माह पूर्व 05 बाघ मित्र इको विकास समितियों को गठन किया गया है। ऐसे में अब इको विकास समितियों की संख्या 09 से बढ़कर 14 हो चुकी है। विश्व प्रकृति निधि के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व और विश्व प्रकृति निधि अब इन नवगठित बाघ मित्र इको विकास समितियों को भी धनराशि आवंटित करने की तैयारी चल रही है।

जेसीआई मिड टाउन के अध्यक्ष बने जपनीत

नई टीम के साथ जेसीआई पीलीभीत मिड टाउन के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **बैठक में लिया गया निर्णय, पार्थ सचिव, प्रबल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी**

अमृत विचार : जेसीआई पीलीभीत मिडटाउन की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी गई। नई टीम का भव्य स्वागत किया गया और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

शहर के एक होटल में हुई बैठक के दौरान वर्ष 2026 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस दौरान जपनीत सिंह को अध्यक्ष, पार्थ मित्तल को सचिव और प्रबल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा अभिजीत आनंद सिंह को वीपी मैनेजमेंट, शुभम शुक्ला को वीक, गुरसेवक सिंह को स्पोर्ट्स, संचित अग्रवाल को जनरल लीगल काउंसिल नामित किया गया। अध्यक्ष 2025 अमन अग्रवाल ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष का माल्यार्पण कर औपचारिक स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष हर्ष कंचन, शांतम देव, पूर्व जोन अध्यक्ष गौरव अरोरा, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुरदित्त सिंह सैहमी, केतन अग्रवाल आदि मौजूद रहे। नव-निर्वाचित टीम ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए संगठन को नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। नई टीम का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

51 गांव विनियमित क्षेत्र में होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **प्राधिकारी नियंत्रक ने तैयार की कार्ययोजना, अब रेग्युलेटेड एरिया घोषित करने की तैयारी**
- **विनियमित क्षेत्र में शामिल होने के बाद पूरनपुर और बीसलपुर के गांवों का होगा समुचित विकास**

अमृत विचार: यदि सबकुछ ठीक रहा तो पूरनपुर एवं बीसलपुर क्षेत्र के 51 गांव जल्द ही विनियमित क्षेत्र में शामिल हो जाएंगें। प्राधिकारी नियंत्रक/ सिटी मजिस्ट्रेट की ओर से कार्ययोजना तैयार कर इन दोनों क्षेत्रों को रेग्युलेटेड एरिया घोषित किए जाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। विनियमित्र क्षेत्र में शामिल होने के बाद जहां बेतरतीब ढंग से हो रहे निर्माणों पर रोक लगेगी, वहीं संबंधित क्षेत्रों में सुनियोजित ढंग से विकास हो सकेगा।

सदर क्षेत्र को सुनियोजित ढंग से विकसित करने को लेकर गत वर्ष अगस्त में शासन स्तर से महायोजना 2031 को मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जा चुका है। अब महायोजना के अनुसार ही शहर समेत आसपास क्षेत्र में विकास संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। हालांकि जनपद के पूरनपुर और बीसलपुर क्षेत्र से सटे इलाकों में तेजी से विकास हो रहा है। मगर, कोई निगरानी आदि न होने के कारण इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बेतरतीब ढंग से कॉलोनियां आदि विकसित की जा रही है। इन दोनों क्षेत्रों में न तो विनियमित् क्षेत्र हैं और न ही यहां कोई निगरानी तंत्र ही है। इन क्षेत्रों में अंधाधुंध प्लाटिंग होने और कॉलोनियों विकसित होने से यहां का भूगोल ही लगभग बिगड़ता चल रहा है। ऐसे में अब डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशन में पूरनपुर एवं बीसलपुर क्षेत्र को भी विनियमित क्षेत्र की परीधि में लाने की कवायद शुरू की गई है। इसको लेकर प्राधिकारी नियंत्रक/ सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने टाउन प्लानर के साथ कार्ययोजना तैयार कर बीसलपुर एवं पूरनपुर को भी रेगुलेटेड एरिया घोषित कराने की तैयारी शुरू कर दी है। कार्ययोजना के मुताबिक पूरनपुर के 32 गांव और बीसलपुर के 19 गांवों को विनियमित क्षेत्र में शामिल किया जाना है।

बड़े शहरों की तर्ज पर होगा विकास

यदि इन 51 गांवों को विनियमित क्षेत्र में शामिल किए जाने की मंजूरी मिल जाती है तो पूरनपुर एवं बीसलपुर क्षेत्र में महानगरों की तर्ज पर सुनियोजित तरीके से विकास हो सकेगा। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया पूरनपुर एवं बीसलपुर के 51 गांवों को विनियमित क्षेत्र में शामिल करने की कवायद की जा रही है। ताकि तहसीलों में सुनियोजित तरीके से विकास हो सके।

सुरेश गंगवार बने भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य

पीलीभीत, अमृत विचार: भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश गंगवार को पार्टी ने राष्ट्रीय परिषद सदस्य बनाया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के नामांकन के दिन ही राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी नामांकन किया गया था। वरिष्ठ नेताओं ने सुरेश गंगवार का नाम पीलीभीत से राष्ट्रीय परिषद सदस्य के रूप में तय किया।

रविवार को प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नाम की घोषणा के साथ ही केंद्रीय चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के नाम की घोषणा की। उत्तर प्रदेश से कुल 120 राष्ट्रीय परिषद सदस्य बनाए गए हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम भी शामिल है।

श्रीमद भागवत महापुराण कथा एवं श्रीराधा कृष्ण रास उत्सव 16 से

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल की ओर से शहर के अग्रवाल सभा भवन में 24 दिसंबर से श्रीमद भागवत महापुराण कथा एवं श्रीराधा कृष्ण रास उत्सव का आयोजन किया जाएगा। ये आयोजन 24 दिसंबर तक चलेगा। संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने बैठक कर रूपरेखा तैयार की।

शहर के मोहल्ला मोहतसिम खां स्थित नीरज रस्तोगी के आवास पर संकीर्तन मंडल की बैठक हुई। जिसमें बताया गया 16 से 24 दिसंबर तक रोज शाम 6.30 बजे से कथा का श्रवण वृंदावन धाम से आने वाले जय प्रिया शरण महाराज कराएंगे। 17 से 23 दिसंबर तक सुबह 7:30 से 10:30 बजे तक वृंदावन धाम से आने वाले गोकुल ठाकुर महाराज कथा सुनाएंगे। 17 की सुबह 10 बजे श्रीमद भागवत महापुराण दिव्य कलश एवं ध्वज पताका यात्रा निकाली जाएगी। 24 को अग्रवाल सभा भवन में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर विश्वनाथ चंद्रा, दीपक गोयल, अतुल अग्रवाल, दीपक गोयल, राजीव अग्रवाल, प्रवण शास्त्री, दीपू अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल, पंकज रस्तोगी, नीरज रस्तोगी, उमेश अग्रवाल, शिवम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बैठक करते श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल के कार्यसमिति सदस्य। ● अमृत विचार

- **श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल कराएगा आयोजन, तैयारियां पूरी**

बच्चों को दोबारा स्कूल लाने की कवायद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **विभाग की ओर से चिन्हित किए गए 1025 बच्चे, स्कूलों में कराई जाएगी पढ़ाई**
- **पाठन सामग्री खरीदने के लिए मिल रहे 838 रुपये बच्चे के हिसाब से धनराशि**

अमृत विचार :पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों के भविष्य को नई दिशा देने की पहल तेज हो गई है। ऐसे बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षक मैदान में उतर चुके हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की यह मुहिम न सिर्फ ऐसे बच्चों की पहचान की, बल्कि उनकी पढ़ाई के लिए विशेष व्यवस्थाएं कर रहा हैं। सरकार बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने के साथ-साथ स्कूलों को धनराशि दे रही है,ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए।

जिले में परिषदीय विद्यालयों की संख्या 1508 हैं। जिसमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित होते हैं। इसके अलावा नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इनमें 18 स्कूलों का संचालन नगरीय क्षेत्र में किया जा रहा है। इन सभी स्कूलों में कक्षा चार से आठ में 1.15 लाख और कक्षा एक से तीन में 60864 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए स्कूल स्तर पर बच्चों की खोज कर उन्हें आउट आफ स्कूल योजना के तहत विद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इन बच्चों की पढ़ाई में प्रयोग होने वाली स्टेशनरी खर्च भी सरकार वहन करती है। जिले में वर्ष 2025-26 के शैक्षिक सत्र के लिए 1025 बच्चें चिन्हित किए हैं। इन बच्चों की स्टेशनरी के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से चिन्हित बच्चे से संबंधित स्कूल को 838 रुपये प्रति बच्चे के हिसाब से धनराशि मुहैया कराई जा रही है। जिसमें स्कूल प्रधानाध्यापक स्टेशनरी खरीदकर देंगे। इसमें कापी, पैंसिल, रबर, कटर, ज्योमेट्री बाक्स, पैन, आर्ट कापी, स्लेट, चाक, चार्ट पेपर, फाइल कवर आदि सामग्री शामिल है। जिला समन्वयक सचिन ने बताया कि आउट आफ स्कूल के तहत 1025 बच्चों को चिन्हित किया गया है। जिनके पढ़ाने के लिए स्कूलों को 838 रुपये प्रति बच्चे का दिया जा रहा है। ताकि उसे पाठ्य सामग्री उपलब्ध करा सके।

जूडो में प्रथम स्थान पर रही पावनी कश्यप

बिलसंडा, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला देवीस्थान निवासी कक्षा आठ की छात्रा पावनी कश्यप को जूडो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला।

प्रतियोगिता का आयोजन बीसलपुर में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से कराया गया था। इसमें जिले भर के स्कूलों से छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था, जिसमें पावनी ने सफलता पाई। पावनी नगर के रूप देवी इंटर कॉलेज में पढ़ाई करती हैं। प्रथम स्थान मिलने पर परिजनों ने उत्साहवर्धन किया।

इलाज के नाम पर दिखी सिर्फ औपचारिकता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पीएचसी पर दिखा इलाज, कई जगह जांच तक नहीं हुई**

अमृत विचार : आमजन को राहत देने के उद्देश्य से रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला जिले में अपनी मंशा के अनुरूप असर नहीं दिखा सके। कहीं डॉक्टरों की देरी, कहीं कर्मचारियों की कमी तो कहीं बुनियादी जांच सुविधाओं के अभाव ने मरीजों को निराश किया। शहर की कुछ पीएचसी पर इलाज मिलता नजर आया, लेकिन देहात में कागजी औपचारिकता बनकर रह गया।

जिले के 32 प्राथमिक और नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला आयोजित किया गया। सरकार की मंशा थी कि छुट्टी के दिन भी आमजन को निःशुल्क और बेहतर इलाज मिले, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही ने इस योजना की पलीता लगा रही है।शहर की बागगुलशेर खां पीएचसी पर 105 और जोशी टोला पीएचसी पर 110 मरीज इलाज के लिए पहुंचे, जहां उन्हें अपेक्षाकृत संतोषजनक इलाज मिला। इसके उल्ट बीसलपुर क्षेत्र की कई पीएचसी पर कर्मचारियों की कमी के चलते जांच तक नहीं हो सकी। पूरनपुर क्षेत्र में चिकित्सकों के देरी से पहुंचने पर मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। अमरिया तहसील के विभिन्न पीएचसी पर जन आरोग्य मेलों में ग्रामीणों की अच्छी भीड़ रही। यहां डॉक्टरों ने बुखार, खांसी, एलर्जी और त्वचा रोग से पीड़ित मरीजों का उपचार कर दवाएं उपलब्ध कराईं। बीसलपुर नगर के दुबे मुहल्ला स्थित नगरीय पीएचसी में 80 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, लेकिन बुखार और शुगर जैसी बुनियादी जांचें नहीं हो सकीं। चुर्रासकतपुर पीएचसी पर प्रचार-प्रसार के अभाव में महज 12 मरीज ही इलाज के लिए पहुंचे। दियोरिया समेत अन्य केंद्रों पर भी अव्यवस्थाएं दिनभर बनी रहीं। ललौरीखेड़ा सीएचसी में डॉ. दीपा बाजपेई रही। उन्होंने बताया कि सर्दी खांसी बुखार के कुल 16 मरीज आए थे। सीएचसी अधीक्षक डॉ.कमलेश गंगवार ने भी मौके पर पहुंचकर हालात परखे।

शहर के बाग गुलशेर खां में मरीज का चेकअप करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

पल्स पोलियो अभियान शुरु, डीएम ने पिलाई बच्चों को दवा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले में रविवार को पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो गई। पहले दिन डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर उन्हें सुरक्षित किया। अभियान को गति देने और हकीकत परखने के लिए बरेली से ऐडी हेल्थ भी पहुंचे। उन्होंने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के साथ ग्रामीण क्षेत्र में बूथ चेक किए। बीसलपुर में बैठक कर दिशा निर्देश दिए। यह अभियान 19 दिसंबर तक चलेगा।

रविवार से शासन के निर्देश पर पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हुई। पहले दिन को बूथ दिवस के रूप में मनाया गया। जहां मोहल्ला नखासा स्थित अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर बनाए गए बूथ पर शुरुआत डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने कराई। डीएम ने बच्चों को खुद दवा की खुराक पिलाई। व्यवस्थाओं की जानकारी की। इसके अलावा शहर में अन्य बूथों को सीएमओ और अन्य टीमों ने चेक किया। जहां बच्चों को दवा पिलाई गई। इसके अलावा ऐडी हेल्थ बरेली डॉ. टीपी राठौर भी बरखेड़ा पहुंचे। उन्होंने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस के सिंह के साथ बरखेड़ा सीएचसी को चेक किया। इसके बाद गाजीपुर कुंडा, पतरसिया, प्राथमिक विद्यालय बरखेड़ा, जोगीठेर में जाकर अभियान की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। क्षेत्र में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 133 स्थायी बूथ और 12 ट्रांजिट बूथ बनाए गए। प्रभारी चिकित्सक डॉ लोकेश गंगवार ने बताया कि पहले दिन 33981 बच्चों के सापेक्ष 72.9 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। पिछले साल पल्स पोलियो अभियान पहले स्थान पर रहा था।

सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि यह अभियान 19 तक चलेगा। जिसमें टीम घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। इसके लिए जिले में इस बार अभियान में 3.70 लाख बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान के लिए 1231 बूथ बनाए गए हैं। घर-घर दवा पिलाने को 801 टीमें बनाई गई हैं। इनके अलावा 38 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं। यह बूथ सार्वजनिक और बाजार आदि में बनाएं जाएंगे। 38 मोबाइल टीमें बनाई गई है, जोकि क्षेत्र में भ्रमणशील रहते ईंट भट्टे और अन्य स्थानों पर काम करने वाले परिवारों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी।

मोहल्ला नखासा में आरोग्य मंदिर पर बच्चों को दवा पिलाते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

बरखेड़ा में बच्चों को दवा पिलाते ऐडी हेल्थ डॉ. टीपी राठौर। ● अमृत विचार

- **ऐडी हेल्थ भी पहुंचे पीलीभीत, क्षेत्र में चेक किए सेंटर हुई बैठक**
- **3.70 लाख बच्चों का लक्ष्य तय 1231 बूथ पर पिलाई गई दवा**

शिविर में उपभोक्ता ने कराया पंजीकरण

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव इलाहाबांस सिमरा में पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के तहत कैंप लगाया। जिसमें 14 उपभोक्ताओं ने पहुंचकर पंजीकरण कराया और 62154 बकाया बिजली बिल जमा किया। जेई राजेश कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं को लाभ मिल सके इसलिए दूरस्थ गांवों में शिविर लगाकर पंजीकरण किया जा रहा है।

शिविर में मौजूद टीम व उपभोक्ता।

परिषदीय स्कूलों की प्रार्थना सभा में बजेगी बैंड की धुन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **250 से अधिक नामांकन वाले विद्यालयों को मिली वरीयता**
- **33 स्कूलों के लिए 22.44 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत**

अमृत विचार : जिले के परिषदीय विद्यालयों का शैक्षिक माहौल अब और अनुशासित नजर आएगा। बच्चों की सुबह की शुरुआत केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बैंडबाजे की धुनों के साथ होगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने चयनित उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बैंड और विशेष ड्रेस की व्यवस्था कर छात्रों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को नई दिशा देने की पहल की है।

जिले के परिषदीय विद्यालयों में जल्द ही प्रार्थना सभाएं बैंडबाजे की मधुर धुनों से गूंजेंगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने शैक्षिक वातावरण को आकर्षक और प्रेरक बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। बीएसए रोशनी सिंह ने बताया कि जिले के चयनित उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों का विशेष बैंड समूह गठित किया जाएगा। इन बच्चों को वाद्य यंत्रों के साथ अलग व आकर्षक यूनिफार्म भी उपलब्ध कराई जाएगी। शासन स्तर से उन विद्यालयों को प्राथमिकता दी गई है, जहां छात्र संख्या 250 से अधिक है। प्रत्येक चयनित विद्यालय को स्कूल बैंड और बैंड यूनिफार्म सुविधा विकसित करने के लिए 68 हजार रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है। जिले के करीब 33 विद्यालयों को मिलाकर 22.44 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है। बीएसए ने सभी चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया है कि उपकरणों की खरीद शीघ्र पूरी कर बैंड वादन का प्रशिक्षण प्रारंभ कराया जाए।

शहर में आज

- पल्स पोलियो अभियान के तहत घर-घर दवा का वितरण सुबह 09 बजे से।
- राम इंटर कॉलेज ग्राउंड पर लगे रोटरी शरद मेले में रंगारंग कार्यक्रम शाम 6 .30 बजे से।
- परिषदीय विद्यालयों में संचालित बाल वाटिका में रेडीनेस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे से।
- समाजवादी पार्टी की एसआईआर कार्य की समीक्षा बैठक बिलसंडा में सुबह 11 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे की एफआईआर दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम अंडरायन निवासी अरुण कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 27 नवंबर की दोपहर करीब एक बजे उसके पिता राजकुमार बाइक से जनकपुरी गांव से मडरिया जा रहे थे। जैसे ही वह गन्ना क्रय केंद्र के समीप पहुंचे। तभी बाइक चालक लापरवाही से वाहन चलाता हुआ आया और टक्कर मार दी। हादसे में उसके पिता राजकुमार और मौसा इंदल प्रसाद घायल हो गए। दोनों का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

युवक को घेरकर पीटा रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के नौगांव पकड़िया निवासी राजवीर सिंह चौहान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शनिवार शाम को वह अपने घर से असम चौराहे पर सामान खरीदने गए थे। शाम 7 :30 बजे रंजीत कुमार, शांति स्वरूप, रामकुमार निवासी ग्राम ज्योरहा कल्यानपुर थाना बरखेड़ा ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सिर में लोहे का पंच मार दिया और धमकाते हुए भाग गए। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराया। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पार्टी के दौरान मारपीट तीन लोग घायल

पीलीभीत,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खकरा निवासी रामबेटी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया शनिवार को उसके पुत्र क्रिश का जन्मदिन था। घर पर मेहमान आए हुए थे। इस दौरान उसके देवर हरीश ने नशे की हालत में आकर गाली गलौज शुरू कर दी। पुत्र क्रिश और पुत्री तानिया के साथ मारपीट की। वह बचाने पहुंची तो उनके देवरानी संतोषी ने पैर में ईंट मार दी। इसके बाद आरोपी भाग गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

सुविधाओं पर कम, टैक्स वसूली पर अधिक ध्यान

टूटे डिवाइडर, रोशनी के इंतजाम भी नाकाफी, असम हाईवे पर बिठौराकलां गांव के पास स्थित टोल टैक्स का हाल बेहाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बिठौराकलां टोल प्लाजा के पास का क्षतिग्रस्त डिवाइडर। ● अमृत विचार

असम हाईवे पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास की जर्जर सड़क से गुजरते राहगीर।

अमृत विचार : असम हाईवे पर ग्राम बिठौराकलां के पास बने टोल प्लाजा पर वाहन सवारों को टैक्स देना पड़ रहा है। इसी साल अप्रैल से कमर्शियल के हैवी व्हीकल के लिए नई दरें भी लागू कर दी गई थी। मगर, मुसाफिरों को टैक्स देने के बाद भी कोई सुविधा मुहैया नहीं कराई जा रही है। हाईवे पर कई जगह चल रहे निर्माण कार्यों से उड़ती धूल और जर्जर सड़क के आवागमन के बाद टोल पर भी शौचालय, पेयजल समेत अन्य इंतजाम दुरुस्त नहीं है। आलम ये है कि टोल वाले स्थान का ही डिवाइडर लंबे समय से क्षतिग्रस्त है, जिसका सुधार अब तक नहीं कराया जा सका है। हादसे का भी डर बना हुआ है। मगर टोल प्लाजा के जिम्मेदार इन कमियों को नेशनल हाईवे के अधिकारियों की जिम्मेदारी बताकर हाथ खड़े कर रहे हैं।

फिलहाल कई बार टोल टैक्स देने वाले राहगीरों भी इसे लेकर सवाल जवाब कर रहे हैं। बता दें पहले असम हाईवे पीडब्ल्यूडी के अधीन था। बाद में यह एनएच के अधीन चला गया और फोर लेन की प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि अभी भी कुछ स्थानों पर सड़क सिंगल लेन है। मगर पीलीभीत से पूरनपुर तक अभिलेखों में यह सड़क फोरलेन हो चुकी है। जिसके चलते एनएचएआई ने शहर से दस किमी दूर बिठौराकलां के पास टोल प्लाजा का निर्माण कराया। दो सितंबर 2022 को इस टोल पर ट्रैक्स लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई थी। इस टोल प्लाजा से आने जाने वाले चार पहिया वाहन स्वामियों को 30 रुपये टोल टैक्स अदा करना पड़ता है। एक अप्रैल से हैवी व्हीकल पर नई दरें लागू हो चुकी है। वैसे तो ये टैक्स वाहन चालक सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए चुकाते हैं, लेकिन लंबे समय से हाईवे पर वाहन चालकों को टैक्स चुकाने के बाद भी परेशानियां ही मिल रही हैं।

पीलीभीत से पूरनपुर की दूरी 40 किलोमीटर है, लेकिन इस सफर में कई समस्याएं भी हैं। असम चौराहे पर फ्लाईओवर का पिछले तीन साल से अधिक समय से निर्माण चल रहा है, जो कि अभी तक पूरा नहीं हो सका है। धूल का गुबार है। जहां-तहां निर्माण सामग्री के ढेर लगे हुए हैं और जाम भी लगता रहता है। फ्लाईओवर की सर्विस रोड भी जर्जर है। इससे वाहन चालकों को खासी दिक्कत होती है। टोल प्लाजा पर भी इंतजाम दुरुस्त नहीं है। डिवाइडर लंबे समय से टूटा है। कई बार चालक गड्ढों को बचाने में अनियंत्रित तक हो जाते हैं। शौचालय का हाल भी बदहाल है। इसके अलावा रोशनी के भी पर्याप्त इंतजाम नहीं है। यहां पर का एक धर्मकांटा काम भी नहीं कर रहा है। कम शब्दों में कहा जाए तो टोल प्लाजा पर मुसाफिरों की सुविधा के लिए शौचालय, इमरजेंसी फोन, एंबुलेंस, पिकेट टीम और पेयजल की सुविधा होना अनिवार्य है, लेकिन बिठौराकलां गांव के पास बने टोल प्लाजा पर ऐसी कोई भी सुविधा दुरुस्त हालत में धरातल पर देखने को नहीं मिलती। टोल प्लाजा का शौचालय जर्जर हालत में है। वॉश बेसन भी खराब है। ऐसे में यहां से गुजरने वाले मुसाफिरों को परेशानी उठानी पड़ती है। पेयजल की भी व्यवस्था नहीं है।

लागू होने वाली टोल टैक्स की दरें

वाहन	टैक्स (रुपये में)
कार	30
हल्के कमर्शियल वाहन	50
बस या ट्रक	100
कॉमर्शियल बड़े वाहन	110
हैवी कंस्ट्रक्शन मशीनरी	160
अधिक बड़े वाहन	195

टोल वसूलने वाली एजेंसी के जिम्मेदारों ने खींचे हाथ

टोल प्लाजा पर चली आ रही अव्यवस्थाओं को लेकर वर्तमान में जो एजेंसी काम कर रही है। उसके जिम्मेदारों ने अपने हाथ खींच लिए हैं। उनका साफ कहना है कि हर साल इसका ठेका बदलता है। उनकी फर्म ने हाल ही में इसे लिया है। अव्यवस्थाएं जो बताई जा रही है, वह उनके समय की नहीं है। पहले से चली आ रही है। इसके सुधार की जिम्मेदारी नेशनल हाईवे के अधिकारियों की है। टोल प्लाजा का संचालन एजेंसी के माध्यम से किया जाता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : काम निपटाकर घर जा रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।

हादसा थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम बरातबोझ के पास शनिवार देर रात हुआ। थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम परेवा निवासी बबलू कश्यप (35) बाइक से काम के सिलसिले में शनिवार को जहानाबाद गए थे। काम निपटाने के बाद बाइक से घर जा रहे थे। तभी गांव बरातबोझ के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर एकत्र भीड़ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की शिनाख्त कर परिवार वालों को बुलाया। परिजन का रोकर बुरा हाल रहा। इंस्पेक्टर प्रदीप विश्नोई ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्टडी वीजा पर इंग्लैंड भेजने के नाम पर ठगे 9.65 लाख

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● एसपी के आदेश पर सदर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : स्टडी वीजा के नाम पर इंग्लैंड भेजने की बात कहकर जालसाज ने 9.65 लाख की ठग लिए। एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम नौगवां पकड़िया निवासी मोहम्मद अरबाज ने सदर कोतवाली में दी तहरीर में बताया थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम सरदार नगर निवासी फैज मलिक से उसके पारिवारिक संबंध थे। फैज आवास विकास कॉलोनी में एक कंपनी चलाता था। यह कंपनी विदेश भेजने का काम करती थी। उसने भी स्टडी वीजा पर इंग्लैंड जाने के लिए उससे बात की। फैज ने इंग्लैंड भेजने के लिए 14 लाख रुपयों की मांग की। इस पर उसने फाइल चार्जिंग और फीस के नाम पर 6.65 लाख रुपये अलग-अलग बार में दे दिए। इसके बाद फैज मलिक ने उसको इंटरव्यू के लिए बुलाकर इंटरव्यू भी कराया। तीन दिन बाद फैज ने इंटरव्यू में पास हो जाने की बात कहकर ढाई लाख रुपये की मांग की। उसने ढाई लाख रुपये भी 30 अगस्त 2024 को फैज के बैंक खाते में डाल दिए और रुपये देने के बाद दो सप्ताह बाद वीजा आने की बात कही गई, लेकिन वीजा नहीं आया। उसके बाद आरोपी ने 50 हजार रुपये और मांगे। उसने वह रुपये भी दे दिए। बाद में जानकारी करने पर पता चला कि फैज ने उसकी मार्कशीट में भी हेरा फेरी कर दी है। इस पर जब उसने आरोपी से अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी ने रुपये वापस करने से साफ इंकार कर दिया। गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया रविवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना में साक्ष्य के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

दंपती में कराई सुलह, फिर थाने से हुई विदा

पीलीभीत, अमृत विचार: दंपती के बीच काउंसलिंग कर सुलह कराई गई। इस मामले में बीते दिनों विवाहिता की मां ने पुलिस के महिला सुरक्षा केंद्र पर तहरीर दी थी। ग्राम सेहरामऊ निवासी महिला ने थाना सेहरामऊ उत्तरी पर महिला सुरक्षा केंद्र पर एक शिकायती पत्र दिया था। जिसमें पलिया लखीमपुर खीरी निवासी दामाद पर पुत्री को शादी के बाद डेढ़ वर्ष से घर न ले जाने समेत अन्य आरोप लगाए थे। इस मामले में रविवार को महिला सुरक्षा केंद्र/मिशन शक्ति टीम थाना सेहरामऊ उत्तरी द्वारा दोनों पक्षों को महिला सुरक्षा केंद्र पर बुलाकर काफी देर तक समझाया। जिसके परिणामस्वरूप पति-पत्नी के मध्य आपसी सहमति बन गई। दोनों ने एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर अपने मतभेद समाप्त किए और सुखद वैवाहिक जीवन जीने का संकल्प लिया। पति-पत्नी को एक-दूसरे के साथ थाने से विदा किया गया।

बाघों की गणना आज से, 35 दिन होगी निगरानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पीटीआर में शावकों के साथ बाघिन। (फाइल फोटो)

पीटीआर में टाइगर एस्टीमेशन को लेकर सभी चिन्हित स्थानों पर कैमरे लगाए जा चुके हैं। 616 कैमरे लगाए गए हैं। सोमवार से बाघ गणना शुरू की जाएगी। सभी टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमों को एनटीसीए के प्रोटोकॉल के तहत कार्य करने का निर्देशित किया गया है। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

● सभी पांच रेंजों में कैमरा लगाने का कार्य रविवार शाम को पूरा, एम-स्ट्राइप एप से जानकारी होगी दर्ज

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघों की सटीक आकलन करने के लिए सोमवार से बाघ गणना शुरू की जाएगी। टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों में सोमवार से लगातार 35 दिन तक कैमरों से नजर रखी जाएगी। रविवार शाम शेष बची माला रेंज में कैमरे लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया। बाघ गणना को लेकर सभी पांच रेंजों में चिन्हित प्वाइंटों पर 616 कैमरा ट्रेप लगाए गए हैं। 35 दिन तक कैमरा ट्रैपिंग के बाद डेटा कंपाइलेशन कर एकत्रित डेटा को डब्ल्यूआईआई देहरादून भेजा जाएगा।

बाघों की संख्या दोगुनी करने के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीएक्सटू अवार्ड हासिल कर चुके पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अखिल भारतीय बाघ गणना-2026 का कार्य तेजी से चल रहा है। इस बार यह गणना खास है, क्योंकि राज्य सरकार के निर्देशों पर बाघों के साथ-साथ अबकी बार तेंदुए समेत अन्य शाकाहारी वन्यजीवों की भी वैज्ञानिक पद्धति से गणना की जाएगी। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की महोफ, बराही, माला, हरीपुर एवं दियोरिया रेंज में टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमों को पूर्व में ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह प्रशिक्षित टीमें तय प्रोटोकॉल के तहत जंगल में बाघों की मौजूदगी के वैज्ञानिक प्रमाण (पगमार्क, स्कैट, कैमरा फुटेज) जुटाएंगे। गौरतलब है कि 2022 की गणना में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 71 से अधिक बाघ मिले थे। मगर, अब स्थिति बदल चुकी है। वहीं बाघ गणना इस बार पूरी तरह पेपरलेस होगी। टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमें एम-स्ट्राइप एप के माध्यम से जानकारी दर्ज करेंगे। जिसमें बाघों के पगमार्क, खरोंच, मल और शिकार के निशान देखकर डेटा एप में फीड किया जाएगा। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की चार रेंजों में कैमरा लगाने कार्य शनिवार शाम तक पूरा कर लिया गया था। इधर रविवार को माला रेंज में भी चिंहित प्वाइंटों पर कैमरा लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया। टाइगर रिजर्व प्रशासन की मुताबिक बाघ गणना को लेकर टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों को 568 ग्रिड में विभाजित किया गया है। एक ग्रिड का आकार 02 वर्ग किमी निर्धारित किया गया है। प्रत्येक ग्रिड में एक पेयर कैमरा लगाया गया है। इस तरह सभी पांच रेंजों में 616 कैमरा लगाए गए हैं। इधर अब सोमवार से सभी पांच रेंजों में बाघ गणना शुरू की जाएगी। एनटीसीए के प्रोटोकॉल के तहत लगातार 35 दिन तक कैमरा ट्रैपिंग की जाएगी। इस दौरान चिन्हित प्वाइंटों पर लगे कैमरों द्वारा बाघों की फोटो कैप्चर की जाएगी। कैमरा ट्रैपिंग के बाद डेटा कंपाइलेशन किया जाएगा।

विवाद बढ़ता देख ईओ ने बिल पर किए दस्तखत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● विकास कार्य ठप होने पर डीएम से मिले थे सभासद, इस्तीफा देने की दी थी चेतावनी

● नाराज डॉ. आस्था अग्रवाल ने ईओ का वेतन रोकने का जारी किया था आदेश

अमृत विचार : नगर पालिका में उपजे गतिरोध ने अब सियासी और प्रशासनिक दोनों ही स्तरों पर हलचल तेज कर दी है। खुद का वेतन रुकने के बाद ईओ ने समस्त कर्मचारियों का अघोषित रुप से वेतन रोक दिया था।

इस पर कर्मचारियों ने विरोध शुरु कर दिया। मामला डीएम तक पहुंच गया। जिसके बाद अब ईओ ने बिलों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। ठप पड़े विकास कार्यों को लेकर सभासदों का प्रतिनिधिमंडल तीन दिन पहले डीएम से मिलकर इस्तीफे की चेतावनी दे चुका है। ऐसे में अब आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित किए जाने हैं। जिसे लेकर अब बोर्ड बैठक पर निगाहें टिकी हुई है।

ईओ संजीव कुमार की कार्यप्रणाली को देखते हुए चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने ईओ का वेतन रोकने का आदेश जारी किया था। जिसका पत्र शासन से लेकर मंडल स्तर पर आठ अधिकारियों को भेजा गया था। जिसमें साफ तौर पर ईओ के कार्य से संतुष्ट न होने और लेटलतीफी के चलते पालिका की छवि धूमल होने की बात कही थी। साथ ही नवंबर का वेतन रोक दिया था। वेतन रुकने से खफा ईओ ने भी अपनी प्रशासनिक कलम का दुरुप्रयोग कर दिया था। उन्होंने कर्मचारियों के बिल पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। जिससे कर्मचारियों को वेतन लटक गया था। इस पर कर्मचारियों ने शिकायतें करना शुरु कर दिए थे। मामला तूल पकड़ता देखकर ईओ ने शनिवार को बिल पर हस्ताक्षर कर दिए थे। जिसके बाद वेतन रिलीज कर दिया गया। हालांकि उनका वेतन रुका हुआ है। यह मामला शांत हुआ तो सभासद विकास कार्यों को लेकर डीएम से शिकायत करने के लिए पहुंच गए। जहां उन्होंने वार्डों के हालात बताए। डीएम ने ईओ संजीव कुमार और चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल से वार्ता की थी। ईओ ने बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को सहमति से पास करने की बात रखी। डीएम ने निर्देश दिए हैं कि विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जाएं। नगरपालिका की ओर से जल्द ही बोर्ड बैठक करने का निर्णय लिया गया है। जहां सभासद अपने-अपने प्रस्ताव रखेंगे। साथ ही पुराने कार्यों को लेकर भी चर्चा की जाएगी। सभासद मान रहे हैं कि 15 दिसंबर को बोर्ड बैठक होनी है, लेकिन पालिका की ओर से अभी तक एजेंडा जारी नहीं किया गया है, न तारीख तय हो सकी है। चल रही आपसी खींचतान के बीच बैठक में हंगामा होने के पूरे आसार बने हुए हैं। ईओ संजीव कुमार ने बताया कि कर्मचारियों का वेतन रिलीज कर दिया गया है। बोर्ड बैठक को लेकर वार्ता की जा रही है। जल्दी तारीख के साथ एजेंट जारी किया जाएगा। जहां प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

तालाब के किनारे झाड़ियों में दिखा मगरमच्छ

बिलसंडा, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला देवीस्थान में तालाब के किनारे झाड़ियों में मगरमच्छ बैठा दिखाई दिया। जानकारी होने पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जो वायरल हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कई बार तालाब से निकलकर मगरमच्छ आबादी में घरों के नजदीक पहुंच जाता है। जिससे बच्चों को लेकर हादसे का डर सताता रहता है। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई है। वन दरोगा राकेश कुमार ने बताया कि सूचना मिली है। टीम भेजकर मगरमच्छ रेस्क्यू कराया जाएगा।

मृत दर्शाकर काटे राशन कार्ड से नाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● बिना मृत्यु प्रमाण पत्र के ही राशन कार्ड से हटाए नाम, राशन लेने पहुंचे तो हुआ खुलासा

अमृत विचार : जिंदा लोगों को कागजों में मृत बना दिया गया। पूर्ति विभाग के जिम्मेदारों के सर्वे में बरती गई लापरवाही से दो परिवारों के छह सदस्यों के नाम राशन कार्ड से हटा दिए गए। मामला तब सामने आया, जब पात्र परिवार राशन लेने पहुंचे और उन्हें बताया गया कि उनकी यूनिट पहले ही निरस्त की जा चुकी हैं। इस पर वह दंग रह गए। दोनों ही परिवारों के मुखिया जिंदा होने का सबूत दे रहे हैं। अब डीएम को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

जिले के बीसलपुर ब्लॉक स्थित रिछोला सबल गांव में पूर्ति विभाग की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। यहां दो परिवारों के कुल छह जीवित सदस्यों को सरकारी रिकॉर्ड में मृत दर्शाते हुए उनके राशन कार्ड से नाम काट दिए गए। हैरानी की बात यह है कि यह कार्रवाई बिना किसी मृत्यु प्रमाण पत्र के ही कर दी गई। पीड़ित लइक अहमद ने बताया कि जब वह राशन लेने कोटेदार की दुकान पर पहुंचे, तो उन्हें जानकारी मिली कि उनके राशन कार्ड से चार यूनिट निरस्त कर दी गई हैं। जांच करने पर पता चला कि उनके परिवार में लइक अहमद, उनके बड़े बेटे दिलशाद हुसैन उनके बेटे की बेटी नुजहत फातिमा और निकहत फातिमा को मृत दर्शाकर नाम हटा दिए गए हैं। इस कार्रवाई से परिवार राशन जैसी मूल सुविधा से वंचित हो गया। इसी गांव के अशफाक हुसैन और उनके बेटे के साथ भी यही स्थिति सामने आई। दोनों जीवित हैं, इसके बावजूद विभागीय अभिलेखों में उन्हें मृत दिखाकर राशन कार्ड से नाम काट दिया गया। पीड़ितों का कहना है कि न तो उनसे कोई सत्यापन कराया गया और न ही किसी प्रकार की सूचना दी गई। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति का नाम राशन कार्ड से हटाने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र अनिवार्य होता है, लेकिन इस मामले में नियमों को दरकिनार कर दिया गया। पीड़ित परिवार अब पूर्ति विभाग के अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं और अपने नाम दोबारा राशन कार्ड में दर्ज कराने की मांग कर रहे हैं। दोनों परिवार के मुखिया ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की हैं।

युवक ने की खुदकुशी पिता ने लगाए आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● बीते दिनों युवक पर दर्ज हुई थी मारपीट और छेड़छाड़ की रिपोर्ट

● जेल जाने के डर से तनाव में रह रहा था मुजीब

अमृत विचार: मारपीट और छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद तनाव में रह रहे युवक ने रविवार शाम को फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। मृतक के पिता ने कुछ लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।

जहानाबाद क्षेत्र के एक युवक ने फंदे से लटक कर जान दे दी। उस पर बीते दिनों मारपीट और छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। परिवार वालों ने इसी को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर पुलिस को दी है। जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम मुड़सेना बख्श निवासी मिसर यार खा ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों ने उनके पुत्र मुजीब खा के खिलाफ मारपीट और छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसको लेकर वह परेशान चल रहा था। बेटा नीट की तैयारी कर रहा था। आरोप है मुकदमा दर्ज कराने वाले पुत्र से रंगदारी मांग रहे थे। इससे वह तनाव में रहने लगा था। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे आरोपियों ने जेल भिजवाने की धमकी दी तो वह और परेशान हो गया। इसी के चलते उसने फंदे से लटक कर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी जुटाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। परिवार से दी गई तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है।

जमीन पर कब्जे को लेकर महिला से मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : जमीन पर कब्जे को लेकर महिला से मारपीट की गई। पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम माधोपुर निवासी मुन्नी देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका गांव में एक पुश्तैनी मकान है। जिसके बराबर में कुछ जगह खाली पड़ी है। खाली पड़ी जमीन भी उसी के नाम है। इस जमीन पर उसके परिवार के नरेश कुमार, शिव स्वरूप ,सचिन कुमार, शिवम कुमार और मोहित कुमार कब्जा करना चाहते हैं। इसी को लेकर चल रही रंजिश में आरोपी आए दिन गाली गलौज करते हैं। विरोध करने पर बीते दिनों मारपीट की गई। शोर पर लोग जमा हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा पर मिठाई खिलाकर मनाया जश्न

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

एक दूसरे को मिठाई खिलाते बीजेपी पदाधिकारी और कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● अब जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा के लगाए जाने लगे कयास

● जनवरी में जिलाध्यक्ष को लेकर भी किए जा चुके हैं आवेदन

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद जिले में जश्न सा माहौल है, पार्टी कार्यालय से लेकर अन्य स्थानों पर पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे मिठाई खिलाई। अब पीलीभीत जिलाध्यक्ष को लेकर भी सियासी कयास लगाए जाने लगे हैं। कोई जातिगत तो कोई स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जोड़कर अपने-अपने कयास लगा रहा है। फिलहाल जल्द ही जिलाध्यक्ष पद पर घोषणा किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। इस घोषणा का इंतजार न केवल भाजपाइयों को है, बल्कि विपक्षी दलों को भी है।

पीलीभीत में दो बार से संजीव प्रताप सिंह भाजपा के जिलाध्यक्ष हैं। वह छह साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। साल की शुरुआत जनवरी में भाजपा में संगठन की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जिलाध्यक्ष पद को लेकर आवेदन लिए गए। कुल 28 नेताओं ने भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए दावेदारी की। पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारियों की मौजूदगी में प्रक्रिया चली। मगर कई जगहों पर जिलाध्यक्ष की घोषणा कर दी गई, लेकिन पीलीभीत में अभी तक मामला फंसा हुआ है। वर्तमान में संजीव प्रताप सिंह ही जिलाध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। 28 दावेदारों में से कुछ को छोड़ दें तो अधिकांश अपने-अपने जनप्रतिधियों की शरण में और लखनऊ से लेकर दिल्ली की दौड़ लगा चुका है।

ये हैं जिलाध्यक्ष पद के 28 दावेदार

भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन कराने वालों में गुरभाग सिंह, लेखराज भारती, राजेंद्र प्रसाद कश्यप, रेखा सिंह परिहार, दीपक कुमार अग्रवाल, डालचंद्र वर्मा, आयुष मिश्रा, सुषमा देवी, अलंकार शर्मा, तुलाराम लोधी, कमलेश कुमार गंगवार, सतनाम सिंह, सोनू वाल्मीकि, रजनीश पांडेय, गोकुल प्रसाद मौर्य, दिनेश पटेल, अमित वाल्मीकि, मनोज कुमार गुप्ता, नागेंद्र प्रताप सिंह, धीरेंद्र मिश्रा, संजीव मोहन अग्रवाल, प्रफुल्ल मिश्रा, रेनू राज, हेमराज दिवाकर, संतराम राठौर, शरदपाल सिंह, महादेव गाईन, अमित अग्रवाल आदि हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद ही जिलाध्यक्ष पद पर घोषणा की उम्मीद बढ़ गई है। प्रदेश बीजेपी की कमान अब पंकज चौधरी के हाथों में है। प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के कार्यक्रम को पार्टी कार्यालय में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने देखा। फिर खुशी जताते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया । इस मौके पर जिला महामंत्री लेखराज भारती,जिला कार्यालय मंत्री हेमराज दिवाकर,जिला आईटी संयोजक धर्मेंद्र लोधी, लोकसभा आईटी संयोजक सुमित गंगवार,पूर्व सभासद भीम सिंह चौहान,पूर्व नगर महामंत्री मनोज मिश्रा,रिषभ कश्यप, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे। इधर, प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होने के बाद अब पीलीभीत के नए जिलाध्यक्ष को लेकर भी कयास तेजी से लगाए जाने लगे हैं।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
• सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज • दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। • छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण • घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध • नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन • बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज • वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
• सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
• रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
• ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
• दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
• सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
• दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
• गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
• रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
• बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
• अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
• रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
• लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रात: 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

लंबी कूद में साक्षी, अंजलि और कबड्डी में रंजना की टीम विजेता

दो दिवसीय क्रीड़ा स्पर्धा का समापन, 390 छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग, पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : चौधरी निहाल सिंह कृषि (पीजी) कॉलेज में चल रही दो दिवसीय विद्यालय स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। इसमें पीजी कॉलेज के साथ ही चौधरी निहाल सिंह पब्लिक स्कूल, इंटर कॉलेज के कुल 390 छात्र -छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उत्साह के साथ बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को पुरस्कृत कर हौसला बढ़ाया गया।

अंतिम दिन की प्रतियोगिताओं की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने कराई। उन्होंने कहा कि हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए और खेल में जीतना नहीं, जीतने की चाह रखना ही सब कुछ है। लंबी कूद सब जूनियर बालक वर्ग में ऋषभ,जयप्रकाश,केशव, सुपर सीनियर बालक वर्ग में पुष्पेंद्र,विनय, कपिल देव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद जूनियर बालिका वर्ग में साक्षी, अंशिका और सीनियर वर्ग में अंजलि, गायत्री और संजना ने जीत दर्ज की। चक्का फेंक सब जूनियर बालक वर्ग में विश्व प्रताप, विराट, आयुष पालन, बालिका वर्ग में वर्षा, शिवी, जयोति, गोला फेंक सुपर सीनियर बालिका ग्रुप में वर्षा, शिवी, ज्योति, सीनियर बालिका वर्ग में अंजलि, शिवानी, गायत्री क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। ● अमृत विचार

कबड्डी सब जूनियर बालक वर्ग में ऋषभ, जूनियर वर्ग में कुनाल, सुपर सीनियर बालिका वर्ग में रंजना की टीम विजेता बनी। खो खो सब जूनियर बालिका वर्ग में अनन्या, जूनियर वर्ग में निशा, बालक वर्ग में लक्ष्य और विकास गंगवार की टीम विजेता रही। वालीबॉल जूनियर बालक वर्ग में देव प्रकाश की टीम ने जीत दर्ज की। इसके अलावा भी कई प्रतियोगिताएं हुई।

निर्णायक मंडल में रीना मिश्रा, प्रेमपाल, रामसेवक, संतोष कुमार, डीपी गंगवार, मोहनलाल आदि मौजूद रहे। कॉलेज/ सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड पीलीभीत के अध्यक्ष चौधरी दिग्विजय सिंह ने अतिथि का आभार व्यक्त कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। संचालन दुर्गेश आर्य और अनुराग शर्मा ने किया ।कॉलेज प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह, अनूप ,ओमप्रकाश, मनोज आदि मौजूद रहे।

बाढ़ से कटे मार्ग की नहीं कराई मरम्मत, आक्रोश

बीसलपुर, अमृत विचार : बरेली मार्ग से गांव भैंसटा जलालपुर जाने वाले रास्ते का कुछ हिस्सा बीते दिनों मूसलाधार बारिश के बाद आई बाढ़ से कट गया था। इससे आवागमन बाधित है और अभी तक मरम्मत कार्य नहीं हुआ। परेशानियों को देखते हुए ग्रामीणों ने रविवार को विरोध प्रदर्शन कर जल्द मार्ग का सुधार कराने की मांग पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से की।

बीसलपुर- बरेली मार्ग पर 10 किमी स्टोन के पास से गांव भैंसटा जलालपुर जाने वाला लिंक मार्ग है। जुलाई में देवहा नदी में आई बाढ़ से कई मीटर रोड कट गई थी। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने रविवार को एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। उनका कहना है कि कई बार मांग की जा चुकी है लेकिन सुधार नहीं हो सका है। इस मौके पर गोपी सिंह, राकेश कुमार, महेश चंद्र, मांगूलाल, राजन, राधेश्याम, मनु, प्रेमपाल, जय सिंह, रामवीर, सोमवीर आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्व शांति के लिए किया यज्ञ

बीसलपुर, अमृत विचार : गायत्री शक्तिपीठ पर रविवार सुबह विश्व शांति के लिए यज्ञ एवं गोष्ठी की गई। गायत्री परिवार के लोगों ने यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व कल्याण की कामना की। गायत्री परिवार ट्रस्ट बीसलपुर के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव ने कहा कि शान्ति कुंज के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने जन -जन में गायत्री और यज्ञ के माध्यम से युग परिवर्तन का संकल्प लिया था। देव संस्कृति दिग्विजय अभियान चलाकर नवयुग की आधार शिला रखी। आचार्य के सूत्र हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा, एक बनेंगे, नेक बनेंगे के माध्यम से हमारी संस्कृति विश्व संस्कृति बनेगी। यज्ञ परिक्रमा, आरती, जयघोष, प्रसाद वितरण आदि के साथ यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ परिव्राजक राजेंद्र कुमार ने सम्पन्न कराया।

प्रशिक्षण केंद्र खोलने को भेजा प्रस्ताव

पीलीभीत, अमृत विचार: एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना में बांसुरी समेत अन्य वाद्य यंत्रों का प्रशिक्षण देने के लिए संगीत नाट्य अकादमी का प्रशिक्षण केंद्र खोलने के लिए कवायद आगे बढ़ी है। इसे लेकर प्रस्ताव बनाकर क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय बरेली भेजा गया है।

सिविल लाइन साउथ निवासी शिवम कश्यप ने बीते दिनों डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को पत्र दिया था। जिसमें जनपद स्तर पर संगीत नाट्य अकादमी का प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग की थी।

मुख्य रूप से बांसुरी, अन्य वाद्य यंत्र जैसे ढोलक, मृदंग, तबला, हारमोनियम आदि का प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था कराने की मांग की थी। तर्क दिया था कि इस व्यवस्था के होने से बांसुरी की मांग बढ़ेगी और उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रशिक्षण केंद्र से जिले की प्रतिभाओं को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच मिल सकेगा। इस पर सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने पत्र भेजकर जिला प्रशिक्षण अधिकारी एवं जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त को पूरे मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। सीडीओ ने संगीत नाट्य अकादमी का प्रशिक्षण केंद्र खोलने के संबंध में प्रस्ताव बनाकर क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय भेज दिया है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

मुकदमे में बरी होने पर किसान नेता का स्वागत

बीसलपुर, अमृत विचार: किसान नेता मोहम्मद साबिर उर्फ गुल्लू पहलवान को बसपा शासनकाल में दर्ज किए गए मुकदमे में न्यायालय से बरी किए जाने पर समर्थकों ने स्वागत किया। उनके आवास पर पहुंचकर फूल माला पहनाई और मिठाई खिलाई गई। किसान नेता मोहम्मद साबिर ने बताया कि उन पर व अन्य साथियों पर 2007 में गलत तरीके से मुकदमे दर्ज किए गए थे। एडवोकेट मनोज कुमार कुशवाहा द्वारा उनका केस न्यायालय में लड़ा गया और एसीजेएम कोर्ट बीसलपुर से उन्हें बरी कर दिया गया है। तराई विकास मंच के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल मौर्य कार्यकर्ताओं के साथ उनके घर पहुंचे और एडवोकेट मनोज कुमार कुशवाहा व किसान नेतागुल्लू पहलवान का स्वागत किया। इस मौके पर अमन कश्यप, गुड्डू, भुट्टा, आनंद समेत अन्य रहे।

अपना दल कमेरावादी की जिला कार्यकारिणी गठित

नवनियुक्त पदाधिकारी के साथ कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: अपना दल कमेरावादी के जिलाध्यक्ष ने बैठक कर विधानसभा और तहसील के पदाधिकारियों का मनोनयन किया। उनका फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। सदस्यता अभियान चलाकर नए सदस्य बनाने की अपील की गई।

अपना दल कमेरावादी के जिलाध्यक्ष प्रेमसागर पटेल ने रविवार को कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। सुरेंद्र गंगवार को जिला अध्यक्ष विधिक मंच, आजम अली जिला महासचिव, हरिओम गंगवार जिलाध्यक्ष युवा मंच, अतुल गंगवार जिला सचिव, रामचंद्र पाल कोली को विधानसभा अध्यक्ष,बलराम को बौद्धिक मंच जिलाध्यक्ष, रिजवान रजा नगर अध्यक्ष बीसलपुर, शिवकुमार पटेल को जिला कोषाध्यक्ष, आकाश गंगवार को विधानसभा उपाध्यक्ष युवा मंच, सूरजपाल वर्मा को तहसील अध्यक्ष युवा मंच आदि बनाया गया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं। गांव-गांव जाकर सदस्यता अभियान चलाकर नए सदस्यों को जोड़ें। इस मौके पर हनीफ कुरैशी, बलराम गंगवार, रामबाबू पटेल, हरिशंकर गंगवार, हरिओम गंगवार, भानु पटेल, जगदीश पटेल, मनोज गंगवार मौजूद रहे।

शरद मेले के फैशन शो और फेस पेंटिंग में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर के राम इंटर कॉलेज मैदान पर चल रहे रोटरी क्लब के शरद मेले में कई प्रतियोगिताएं हुई। रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे।

आजा नचले कार्यक्रम के प्रतिभागियों की प्रस्तुति खूब सराही गई। संयोजक डॉ. अनुरिता सक्सेना,रचित, रेणु अग्रवाल, डॉ. राहुल, सुरुचि शर्मा रहे। फेस पेंटिंग कार्यक्रम के संयोजक रवि अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, उमेश चंद्र, साधना अग्रवाल,कोमल अग्रवाल रहे। इसमें सीनियर ग्रुप में दिया राजपूत प्रथम, इशिका माथुर द्वितीय, वर्ष तृतीय रहे। जूनियर ग्रुप में अम्बिका वर्मा प्रथम, नितिका द्वितीय , रक्षिता राज तृतीय रहे। फायर लेस कुकिंग कार्यक्रम के संयोजक अरविंद गुप्ता, सुमन गुप्ता, कुलदीप रेखा आनंद, तारा सिंह, परविंदर कौर,डॉ. उमेश ऋचा वार्ष्णेय आदि रहे। जूनियर वर्ग में योग्या सक्सेना प्रथम, समीक्षा व अथर्व द्वितीय रहे।

सीनियर वर्ग में अर्चना प्रथम , निर्भया द्वितीय और साहिल तृतीय रहे। पेंसिल स्केच कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कुमार धवन, चारु धवन,मनोज, मनीषा खंडेलवाल रहे। जूनियर ग्रुप में विप्लव प्रथम, महिमा द्वितीय, नितीशा तृतीय रहीं। जुगनू जादूगर कार्यक्रम देखने को भीड़ रही। जादूगर के करतबों ने समा बांध दिया। फैशन शो में महिला और पुरुषों ने प्रतिभाग किया। इसकी निर्णायिका सोनिया ग्रेवाल और हर्ज बराड़ रही। साक्षी मिस पीलीभीत और शिवम मिस्टर पीलीभीत चुने गए। सिटी सिंगर क्लब के डॉ.एसके मित्रा, संदीप सिंह आदि ने सुरों का जादू बिखेरा। इस मौके पर मीडिया प्रभारी डॉ. एसपीएस संधू, अध्यक्ष डॉ.अनिल सक्सेना, देवेश बंसल, रोटरी के मंडल अध्यक्ष राजन विद्यार्थी, पूर्व मंडलाध्यक्ष किशोर कटरु, विनय कृष्णा आदि मौजूद रहे।

पेंटिंग में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

फेस पेंटिंग प्रतियोगिता के प्रतिभागी और क्लब सदस्य। ● अमृत विचार

- जादूगर ने दिखाए करतब, सिटी सिंगर्स क्लब ने सजाई सुरों की महफिल
- राम इंटर कॉलेज ग्राउंड पर चल रहा है रोटरी शरद मेला, उमड़े दर्शक

न्यूज ब्रीफ

शिविर में 194 पशुओं की जांच कर दी दवा

पलिया कलां, अमृत विचार : नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 39वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी व कार्यवाहक कमांडेंट माधव चंद्र घोष के निर्देश पर एसएसबी सूंड़ा चौकी क्षेत्र के थारू गांव नझोटा में पशु चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में एसएसबी की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी परिहार ने पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर विभिन्न रोगों की पहचान की और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। शिविर में 36 पशु पालकों के 194 पशुओं की स्वास्थ्य जांच व चिकित्सा की गई। डॉ. शालिनी ने पशुपालकों को अपने पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, समय-समय पर टीकाकरण कराने तथा स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह भी दी।

नेपाल सीमा पर चला सघन चेकिंग अभियान

पलिया कलां, अमृत विचार : भारत-नेपाल सीमा पर एसपी के निर्देश पर गौरीफंटा कोतवाली पुलिस ने रविवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। नेपाल की ओर सवारियां लेकर जा रहे टैक्सी वाहनों की गहनता से जांच की गई। गौरीफंटा कोतवाल जेबी सिंह ने बताया कि सीमा क्षेत्र में अवैध आवागमन, तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि टैक्सी चालकों को निर्देशित किया गया है कि वे केवल वैध सवारियों को ही वाहन में बैठाएं और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। हेड कांस्टेबल राकेश यादव, कांस्टेबल पूजा पांडे, महेश सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

किसान की दो भैंस चोरी, रिपोर्ट दर्ज

दर्जधौरहरा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मूड़ी गांव निवासी किसान बाल गोविन्द ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके घर के सामने छप्पर के नीचे दो भैंस बंधी थी। बीती रात चोरी हो गई। शनिवार दोपहर बाइक से दो लोग भैंस खरीदने आए थे। शक है कि कहीं चोरी से पहले उन्होंने ही रैकी की हो। पीड़ित किसान की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना सुरू की है। थानाध्यक्ष रवींद्र सोनकर ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में ओ निगेटिव ग्रुप की कमी, तीमारदार होते हैं परेशान

ब्लड बैंक प्रभारी ने ओ निगेटिव ग्रुप वालों से की रक्तदान करने की अपील, ताकि बचाई जा सके लोगों की जान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में वैसे तो निगेटिव ग्रुप की कमी रहती है, लेकिन इस समय ओ निगेटिव ग्रुप की भारी कमी है। ब्लड बैंक के प्रभारी महंत सिंह ने दानदाताओं से अपील की है कि ओ निगेटिव ग्रुप का रक्त दान करें ताकि जरूरत पड़ने पर इसकी कमी न रहे। इसके अलावा भी अन्य दानदाताओं से भी महादानी बनने की अपील की गई है।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक की क्षमता 1000 यूनिट की है। हालांकि इतनी जरूरत नहीं होती। मांग के सापेक्ष इस समय 178 यूनिट खून उपलब्ध है, जो पर्याप्त है। हालांकि निगेटिव ग्रुप के लिए अक्सर डोनर होने के बावजूद तीमारदारों को जरूरत वाले ग्रुप का खून लेने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में परिजन मरीज की जान बचाने के लिए जानने वालों के सामने हाथ फैलाते नजर आते हैं। जिले में एक मात्र सरकारी ब्लड बैंक है जो जिला अस्पताल में मौजूद है। यहां से जिला अस्पताल से लेकर निजी हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों को खून मुहैया कराया जाता है। कुछ माह से जिला अस्पताल का ब्लड बैंक में निगेटिव ग्रुप के खून की कमी बनी रहती है। वहीं, अब ओ निगेटिव पूरी तरह खत्म हो गया है, जो चिंतनीय है।

जिला अस्पताल का ब्लड बैंक।

> इस समय निगेटिव खून की कमी जरूर बनी हुई है, जिसमें ओ निगेटिव पूरी तरह खत्म हो गई है। इसके अलावा हर ग्रुप का ब्लड का उपलब्ध है। ब्लड बैंक आने वाले हर तीमारदार को रक्त मुहैया कराया जा रहा है। – **महंत सिंह**, ब्लड बैंक प्रभारी जिला अस्पताल

ब्लड बैंक में मौजूद रक्त

ग्रुप	पॉजिटिव	निगेटिव
ए	19	04
बी	12	06
एबी	28	04
ओ	74	00

रक्तदान के लिए जागरूक नहीं हैं लोग

रक्तदान को लेकर लोगों में जागरुकता का अभाव है। कुछ लोग ही रक्तदान का साहस दिखा रहे हैं। जबकि रक्तदान जीवनदान के सामान है। जरूरत पड़ने पर रक्त मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। मगर, ज्यादा लोगों के रक्तदान करने में रुचि न ले रहे हैं। यही वजह है कि जिला अस्पताल का ब्लड बैंक रक्त की कमी से जूझ रहा है। ब्लड बैंक में निगेटिव ग्रुप का मात्र 11 यूनिट रक्त मौजूद हैं। ऐसे में निगेटिव ग्रुप वाले मरीजों को जरूरत पड़ने पर रक्त की पूर्ति करने के लिए परेशान होना पड़ता है। हालांकि निगेटिव ग्रुप के डोनरों की संख्या भी बेहद कम है।

प्रतिमाह करीब 300 यूनिट की है खपत

ब्लड बैंक से हर माह 300 के आस पास मरीजों को खून की जरूरत पड़ने पर ब्लड मुहैया कराया जाता है। जबकि डोनरों की संख्या इससे भी कम है। हालांकि शहर के युवा समाजसेवी जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर खून उपलब्ध कराते रहते हैं।

पानी की सप्लाई शुरू न होने से ग्रामीणों में रोष

मझगई, अमृत विचार : टंकी का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बावजूद ग्रामीणों को अब भी आर्सेनिक युक्त पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। जल निगम की लापरवाही का खामियाजा ब्लॉक पलिया की ग्राम पंचायत कोठिया और मझगई क्षेत्र के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत कोठिया में पेयजल टंकी तैयार है, लेकिन जल निगम ने अब तक उसे हैंडओवर नहीं किया है। इससे शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। प्रधान रमाशंकर ने बताया टंकी के हैंडओवर को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला।

छुट्टा पशुओं से फसल बचाने के लिए किसान रात में कर रहे पहरेदारी

गोशालाओं में सरंक्षित नहीं किए जाने से फसलों को चट कर रहे छुट्टा पशु

संवाददाता, मूड़ा सवारान/ लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी के बीच जब लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं, तब खेतों में खड़े होकर अन्नदाता फसलों की सुरक्षा में पूरी रात जाग रहा है। ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र में छुट्टा पशुओं का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि किसान हाथों में लाठी और टॉर्च लेकर खेतों पर डेरा जमाए हुए हैं। अलाव के सहारे रात काट रहे किसानों को हमेशा फसल बर्बाद होने का डर सता रहा है।

ग्रामीण अंचलों में आलू, गेहूं, सरसों, मटर और चना जैसी रबी की फसलें तैयार हैं, जिन्हें छुट्टा पशु रात के अंधेरे में चट कर जाते हैं। इसी वजह से किसान रात भर जागकर खेतों की रखवाली करने को विवश हैं। पड़ताल के दौरान बिजुआ विकासखंड के गांव डिमरौल, मूड़ा बुजुर्ग, सेमरिया बहादुर नगर, बिजुआ समेत कई गांवों में किसान फसलों की पहरेदारी करते नजर आए। किसान अरविंद, आकाश, जसपाल, रामसहाय, पूरनलाल, रामसेवक सहित अन्य लोग खेतों के चारों ओर घूमते हुए शोर मचाकर छुट्टा पशुओं को भगाते दिखे। किसानों ने बताया कि अगर एक रात भी रखवाली में चूक हो जाए तो महीनों की मेहनत पर पानी फिर जाता है और पूरे साल के लिए अन्न का संकट खड़ा हो सकता है।

मूड़ा सवारान में खेत के किनारे अलाव जलाकर फसलों की रखवाली करते किसान।

गौशालाएं हैं, लेकिन राहत नहीं

किसानों का कहना है कि ब्लॉक क्षेत्र में कई गौशालाएं होने के बावजूद छुट्टा पशुओं की समस्या कम नहीं हुई है। पूस माह की सर्द रातों में भी उन्हें खेतों में जागकर अलाव के सहारे फसलों की सुरक्षा करनी पड़ रही है। कई बार पशुओं के झुंड आक्रामक हो जाते हैं, जिससे किसानों की जान को भी खतरा बना रहता है। फसलों की सुरक्षा कर रहे किसानों ने बताया कि वे प्रतिदिन सीमा पर तैनात सैनिकों की तरह खेतों में पहरा देते हैं। एक हाथ में टॉर्च और दूसरे हाथ में डंडा लेकर खेतों की मेड़-मेड़ घूमते रहते हैं। जब लोग ठंड के डर से घरों से बाहर नहीं निकलते, तब अन्नदाता खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर है।

> सड़कों और खेतों में घूम रहे गोवंशीय पशुओं को अस्थाई गौशाला में भेजा जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी गौवंश सड़कों पर न रहे। अगर कहीं लापरवाही मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी। – **अभिषेक कुमार**, सीडीओ

बारी-बारी से परिवार के लोग करते हैं खेतों की रखवाली

किसान पवन, नन्हें, वेद प्रकाश, राम भजन ने बताया कि रात में जब ठंड और ओस का प्रकोप सबसे अधिक होता है, तब भी वे बिना किसी झोपड़ी के केवल आग के सहारे खेतों में डटे रहते हैं। कई परिवारों में तो घर के सदस्य बारी-बारी से खेतों की ड्यूटी लगाकर फसलों की रखवाली कर रहे हैं, ताकि कोई पशु नुकसान न कर सके। किसानों ने शासन और प्रशासन से छुट्टा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो फसलें बर्बाद होंगी और किसानों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो जाएगी।

भवानीगंज गांव में बाघ ने किया सांड़ का शिकार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : दक्षिण खीरी वन प्रभाग की गोला वन रेंज में जंगल से सटे गांव भवानीगंज में बाघ ने खेत में चर रहे सांड़ पर हमला कर मार डाला है। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ मांस खाना छोड़कर जंगल में चला गया।

भवानीगंज गांव से 200 मीटर की दूरी पर जंगल होने से प्रायः बाघ जंगल से निकलकर खेतों में आ जाता है। बाघ ने खेत में चर रहे सांड़ को गन्ने के खेत में ले जाकर अपना निवाला बनाया। सुबह जब गांव के लोग गन्ना छीलने गये तो उन्हें सांड़ का मांस पड़ा दिखई दिया।

आगे बढ़ने पर गन्ने में बाघ सांड़ का मांस खा रहा था। यह देख ग्रामीणों के होश उड़ गये, जिन्होंने खेत के बाहर भागकर अपनी जान बचाने के लिये शोर मचाया तो बाघ फिर जंगल में चला गया। ग्रामीणों की सूचना पर दलबल के साथ मौके पर पहुंचे वन क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार तिवारी ने बाघ होने की पुश्टि कर बताया कि जंगल निकट होने से बाघ खेतों में आ जाता है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है।

महेशपुर रेंज में 40 और गोला में लगाए चार कैमरे

महेशपुर रेंज में कैमरे लगाते वनकर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलहरी

- 10 दिसंबर से 15 जनवरी तक होनी है बाघों की गणना

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार प्रत्येक वर्ष बाघों की गणना कराई जा रही है। इससे उनके संरक्षण और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कराई जा सके। बाघ गणना के लिये महेशपुर रेंज में 40 और गोला रेंज में चार कैमरे लगाए गए हैं।

पिछले कई वर्षा से बाघों की गणना में काफी इजाफा देखने के लिये मिला है। कैमरों में कैद की गई तस्वीरों के मुताबिक दुगुनी गति से बाघों की बढ़ोत्तरी हो रही है, जिससे वन विभाग सहित वन्य व पशु प्रेमी काफी उत्साहित हैं। महेशपुर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी निर्भय प्रताप सिंह शाही ने बताया कि महेशपुर रेज के वन्य भू भाग 6800 हेक्टेयर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बीटों आंवला, ककरहा, देवीपुर, सहजनियां, महेशपुर में 40 कैमरे लगाए गए है, जबकि गोला वन क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार तिवारी ने बताया कि 1235 हेक्टेयर वन्य भू भाग पर चार कैमरे सिकन्दरपुर बीट में लगाए गए है। बताया कि 10 दिसम्बर से 15 जनवरी यानी 45 दिनों मे बाघों की गणना करके उसका डाटा सरकार के पास उपलब्ध कराना होगा। जिसके लिए महेशपुर रेज में वन दरोगा रोहित श्रीवास्तव के नेतृत्व और गोला में वन दरोगा शैलेन्द्र त्रिवेदी की टीमें कैमरे लगाने और उनकी गणना का कार्य कर रहे है।

बिखर रहे छह परिवारों में कराई सुलह

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : एसपी संकल्प शर्मा के निर्देश पर महिला थाने में रविवार को पारिवारिक विवादों के निस्तारण के लिए विशेष काउंसिलिंग सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान महिला थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला ने परामर्शदाताओं के सहयोग से 12 पारिवारिक मामलों में दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर सुलह का प्रयास किया, जिसमें 6 जोड़ों की सफलतापूर्वक विदाई कराई गई।

महिला थाना परिसर में आयोजित काउंसिलिंग सत्र में दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह और साझा गृहस्थी में निवास से संबंधित विवादों के कुल 12 शिकायती प्रार्थना-पत्रों पर सुनवाई की गई। महिला थानाध्यक्ष के नेतृत्व में काउंसलर कुसुम गुप्ता, कय्यूम जरवानी, नीति गुप्ता और महिला आरक्षी सुमन लता ने दोनों पक्षों को शांतिपूर्वक समझाया और आपसी मतभेद दूर करने का प्रयास किया। काउंसलिंग के दौरान 12

सुनवाई करतीं महिला थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला। ● अमृत विचार

- पारिवारिक विवादों में सुलह कर बिखरते परिवारों को जोड़ने का सराहनीय प्रयास

मामलों में से 6 मामलों में पति-पत्नी के बीच सहमति बन सकी, जिसके बाद दोनों पक्षों को साथ रहने के लिए राजी कर उनकी विदाई कराई गई। इन मामलों में पारिवारिक जिम्मेदारियों, आपसी विश्वास और संवाद बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। वहीं, तीन मामलों में पति-पत्नी के बीच अत्यधिक मनमुटाव पाए जाने के कारण दोनों पक्षों की सहमति से उन्हें सोच-विचार के लिए समय दिया गया, ताकि वे आगे किसी निर्णय पर पहुंच सकें। इसके अतिरिक्त तीन मामले ऐसे रहे, जो न्यायालय में लंबित होने के कारण संबंधित पक्षकारों को न्यायालय में विधिक प्रक्रिया के तहत निस्तारण कराने के लिए निर्देशित किया गया। महिला थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला ने बताया कि महिला थाना का उद्देश्य केवल कानूनी कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि परिवारों को टूटने से बचाना और संवाद के माध्यम से विवादों का समाधान निकालना भी है।

फार्मासिस्ट लैब टेक्नीशियन नहीं मरीज परेशान

भीरा, अमृत विचार: नगर के पीएचसी में फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन न होने से मरीजों को काफी परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। उन्हें जांच के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

पीएचसी में करीब दो वर्षों से फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन का पद खाली है। इससे पर्चा बनवाने से लेकर दवाइयां लेने तक दिक्कत होती है, जबकि इस अस्पताल में 80 से 90 रोगियों की प्रतिदिन ओपीडी की जा रही है। इंचार्ज डॉ. ओवैस अहमद ने बताया कि फार्मासिस्ट के न होने से मरीज तो परेशान हैं ही। जनपद से दवा का स्टॉक लाने में भी दिक्कतें उठानी पड़ती हैं। जांच के लिए गंभीर रोगियों को जिला मुख्यालय भेजना पड़ता है। पीएचसी का भवन भी गिरताऊ और जर्जर हालत में है। फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन सहित अन्य रिक्त पदों पर स्टाफ की नियुक्ति के साथ ही आवास की मरम्मत के लिए लगातार सीएमओ को पत्र भेज रहे हैं, लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल पा रहा है।

जर्जर माल गोदाम रोड से गुजरना दूभर

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : नगर की प्रमुख सड़कों में शामिल माल गोदाम रोड इन दिनों पूरी तरह बदहाली का शिकार हो चुकी है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि यह मार्ग जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है। उखड़ी हुई बजरी और गिट्टी के बीच से गुजरना वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए किसी जोखिम से कम नहीं है। हालात यह हैं कि रोजाना इस सड़क से गुजरने वाले लोग जान हथेली पर रखकर आवागमन करने को मजबूर हैं, लेकिन न तो रेलवे प्रशासन और न ही नगर पालिका इस ओर कोई ठोस कदम उठा रही है।

माल गोदाम रोड रेलवे परिसर से जुड़ी होने के कारण नगर की अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क मानी जाती है। इसी मार्ग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डाकघर, वाणिज्य कर कार्यालय, पुलिस थाना, नगर पालिका कार्यालय समेत नगर के दो प्रमुख वित्त पोषित इंटर कॉलेजों तक पहुंचा जाता है। इसके अलावा सड़क के दोनों ओर बनी करीब डेढ़ सौ दुकानें दशकों से रेलवे के अधीन हैं, जिनसे रेलवे

पलिया नगर की जर्जर माल गोदाम रोड। ● अमृत विचार

- रेलवे और नगर पालिका की अनदेखी से बढ़ा हादसों का खतरा

नियमित रूप से किराया भी वसूल करता आ रहा है। इस सड़क से प्रतिदिन भारी वाहनों के साथ-साथ सैकड़ों दोपहिया वाहन और पैदल राहगीर गुजरते हैं। सड़क पर बने गहरे गड्ढे आए दिन हादसों को दावत दे रहे हैं। दोपहिया वाहन सवार अक्सर फिसलकर गिर जाते हैं, जबकि बुजुर्गों और बच्चों के लिए पैदल चलना भी दूभर हो गया है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि बरसात के दौरान स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब गड्ढों में भरे पानी के कारण सड़क का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।

जिम्मेदारी तय करने में उलझा प्रशासन

स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार नगर पालिका और रेलवे प्रशासन से सड़क की मरम्मत की शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो गड्ढे भरवाए गए और न ही सड़क का पुनर्निर्माण कराया गया। लोगों का कहना है कि माल गोदाम रोड भले ही रेलवे की संपत्ति हो, लेकिन पिछली बार नगर पालिका ने रेलवे से अनुमति लेकर इसका निर्माण कराया था। हालांकि कुछ ही महीनों में सड़क उखड़ गई, जिसके बाद से दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 300 महिलाओं का किया परीक्षण

धौरहरा, अमृत विचार : विकास खंड रमियाबेहड़ क्षेत्र के होलगढ़ कफारा गांव में समाजसेवी नरेंद्र वर्मा के सौजन्य से निशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला रोगों से पीड़ित महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श व जांच की सुविधा दी गई।

शिविर में डॉ. तनीशा गुप्ता (एमबीबीएस, एमएस), स्त्री, प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ ने करीब 300 महिला मरीजों का निशुल्क परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। साथ ही महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया और समय पर जांच व उपचार की सलाह दी।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान नरेंद्र वर्मा, अशोक वर्मा, अमरीश वर्मा, अमरपाल गौतम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

चौराहों पर घूम रहे युवाओं से पुलिस ने की पूछताछ

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार : महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर शासन द्वारा चलाए जा रहे एंटी रोमियो एवं मिशन शक्ति अभियान के तहत ईसानगर पुलिस रविवार को सड़क और चौराहों पर पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने कस्बे के प्रमुख जयजयराम चौराहा सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया और बेवजह घूम रहे युवकों से पूछताछ की।

पुलिस ने बाइक सवार युवकों को रोककर उनके वाहन संबंधी दस्तावेजों की जांच की और उन्हें सार्वजनिक स्थलों पर अनुशासन बनाए रखने की सख्त हिदायत दी। साथ ही युवकों को महिलाओं की

ईसानगर चौराहे पर चेकिंग करती पुलिस। ● अमृत विचार

- एंटी रोमियो और मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरूक

गरिमा, कानून के प्रावधानों और किसी भी प्रकार की शरारत पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बाजार क्षेत्र में पहुंची पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने बताया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न या असुरक्षा की किसी भी स्थिति में वे बिना झिझक तत्काल पुलिस को सूचना दें। इसके लिए डायल 112, महिला हेल्पलाइन समेत अन्य सहायता नंबरों की जानकारी भी दी गई।

एंटी रोमियो टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक अनिल वर्मा, आरक्षी हरिहर प्रसाद, महिला आरक्षी कंचन गुप्ता और सोनिया सागर अभियान में शामिल रहीं। वहीं, थानाध्यक्ष निर्मल तिवारी ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटी रोमियो अभियान लगातार चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की नियमित मौजूदगी से असामाजिक तत्वों पर लगाम लगेगी और महिलाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।

एल&टी फायनांस लिमिटेड
(पहले इसे एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड कहा जाता था)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फायनांस लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में **सोमवार 22 दिसंबर 2025** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:-

1. सहारनपुर शाखा - एल&टी फायनांस लिमिटेड, 2ए 1095, भीम राव अंबेडकर मार्ग, क्लॉक टॉवर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड - 247001. फ़ोन - 9875942895 कर्ज संख्या - 163210000004879, 163210000004880, 163210000006080, 163210000006153, 163210000006106, 163210000004901, 163210000006294, 163210000006118, 163210000006236 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **29 दिसंबर 2025** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फायनांस प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फायनांस लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 15.12.2025
स्थान: उत्तर प्रदेश

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ट्रैक्टर से कुचलकर ग्रामीण की मौत

केशवापुर, अमृत विचार : थाना हैदराबाद की ढकवा पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव भल्लिया बुजुर्ग गांव में रविवार दोपहर एक किसान के घर के बाहर बंद खड़ा ट्रैक्टर अचानक स्टार्ट होकर आगे बढ़ गया, जिससे ट्रैक्टर की साफ -सफाई कर रहे व्यक्ति कुचल गया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। भल्लिया बुजुर्ग निवासी अक्षय लाल (50) रविवार दोपहर बंद खड़े ट्रैक्टर की सफाई कर रहे थे, तभी अचानक ट्रैक्टर स्टार्ट हो गया और आगे बढ़ चला, जिससे अक्षय लाल पहिए के नीचे आकर कुचल गए। जिन्हें परिजन आनन-फानन में अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

रिश्तेदारी में आए युवकों से की मारपीट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गांव भदेड़ निवासी उमा देवी ने नातियों की पिटाई करने वाले लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। उमा देवी ने बताया उनका नाती गौरव शर्मा व सौरभ शर्मा निवासी ग्राम रहपालपुर थाना बेनीगंज जिला हरदोई उनके घर पर मेहमानी में आए हैं। वह 10 दिसंबर की सुबह घर से खेत पर जा रहे थे। रास्ते में गांव के ही अनूप शर्मा, रामनिवास उर्फ रज्जन, सज्जन, दिनेश उर्फ छोटू ने एक राय होकर उनके दोनों नातियों को घेर लिया और गालियां देने लगे। मना करने पर आरोपियों ने नातियों को लात घूसों व लाठी डंडों से मारा पीटा। पुलिस ने आरोपियों के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

युवती से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा क्षेत्र की युवती ने बताया वह शाम 5 बजे खेत से घास लेकर घर लौट रही थी। इसी दौरान गांव का ही एक युवक रास्ते में मिला और उससे अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसका हाथ पकड़ लिया और छेड़छाड़ की। शोर मचाने पर आरोपी ने उसकी पिटाई की और मौके से भाग गया। पुलिस ने पीड़ित युवती की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : पीलीभीत जिले के थाना हजारा क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी शिव मूरत मौर्या का बेटा रतीन्द्र मौर्या (37) रोज की तरह बाइक से शनिवार की रात करीब 9 बजे सम्पूर्णानगर स्थित चीनी मिल में ड्यूटी करने जा रहा था। मिल से पहले ही अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी ने बताया परिजनों से तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सौंदर्यीकरण के बाद भी सीएचसी में ताला

उद्घाटन के वादे हवा-हवाई, जिम्मेदारों की लापरवाही से ग्रामीणों को नहीं मिल रहा लाभ

संवाददाता, भानपुर (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र के भानपुर गांव में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर ग्रामीणों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका है। वर्षों तक बंद पड़े रहने के बाद जब बलरामपुर फाउंडेशन और गुलरिया चीनी मिल के सहयोग से इसका सौंदर्यीकरण कराया गया तो ग्रामीणों को लगा कि अब स्वास्थ्य सेवाएं गांव की चौखट तक पहुंचेंगी। लेकिन हकीकत यह है कि लाखों रुपये खर्च होने और भव्य उद्घाटन के बावजूद उप स्वास्थ्य केंद्र आज भी अधिकांश समय बंद पड़ा रहता है।

मई में सौंदर्यीकरण कार्य पूरा होने के बाद उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन बलरामपुर फाउंडेशन गुलरिया चीनी मिल की मालकिन अवंतिका और जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने किया था। उद्घाटन मंच से यह भरोसा दिलाया गया था कि अब महिलाओं, बच्चों और गर्भवती माताओं को नियमित स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, दवाएं उपलब्ध रहेंगी और प्राथमिक इलाज गांव में ही संभव होगा। लेकिन उद्घाटन के कई महीने बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र पर ताला लटका रहता है, न डॉक्टर नजर आते हैं और न ही नियमित रूप से एएनएम की मौजूदगी रहती है। मजबूरी में ग्रामीणों को मामूली बीमारी, टीकाकरण अथवा गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए बिजुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ भवन का सौंदर्यीकरण कर फोटो खिंचवाने से स्वास्थ्य सेवाएं नहीं सुधरतीं। जब स्टाफ ही तैनात नहीं होगा और केंद्र नियमित नहीं खुलेगा, तो सरकार और समाजसेवी संस्थाओं के प्रयासों का क्या औचित्य रह जाता है। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी पीड़ा दायक है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि उप स्वास्थ्य केंद्र को कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर सक्रिय किया जाए। यहां चिकित्सकीय स्टाफ की नियमित तैनाती हो, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और केंद्र को रोजाना खोला जाए, ताकि ग्रामीणों को उसका वास्तविक लाभ मिल सके।

भानपुर का बंद पड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र। ● अमृत विचार

भानपुर उप स्वास्थ्य केंद्र पर प्रत्येक बुधवार को नियमित टीकाकरण किया जा रहा है। डिलीवरी प्वाइंट संचालन के लिए संबंधित एएनएम का नाम प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है। प्रशिक्षण पूरा होते ही उप स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव सुविधा शुरू कर दी जाएगी, जिससे गर्भवती महिलाओं को गांव में ही सुविधा मिल सकेगी।

-डॉ. सुभाष वर्मा, सीएचसी अधीक्षक- बिजुआ

पिता पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, रिपोर्ट

मैगलगंज ,अमृत विचार: कोतवाली मैगलगंज क्षेत्र निवासी युवती ने पिता पर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता के भाई की तहरीर पर आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया उसकी मां की मौत हो चुकी है, बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। भाई दिल्ली में रहकर काम करता है। वह पिता के साथ रहती है। आरोप है पिता काफी समय से उससे गलत हरकतें करते थे। किसी को बताने पर जान से मार देने की धमकी देकर शारीरिक शोषण करते रहे। दो दिन पहले भी उससे दुष्कर्म किया। इससे परेशान होकर युवती ने भाई को पूरी घटना बताई। भाई ने कोतवाली पहुंचकर पिता के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना का खुलासा होने के बाद से आरोपी फरार है। मामले की विवेचना निरीक्षक अपराध अखिलेश गंगवार को सौंपी गई है।

अरविंद राठौर अध्यक्ष अनित्य प्रबंधक बने

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचार: कस्बे के भारतीय इंटर कॉलेज में प्रबंध समिति का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी आलोक शुक्ला वेदू की देखरेख में कराई गई।

पर्यवेक्षक विनोद कुमार गुप्ता, इसाक हुसैन, राजन कश्यप, आशीष अवस्थी और दिनेश कुमार मौर्य को प्रबंध कार्यसमिति का सदस्य निर्वाचित किया गया। चुनाव के उपरांत विद्यालय परिसर में साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष अरविंद सत्यार्थी, उपाध्यक्ष कमलेश राम, महामंत्री अमृतेश अवस्थी, अध्यक्ष सहकारी समिति मित्र कुमार अवस्थी, पूर्व प्रधान इरफान खान, खुदरा व्यापार जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला भी मौजूद रहे।

अनित्य अवस्थी को प्रमाण पत्र सौंपते निर्वाचन अधिकारी आलोक शुक्ला।

समाजसेवी ने गाड़ियों में लगाई रेडियम पट्टी

कुकरा में ई रिक्शा में रेडियम पट्टी लगाते समाजसेवी। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचार: एक्सीडेंट को गंभीरता से लेते हुए समाजसेवी डॉ. आईए ख़ान और उनके समाजसेवी बेटे दानियाल ख़ान ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गाड़ियों पर रेडियम पट्टी लगाई।

समाजसेवी का कहना है कोहरे के कारण सड़क और गाड़ियां न दिखाई देने की वजह से एक्सीडेंट बहुत हो रहे हैं। खास तौर से गन्ना भरी ट्रॉलियां ट्रैक्टर, ट्रक आदि खराब होने की वजह से अक्सर सड़क पर खड़े रहते हैं, जो कि कोहरे की वजह से दिखाई नहीं देते हैं तथा एक्सीडेंट का कारण बनते हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने बेटे के साथ मिलकर गाड़ियों पर रेडियम पट्टी लगाने के साथ ही चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सीख दी।

रंजिशन मारपीट करने का आरोप, दो घायल

धौरहरा, अमृत विचार : बदालीपुर मजरा चंद्रासाखुर्द गांव निवासी महिला ने पड़ोसियों पर रंजिशन गाली-गलौज मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को तहरीर दी है।

पीड़िता शम्मो के अनुसार शुक्रवार को दिन में करीब 10 बजे गांव के ही जहीर, रेशमा पत्नी रईस, शालमीन पत्नी जहीर व दुन्ना पत्नी याकूब निवासी बदालीपुर उसे पुरानी रंजिश मानते हुए गालियां देने लगे। मना करने पर आरोप है कि लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंची पीड़िता की मां असरुना के साथ भी मारपीट की गई। इससे उसे भी चोटें आईं। घटना के बाद पीड़िता ने थाना ईसानगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष ईसानगर निर्मल तिवारी ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कागज पर छात्रों ने उकेरे देशभक्ति के रंग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : इनर व्हील क्लब लखीमपुर नव दिशा की ओर से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुंवर खुशवक्त राय इंटर कॉलेज एवं आर्य कन्या इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाशीलता व सामाजिक सरोकारों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कला प्रतियोगिता के अंतर्गत बच्चों ने रंग भरो, नववर्ष कार्ड निर्माण और अब और नहीं हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आकर्षक एवं संदेशात्मक कलाकृतियां तैयार कीं। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों की रचनाओं में सामाजिक चेतना, शांति, सकारात्मक सोच और नववर्ष के प्रति उल्लास साफ झलकता नजर आया। इनरव्हील क्लब की सदस्य लता अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की छिपी प्रतिभा को सामने लाना और उन्हें सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करना है। वहीं क्लब की अध्यक्षा दीपाली गुप्ता ने ऑरेंज द वर्ल्ड थीम पर छात्र-छात्राओं को अभियान के महत्व के बारे में जानकारी दी और महिलाओं एवं बालिकाओं के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें प्रत्येक वर्ग से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों का चयन किया गया। विजेताओं के नामों की घोषणा आगामी 20 दिसंबर को आयोजित होने वाले मीना बाजार कार्यक्रम में की जाएगी।

इस अवसर पर विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि मीना बाजार के आयोजन तक नगर के विभिन्न विद्यालयों में इसी प्रकार की रचनात्मक एवं जागरूकता से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, क्लब की सदस्याएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कला प्रतियोगिता में बनाए चित्रों को दिखाते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

● 20 दिसंबर को मीना बाजार में विजेताओं को किया जाएगा सम्मानित

पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और महाराजगंज से सात बार सांसद रहे पंकज चौधरी को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त उत्साह का माहौल देखा गया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने कस्बे के चौराहे पर एकत्र होकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। उन्होंने पार्टी के झंडे लहराए और नेतृत्व के समर्थन में नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि पंकज चौधरी का लंबा राजनीतिक अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा की भावना पार्टी को नई दिशा और मजबूती देगी। जिला मंत्री राकेश अर्कवंशी ने कहा कि पंकज चौधरी की नियुक्ति से संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी। यह नियुक्ति कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पंकज चौधरी के नेतृत्व में पार्टी आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने से कस्बे में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसमें आम नागरिकों ने भी भागीदारी की। इस दौरान पूर्व प्रधान श्रीचंद वर्मा, प्रधान संजीव वर्मा, प्रधान मुनीश वर्मा, प्रधान कंधईलाल, कृष्णपाल मिश्रा, सुरेश वर्मा, आशीष वर्मा टीटू, अशोक दीक्षित, विजय कुमार आदि भाजपाई मौजूद रहे।

संसारपुर में जश्न मनाते पार्टी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

फुटबॉल टूर्नामेंट में गोला स्टेडियम बनी विजेता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : स्वर्गीय अरविंद गिरि की स्मृति में खेले गए तीसरे ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन रविवार को फाइनल मैच के साथ हुआ। फाइनल मैच में गोला स्टेडियम गोला की टीम विजेता रही और एचटीएफसी जम्मू कश्मीर की टीम उप विजेता बनी। विजेता टीम को 51 हजार रुपये और ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। अतिथियों ने गोल करने वाले खिलाड़ियों पर नगद इनाम की बौछार की। फाइनल मैच देखने के लिए स्टेडियम में नगर के खेल प्रेमियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

रविवार को खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल मैच में एचटीएफसी जम्मू कश्मीर और गोला स्टेडियम गोला की टीमों के मध्य रोमांचक मुकाबला हुआ। खेल के आरंभ से 20 मिनट तक किसी भी टीम का कोई भी खिलाड़ी गोल नहीं कर सका। गोला स्टेडियम की टीम के खिलाड़ियों ने खेल का जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल दाग दिया। गोल होने के बाद जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों ने रणनीति बनाकर खेलना प्रारंभ किया और खेल के आधे घंटे बाद एक गोल करके मुकाबला बराबरी पर ला दिया। उसके बाद मैच में उत्साह बढ़ गया और गोला स्टेडियम के खिलाड़ियों ने भी जबरदस्त प्रदर्शन कर एक गोल और करके फाइनल मैच 2-1 से जीत लिया।

गोला स्टेडियम गोला की टीम के खिलाड़ियों को गोल करने पर ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा, राजन साहनी, रामू तिवारी, पंकज यादव आदि के द्वारा 500-1100 रुपये नगद धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह का संचालन टूर्नामेंट कमेटी के उप कोषाध्यक्ष, पूर्व सभासद पंकज गुप्ता, कमेंट्री राजेंद्र निषाद ने की। जैनुद्दीन अंसारी शब्बू, संदीप शुक्ला, सचिन सिंह, आयुष शुक्ला, विनीत सिंह भदौरिया, डॉ. पीयूष शुक्ला, आशुतोष गिरि कन्हैया, कफील अहमद, अयूब खान आदि खेल प्रेमी मौजूद रहे।

गोला के फुटबॉल टूर्नामेंट में विजयी टीम को ट्राफी देते अतिथि। ● अमृत विचार

सीनियर खिलाड़ियों का हुआ शो मैच

पूर्व सीनियर खिलाड़ियों के बीच शो मैच कराया गया, जिसमें विधायक अमन गिरि की टीम ने टॉस जीता। धर्मेंद्र गिरी मोंटी, सत्य प्रकाश अग्रवाल, बदरे आलम, केशव अग्रवाल, बैजनाथ अग्निहोत्री, दिनेश गुप्ता दिन्नू, राजेश्वर सिंह, अशोक अवस्थी, महेंद्र गिरि, मधुसूदन गिरि, राम गुलाम पांडे, प्रमोद सिंह आदि ने मैच खेला। मुकाबला बराबरी का रहा। स्वर्गीय अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण में संरक्षक विधायक अमन गिरि, टूर्नामेंट कमेटी के आयोजकों द्वारा समाचार पत्र वितरण की अहम भूमिका निभाने वाले वितरकों शैलेंद्र गुप्ता, राजीव दीक्षित, हरिओम दीक्षित, नत्थूलाल शुक्ल, निखिल वर्मा, शरद, मोहित, अनिल सक्सेना, अनिल गुप्ता आदि को सम्मानित किया गया। फुटबॉल के पूर्व खिलाड़ी रहे जनार्दन गिरि, पंकज गुप्ता, धर्मेंद्र गिरि मोंटी, मधुसूदन गिरि, राजेश्वर सिंह, कृपा शंकर शुक्ला, प्रीतम सिंह, अशोक अवस्थी समेत अन्य को सम्मानित किया गया

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

Be a part of a dedicated and growing academic team !

NOW HIRING !

Join a Leading Institution Shaping Future Nurses

VACANCIES

- Associate Professor
- Assistant Professor
- Nursing Tutor

REQUIREMENTS

✓ Relevant qualifications as per INC Norms
✓ Strong teaching ability
✓ Commitment to academic excellence
✓ Passion for guiding nursing Students

CONTACT DETAILS

Mob : 7521001992, 9412151327
Email : vacn201@gmail.com, varunarjun2016@gmail.com

NH-30, Banthra, Shahjahanpur

शिविर में प्रशिक्षुओं ने सीखी कलारीपट्टू और सांडा फाइट

कार्यालय संवाददाता लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकों से रूबरू कराने के उद्देश्य से मोहल्ला काशीनगर स्थित शिक्षक भवन परिसर में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेपाल और लखनऊ से आए अनुभवी प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षुओं को केरल की प्राचीन एवं विश्वप्रसिद्ध मार्शल आर्ट कलारीपट्टू, सांडा फाइट, सेल्फ डिफेंस की आधुनिक और व्यावहारिक तकनीकों का गहन प्रशिक्षण दिया।

शिविर का आयोजन शाओलिन व मार्शल आर्ट्स अकादमी के तत्वावधान में किया गया। अकादमी के प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिवसीय शिविर में नेपाल से आए अंतरराष्ट्रीय वूशु कोच सांडा आई जेके चौधरी एवं विशाल चौधरी, साथ ही लखनऊ से आए प्रशिक्षक नित्यानंद गुप्ता ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षकों ने कलारीपट्टू की पारंपरिक शारीरिक मुद्राओं, संतुलन, फुर्ती और आक्रमण-प्रतिरक्षा की तकनीकों के साथ-साथ सांडा फाइट की आधुनिक प्रतियोगी शैली पर विशेष अभ्यास कराया। इसके अलावा छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा से जुड़ी उपयोगी तकनीकें भी सिखाई गईं, जो रोजमर्रा की परिस्थितियों में बेहद कारगर मानी जाती हैं। शिविर में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी और प्रशिक्षु शामिल हुए, जिन्होंने प्रशिक्षकों से सीधे संवाद कर नई तकनीकों को समझा और उनका अभ्यास किया। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह और सीखने की ललक देखने को मिली। शिविर में जिला प्रशिक्षक सौरभ राज, विवेक जायसवाल सहित नेपाल से आए आई जेके चौधरी, विशाल चौधरी और नित्यानंद गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया और खिलाड़ियों को आगे भी इस तरह के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अभ्यास करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

प्रशिक्षण के बाद एकत्र खिलाड़ी। ● अमृत विचार

● दो दिवसीय शिविर का मोहल्ला काशीनगर के शिक्षक भवन परिसर में हुआ आयोजन

नेपाल में होने वाली चैंपियनशिप का न्योता

प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि नेपाल में आयोजित होने वाली फर्स्ट इंडो-नेपाल टोंग मू दो ओपन मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए अकादमी को आमंत्रण मिला है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 3 से 5 जनवरी 2026 तक धनगढ़ी (नेपाल) स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

शिविर में 21 लोगों ने किया रक्तदान

पीलीभीत ,अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के ब्लड बैंक की ओर से ललित हरि आयुर्वेदिक कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 32 पंजीकरण हुए। इसमें से 21 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। ललित हरि आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुदीप बेदार ने स्वयं रक्तदान कर सभी को प्रेरित किया। डॉ. परिक्षित सिंह, डॉ. प्रदीप शेखावत, डॉ. परिचय, टेक्नीशियन दिग्विजय आर्य, काउंसलर अमरीन फातिमा, लैब असिस्टेंट बृजेश आदि टीम ने शिविर को संपन्न कराया। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, पीलीभीत का ब्लड बैंक सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे आयोजनों के माध्यम से सुरक्षित रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

घायल राजमिस्त्री की इलाज के दौरान मौत

तिलहर, अमृत विचार : बीम गिरने से घायल हुए राजमिस्त्री की इलाज के दौरान राजकीय मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। कस्बा के मोहल्ला नितगंजा निवासी मंसूर अहमद राजमिस्त्री का काम करते थे। शनिवार को वह अपने छोटे भाई मंजूर अहमद के मकान की दीवार बना रहे थे। इसी दौरान उनके ऊपर बीम गिर गया, जिससे वह घायल हो गए थे। उनका इलाज राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर में चल रहा था। रविवार को इलाज के दौरान मंसूर अहमद की मौत हो गई। मंसूर की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है।

रुपये के लिए किया शादी से किया इंकार

शाहजहांपुर,अमृत विचार : रिश्ता तय होने के बाद युवक की नौकरी लग गई। तब उसके पिता ने युवती पक्ष के सामने 10 लाख रुपये की मांग रख दी। गोद भराई का कार्यक्रम भी हो चुका था। शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। मदनापुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बेटी की शादी कांट थाना क्षेत्र के गांव बबक्करपुर में जितिन के साथ तय की थी। उसने बेटी की गोद भराई 25 सितंबर को की थी। बरात 2 फरवरी 26 को तय हुई थी। दूल्हे के पिता सुरेश ने 12 लाख रुपये की मांग तय की थी। पीड़ित ने बताया कि गोद भराई में दो लाख रुपये और सोने की अंगूठी दी थी। जबकि 5 लाख रुपये तिलक में देना तय हुआ था। उन्होंने एक मैरिज लान एक लाख रुपये में तय कर दिया था।

मथुरा में तैनात एडीएम के मकान में घुसे चोर

एक ही रात चोरों ने पचदेवरा गांव के पांच मकानों को बनाया निशाना, एक घर में कर सके चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कस्बा पिपरझला क्षेत्र के गांव पचदेवरा में शनिवार रात चोरों ने मथुरा जिले में तैनात एडीएम के घर सहित पांच घरों को निशाना बनाया। हालांकि चोरों की योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकी और वे केवल एक ही घर से चोरी करने में सफल रहे। अन्य चार घरों में या तो कड़ी सुरक्षा के कारण, या जागरूकता के चलते चोरों को खाली हाथ लौटना पड़ा।

घटना चौकी मढ़िया बाजार से सटे गांव पचदेवरा की है। चोरों ने सबसे पहले गांव निवासी एवं वर्तमान में मथुरा जिले में एडीएम पद पर तैनात पंकज वर्मा के घर को निशाना बनाया। चोरों ने मकान की रेलिंग में साड़ी बांधकर छत तक पहुंच गए, लेकिन दरवाजे मजबूत और भीतर से बंद होने के कारण वे घर में प्रवेश नहीं कर सके। इसके

घर में घुसने के लिए रेलिंग में बांधी साड़ी।

संतोष भार्गव के घर में खुली अलमारी और बिखरा सामान। ● अमृत विचार

● एक ही रात पांच जगह चोरी की कोशिश से ग्रामीणों में आक्रोश

बाद चोरों ने गांव के ही संतोष भार्गव के खाली पड़े मकान को निशाना बनाया।संतोष भार्गव का परिवार बाहर रहता है। चोरों ने मेन गेट का दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया और कमरे में रखी अलमारी से चांदी की बिछिया व पायल चोरी कर ले गए।

वजन अधिक होने से नहीं ले जा सके टीवी

संतोष भार्गव के घर से सटी दीवार के सहारे चोर पास के अशोक वर्मा के घर में दाखिल हुए। यहां उन्होंने परचून की दुकान में चोरी की कोशिश की, लेकिन किसी कारणवश उन्हें सफलता नहीं मिली और वे खाली हाथ निकल गए। इसके बाद चोरों ने बाबूराम पटेल के मकान को निशाना बनाया। चोरों ने घर में लगी एलसीडी टीवी को उतार लिया, लेकिन उसका वजन अधिक होने के कारण उसे ले जाने में असफल रहे। मजबूरन चोर एलसीडी को छत पर ही छोड़कर फरार हो गए। आखिर में चोर विशंभर लाल के मकान में घुसे, लेकिन घर में सो रहे बच्चे के रोने से परिजन जाग गए। खुद को घिरता देख चोर मौके से भाग निकले। इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

गांव पचदेवरा में पांच मकानों में चोरी के प्रयास की जानकारी मिली है। पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर जांच की गई है और ग्रामीणों से जानकारी जुटाई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही चोरों को पकड़कर जेल भेजा जाएगा।
महेश पाठक, थाना प्रभारी मितौली

सीसीटीवी फुटेज से पहचान की कोशिश

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गांव में जांच पड़ताल की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर चोरों की पहचान करने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। लगातार हुई चोरी की घटनाओं से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

कार और दो ई-रिक्शा की भिड़ंत में सात घायल

दो ई-रिक्शा आपस में भिड़े और घायल लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार : लखीमपुर-मैगलगंज मार्ग पर कोरैय्या तालुकेदारी गांव के पास कार और दो ई-रिक्शा की आपसी टक्कर में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस व ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम में भर्ती कराया गया, जहां से एक महिला व दो पुरुषों की नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

झांसी निवासी अनुराग, उनकी मां सीमा सिंह और फिरोज कुमार कार में सवार होकर लखीमपुर से हरदोई में रहने वाली अपनी मौसी के घर जा रहे थे। इसी दौरान कस्ता की ओर से आ रहे ई-रिक्शा से उनकी कार की टक्कर हो गई।

पहली टक्कर के तुरंत बाद पीछे से आ रहा दूसरा ई-रिक्शा भी पहले ई-रिक्शा से जा टकराया। हादसे में दूसरे ई-रिक्शा में सवार बेहजम निवासी गुलफाम पुत्र कल्लू मिस्त्री (चालक) सहित दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं नीमगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव की एक महिला भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई हैं।

किसानों ने गोवंश को विद्यालय में किया बंद

प्राथमिक विद्यालय सुरजनपुर में बंद छुट्टा गोवंश। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैलानी

अमृत विचार : ग्राम पंचायत सुआबोझ के किसान छुट्टा पशुओं से परेशान हैं। उन्होंने आक्रोशित होकर गोवंश को सुरजनपुर प्राथमिक विद्यालय में बंद कर दिया।

ग्राम पंचायत सुआबोझ के गांव चाचापुर, कपरहा कुआ, सुर्जनपुर, राजा मंडी के किसानों का कहना है कि काफी संख्या में गोवंश लोगों की हरी भरी फसल को खा जाते हैं। रात दिन रखवाली करने के बाबजूद भी लोग फसलों को नहीं बचा पाते। हम लोगों ने काफी परेशान होकर बीती रात सभी गोवंश को एकत्र करके स्कूल में बंद कर अधिकारियों को सूचना दी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे पशु चिकित्साधिकारी सौरभ बाजपेई, कानूनगो रामनरेश शुक्ला, लेखपाल ज्ञानेंद्र कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी हरी सिह राणा ने स्कूल पहुंच कर गोवंशों को ग्रंट नंबर 10 बांकेगंज व डालपुर और मैलानी की गोशालाओं में भिजवाया। इससे गोवंश सुरक्षित रह सके व किसानों की फसलें नुकसान होने से बच सके।

महिला से मारपीट, दी जान से मारने की धमकी

धौरहरा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के कस्बा धौरहरा स्थित मोहल्ला जवाहर नगर निवासी महिला ने कुछ लोगों पर गाली-गलौज व लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाना में तहरीर दी है।

पीड़िता नाजिमा बानो पत्नी शकील ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाते हुए बताया कि शुक्रवार को दिन में करीब तीन बजे घर से भगाने से जुड़े एक मामले को लेकर कुछ लोगों द्वारा आपस में चर्चा की जा रही थी। इसी बात को लेकर शकील, शीबा पत्नी राजू, राजू व बिलकीश पत्नी शहीद, सभी निवासीगण थाना धौरहरा आ गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोप है कि लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया व जान से मारने की धमकी भी दी। थानाध्यक्ष रवींद्र सोनकर ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाई की जा रही है।

किसान उन्नतशील बीजों का प्रयोग कर खेती में कमाएं अधिक मुनाफा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

बक्खारी की कृषि गोष्ठी में बोलते कृषि वैज्ञानिक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : संचालित कृषि विज्ञान केंद्र जमुनाबाद के कृषि वैज्ञानिकों ने गोष्ठी कर किसानों को अधिक मुनाफा कमाने के लिये जागरूक किया है।

गोष्ठी बक्ख्खरी गांव में हुई। केंद्र अध्यक्ष डॉ. एसके विश्वकर्मा ने कहा कि योजनाओं की जानकारी से ही अधिक लाभ लिया जा सकता है। यह प्रोजेक्ट कृषि, उद्यान, पशुपालन इत्यादि में त्वरित विकास से संबंधित कार्यों में गति देने से संबंधित है। केंद्र के शस्य वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने किसानों एवं कृषक महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि वे उद्यमी बनें, जिससे कि उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार हो सके। डॉ. बिसेन ने दलहनी, तिलहनी और धान आदि फसलों के विषय में विस्तार से तकनीकी जानकारी

● ग्रामीणों को एससीएसपी योजना के अंतर्गत किया जागरूक

देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक से उत्पादन करने से लागत में कमी लाते हुए गुणवत्ता युक्त उत्पाद प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने जैविक खेती की विधियों और उनसे लाभों की जानकारी दी। केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. जियालाल गुप्ता ने एससीएसपी योजना के अंतर्गत कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों जैसे जागरूकता, गोष्ठी, प्रशिक्षण, परीक्षण और प्रदर्शन की सार्थकता के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. गुप्ता ने कुटीर उद्योगों और गृह वाटिका के लाभों की जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. एनके त्रिपाठी ने भैंस, गाय, बकरी, सुअर, मुर्गी पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने को कहा। इसमें आने वाली दिक्कतों के निराकरण के विषय में आधुनिक तकनीक की जानकारी दी।

ऊर्जा बचत का लिया संकल्प, बनाए पोस्टर

पीलीभीत, अमृत विचार: राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर समाधान आईएपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में स्प्रिंगडेल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें मनप्रीत सिंह और अनुभव गौर का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। दोनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षक अंकित सक्सेना ने संचालन किया। प्रबंध निदेशक हेमंत जगोता ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण दिवस का उद्देश्य सतत विकास के लिए ऊर्जा बचाने की आवश्यकता को रेखांकित करना है। प्रश्नोत्तरी के आधार पर विद्यार्थियों को ऊर्जा के बारे में जानकारी दी गई। बताया कि किसी भी कार्य के लिए हमें ऊर्जा की आवश्यकता होती है। विद्युत ऊर्जा का हमारे जीवन में बड़ा योगदान है। लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि विद्युत ऊर्जा का मात्रक किलोवाट घंटा होता है। किलोवाट घंटा और जूल में संबंध बताया गया।

चित्र से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

प्रतियोगिता का निरीक्षण करते पालिकाध्यक्ष और शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचारः आर्य समाज मंदिर द्वारा संचालित दयानंद बाल विद्या मंदिर में पौधरोपण, एवं चित्रकला प्रतियोगिता से विद्यार्थियों ने चित्रांकन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

नगर के खुटार रोड स्थित दयानंद सरस्वती बाल विद्या मंदिर में रविवार को हुई राजेंद्र राठी स्मारक चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने सुंदर आलेखन बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। निःशुल्क चित्रकला प्रतियोगिता की शुरुआत से पहले पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू और आर्य समाज प्रधान गुरु शरण पाठक ने पौधरोपण किया। प्रतियोगिता निर्णायक चित्रकला प्रवक्ता डॉ. अशोक वर्मा के निर्देशन में हुई। सीनियर वर्ग में पर्यावरण संरक्षण और जूनियर वर्ग में प्राकृतिक दृश्य पर विद्यार्थियों ने आलेखन सजाया। संयोजक विजय राठी ने अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। व्यवस्था में ओमप्रकाश वैश्य, नवीन भसीन, प्रधानाचार्य अवधेश मिश्रा, सुरेश चंद्र मिश्र, रविंद्र कटियार रहे।

शिक्षिका के मकान से ताला तोड़ जेवर व नकदी चोरी

संवाददाता, पलिया कलां

● महंगापुर स्कूल की शिक्षिका ने संपूर्णानगर थाने में दी तहरीर

अमृत विचार : गुरु तेग बहादुर स्कूल महंगापुर में कार्यरत शिक्षिका हरविंदर कौर के टीचर्स कॉलोनी स्थित मकान का ताला तोड़कर जोर करीब 30 हजार रुपये की नगदी और आठ लाख रुपये के जेवर चोरी कर ले गए। घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पीड़िता ने थाना संपूर्णानगर पुलिस को तहरीर दी है, लेकिन पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

शिक्षिका हरविंदर कौर ने बताया कि वह 12 दिसंबर को क्षेत्र के ग्राम प्रताप नगर में अपनी ससुराल गई थी, जहां दूसरे दिन उसे घर के ताले टूटने की सूचना मिली। जिस पर वह घर पहुंची तो देखा कि टीचर्स कॉलोनी वाले घर के गेट का ताला तोड़कर अंदर अलमारी का लॉकर तोड़ा गया है। जिसमें रखे सोने की तीन चेन, 7 लेडीज अंगूठी,दो जेंट्स अंगूठी, तीन जोड़ी झुमके, तीन जोड़ी टप्स, एक किट्टी सेट, चांदी की एक जोड़ी पायल, चार जोड़ी बिछिया, दो घड़ी व करीब 25 से 30 हजार रुपए गायब थे। शिक्षिका ने तहरीर संपूर्णानगर पुलिस को दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंच मौका मुआयना किया, लेकिन पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। इधर चोरी की वारदात से टीचर्स कॉलोनी और आसपास के इलाकों में हड़कंप मचा हुआ है।

पांच श्रमिक उत्तराखंड पुलिस की गिरफ्त में

संवाददाता, मैलानी

● पुलिस न तो छोड़ रही और न ही भेज रही चालान

● परिजनों ने मैलानी से पलिया रोड पर लगाया जाम

अमृत विचारः कोरियानी गांव के चार और कोतवाली गोला क्षेत्र के गांव लखरावां का एक मजदूर एक सप्ताह से चोरी के आरोप में काठगोदाम पुलिस की गिरफ्त में हैं, जिन्हें पुलिस न तो छोड़ रही है और न ही चालान भेज रही है, जिससे परिजन परेशान हैं।

थाना क्षेत्र के गांव कोरियानी निवासी विनीत और संदीप, हरद्वारी , अरुण और सतनाम निवासी लखरावा के पांच मजदूर लगभग तीन माह से काठगोदाम थाना धौला पाक उत्तराखंड के अंतर्गत मजदूरी का काम कर करने गए थे। मजदूरों के परिजनों का आरोप है कि जब इन लोगों ने मालिक विक्की से मजदूरी के पैसो की मांग की तो सभी को चोरी के आरोप में काठगोदाम चौकी में बंद करा दिया। परिजनों को विनीत की बहन नीतू ने मोबाइल पर फोन करके सभी मजदूरों के बंद होने की सूचना दी। सूचना पर विनीत की बहन व अन्य महिलाएं काठगोदाम चौकी पहुंचीं, जहां पुलिस नीतू से फोन पर बात करने की बात पूछते हुए सख्ती से पेश आए। नीतू ने मीडिया को बताया कि वहां की पुलिस ने सभी के साथ अपशब्दों का प्रयोग कर मारा-पीटा और करंट भी लगाया। घटना से आक्रोशित होकर काफी महिलाओं ने मैलानी पलिया रोड पर कुछ देर जाम भी लगाया। जाम की सूचना पाते ही स्थानीय पुलिस ने तत्काल ही समझा बुझाकर जाम खुलवाया। परिजनों की मांग है कि सभी निर्दोष मजदूरों को अविलंब रिहा किया जाए। इस घटना के बाद से परिजन परेशान है।

काठगोदाम में हुए व्यवहार की आपबीती बतातीं महिलाएं।

रेलवे स्टेशन के पास महिला की ट्रेन से कटकर मौत

भल्लिया बुजुर्ग रेल लाइन पर घटनास्थल का नक्शा नजरी बनाती पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचारः हैदराबाद थाना की ढकवा चौकी क्षेत्र के अंतर्गत गोला-लखीमपुर रेल लाइन पर भल्लिया बुर्जुग हाल्ट से पहले करीब 100 मीटर की दूरी पर 45 वर्षीय महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

गेटमैन की सूचना पर मौके पर पहुंचे आरपीएफ के हेड कांस्टेबल मयंक दीक्षित, रमेश सिंह, ढकवा चौंकी प्रभारी खेमेन्द्र कुमार, संजय कुमार, नरेंद्र कुमार और जीआरपी गोला के एसआई विनोद कुमार ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की और शव की पहचान कराने की कोशिश की। महिला की पहचान सुशीला देवी (45) पत्नी कैलाश भार्गव निवासी सेमरई थाना हैदराबाद के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सुशीला देवी घर से दवाई लेने सुबह 12 बजे घर से कहकर निकली थी। करीब 2.22 बजे स्टेशन से निकले इंजन से कटकर मौत हो गई। हैदराबाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ श्रीराम कथा उत्सव का समापन, आज होगा भंडारा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नीलकंठ मैदान स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा का रविवार को श्रीराम के राज्याभिषेक की कथा के साथ समापन हो गया। सोमवार सुबह हवन यज्ञ और दोपहर में कन्या भोज, प्रसाद वितरण होगा।

अंजनी शरण महाराज।

नगर के नीलकंठ मैदान स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के द्वादश वार्षिकोत्सव पर आयोजित श्रीराम कथा के नवें दिन कथाव्यास अंजनी शरण महाराज ने श्रीराम और रावण युद्ध, भरत मिलाप, भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर श्रीराम के राज्याभिषेक का प्रसंग सुनाया। उन्होंने सुनाया कि अयोध्या लौटने पर गुरु वशिष्ठ ने शुभ मुहूर्त में पवित्र जल से श्रीराम का राज्याभिषेक किया। श्रीराम के राज्याभिषेक में सुग्रीव, विभीषण, हनुमान शामिल हुए। पूरा अयोध्या नगर दीपों और फूलों से सजाया गया। श्रीराम के राज्याभिषेक के बाद राम राज्य की स्थापना होती है, जहां धर्म, न्याय और प्रजा की सुख समृद्धि का शासन स्थापित होता है। देवी, देवता, अयोध्यावासी सभी श्रीराम के राज्याभिषेक से अत्यंत प्रसन्न हैं, चारों ओर खुशियां और मंगल गीत गाए जा रहे हैं। यहां पर स्वयं भगवान

गोला के श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पर श्रीराम कथा सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● हवन, कन्या भोज और प्रसाद वितरण आज

श्रीराम की विजय मर्यादा और आदर्श राज्य के प्रतीक रूप में वर्णित है। कथा के समापन पर सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। सोमवार सुबह हवन यज्ञ, कन्या भोज और प्रसाद वितरण होगा।

मुख्य यजमान सुरेश चंद्र पांडे, आचार्य दीपक त्रिवेदी, विमलेश मिश्रा, आचार्य उद्धव श्याम तिवारी सहित विधायक अमन गिरि, अनिल अवस्थी, मुनेंद्र शुक्ला, चंद्रशेखर अवस्थी, अभिषेक मिश्रा, अनिल मिश्रा, राजीव मिश्रा, ऋषि ओम त्रिवेदी, ज्ञानेंद्र त्रिवेदी, शशि प्रकाश तोमर आदि मौजूद रहे।

मथुरा में सम्मानित किए जाते जगन्नाथ चक्रवर्ती। ● अमृत विचार

मथुरा में सम्मानित हुए पीलीभीत के जगन्नाथ

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः दिव्यांगजनों को प्रोत्सहित कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सतत प्रयास करने वाले नारायण यादव और उनकी संस्था अनाम स्नेह परिवार प्रयागराज ने मथुरा में दिव्यांगजनों का समारोह आयोजित किया गया।

दो दिवसीय समारोह का समापन रविवार को हुआ। जिसमें दिव्यांगजन कवि सम्मेलन भी कराया गया। इसमें पीलीभीत के कवि जगन्नाथ चक्रवर्ती को अष्टावक्र सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रयागराज उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति अशोक कुमार, गोविंद मठ की संचालक राधिका दीदी ने शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।

इस मौके पर बीआरसी लखनऊ से नागेन्द्र पाण्डेय, नगीना, किरन, विष्णु कान्त मिश्र, रुवी, रवींद्र कुमार, डोरीलाल, डा. मनोजगुप्ता, पारुल, अविरल नाथ, नारायण यादव, श्रीनाथ, हितेश कुमार, जावेद सिद्दीकी, दिव्यांशु दिव्य आदि कई साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल मुख्य/पूरक परीक्षा सन् 1991 अनुक्रमांक 0398329 की अंकतालिका एवं प्रमाण-पत्र वास्तव में खो गया है। **सफिया जीलानी पुत्री स्व. अहमद जीलानी 114, घेर जाफर खां, मोरतारा बिल्डिंग, (यू.पी.) बरेली मो. 9412048828**

सूचना

मेरी पुत्री लवी गुप्ता (LAVI GUPTA) कक्षा-8 की छात्रा है। मेरी पुत्री के स्कूल अभिलेखों में मेरी पुत्री का नाम लवी कुमारी (LAVI KUMARI) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जबकि उसका सही नाम (LAVI GUPTA) है। उक्त सही नाम को संशोधित किया जाये। **नीरज कुमार पुत्र स्व. रामस्वरूप निवासी मो. शिवपुरी लखीमपुर खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

छेड़छाड़ का 50 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद, अमृत विचार : नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को एसपी सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि घटना मुगलपुरा थाना क्षेत्र के कानून गोयान इलाके की है। आरोपी साइकिल से जा रहा था और रास्ते में उसने किशोरी के साथ छेड़छाड़ की, इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की। घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी इब्राहिम पर मुरादाबाद पुलिस की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी इब्राहिम निवासी नवाबपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

खंभे से टकराई बाइक दो युवक जख्मी

मसवासी, अमृत विचार : वाहन से बचाव करते समय बाइक सड़क किनारे खड़े खंभे से टकरा गई। बाइक चला रहे युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हालत गंभीर होने पर दोनों को मुरादाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नगर के मोहल्ला चाऊपुरा निवासी दिपांशु पुत्र हरिओम व अरुण पुत्र तोला शनिवार रात करीब 7 बजे सुल्तानपुर पट्टी से घर मसवासी चाऊपुरा बाइक से आ रहे थे। करीमपुर के करीब किसी वाहन से बचाने के प्रयास में उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े खंभे से जा टकराई। जिससे दोनों युवक घायल हो गए।

महिला की मौत मामले में दर्ज नहीं हुई रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार : मिलक थाना क्षेत्र के गांव जेराहा निवासी संगीता का विवाह 10 मई 2024 को पटवाई के गांव हरियाल निवासी चंद्रप्रकाश शर्मा से हुआ था। मायके वालों का आरोप था कि शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक रहा। उसके बाद ससुराल वालों ने दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर संगीता को परेशान किया जा रहा था। शनिवार को सुबह सूचना मिली कि संगीता की मौत हो गई है। उसके जाकर देखा तो वह जमीन पर पड़ी थी। मायके वालों ने रोना पीटना शुरू कर दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर आ गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गोली मारकर हत्या मामले में चार्जशीट दाखिल

सैफनी(रामपुर), अमृत विचार : 22 नवंबर को पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है।

22 नवंबर की सुबह शीला(35) तीन बच्चों को स्कूल भेजकर खाना बनाकर पति रामवीर पुत्र रामबहादुर को परोस रही थी। शीला की मां बसंती भी घर पर आई हुई थी। आरोप था रामवीर ने शीला के सिर में तमंचे से गोली मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता आरोपी पति बच्चों की जान लेने पर उतारू हो गया। बसंती ने बताया कि पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी ने अपने बड़े बेटे ऋषि को भी गोली मारने की कोशिश की, लेकिन आरोपी के पिता रामबहादुर ने पोते ऋषभ को उससे छीन लिया था। इस दौरान जब ग्रामीणों ने उसे पकड़ने को कोशिश की तो उसने तमंचे से फायर कर दिया था। जिससे लोग डरकर पीछे हट गए थे। इसके बाद हत्यारोपी कुछ देर बाद पास के ही लोधो वाला मझरा गांव के एक घर की छत पर चढ़ गया था। सात घंटे के बाद पुलिस ने घेराबंदी करके उसको पकड़ लिया था। जहां उसको कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया था। सैफनी इंस्पेक्टर अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि चार्जशीट दाखिल कर दी है।

एसआईआर को हिंदू-मुसलमान में बांट रहे अखिलेश: शहाबुद्दीन रजवी

आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सपा प्रमुख पर साधा निशाना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमत विचार: आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने सपा प्रमुख पर एक बार फिर से निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को बयान जारी करते हुए कहा कि एसआईआर अभियान में मतदाताओं की सूची दुरुस्त की जा रही है। चुनाव आयोग का मकसद कोई हिन्दू-मुस्लिम माहौल तैयार करना नहीं है, बल्कि ये सुनिश्चित करना है कि किस क्षेत्र में कितने मतदाता हैं और कितने दूसरी जगह चलें गए या कितने लोगों का देहांत हो चुका है, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस मुहिम को हिंदू- मुसलमान में बांट रहे हैं, जबकि हकीकत में ऐसा कुछ भी नहीं है, वो बचकाना बातें कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिला है कि मुसलमान देश के किसी कोने में मजदूरी का काम कर रहा है उसने चिंता और जिम्मेदारी के साथ अपने परिवार से संपर्क करके एसआईआर के फार्म भरवाए। दूसरी तरफ अरब के खाड़ी देशों में काम करने गए कई नौजवानों ने भी ध्यान देकर फार्म भरवाए।

वहीं दूसरी तरफ हिन्दू भाइयों ने सुस्ती और लापरवाही का उदाहरण पेश किया, जिससे वो एसआईआर के फार्म भरने में मुसलमानों से पीछे रह गए। अगर एसआईआर की मतदाता सूची देखी जाएं तो आज की तारीख में मुसलमान आगे और हिन्दू पीछे नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह है गत वर्षों में सीए और एनआरसी का जब कानून बना तो सियासी लोगों ने और खास कर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने मुसलमानों को डरा दिया था कि इस कानून के जरिए हुकूमत मुसलमानों की नागरिकता छीनने का प्लान बना रही है। यह डर और खौफ मुसलमानों के दिलों दिमाग में बैठा हुआ था, जिसकी वजह से मुसलमानों ने एसआईआर में बहुत अच्छी भूमिका निभाई।

एसआईआर के काम से लौट रहे शिक्षक को पीटकर प्रपत्र फाड़े

बरेली, अमृत विचार : बदायूं रोड पर ड्यूटी से लौट रहे सहायक अध्यापक को रोककर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। अध्यापक से मारपीट कर एसआईआर के प्रपत्र फाड़ दिए। सुभाषनगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र की वैष्णोधाम, बीडीए कालोनी निवासी जितेंद्र कुमार बेसिक शिक्षा परिषद में सहायक अध्यापक है। वर्तमान में वह बीएलओ हैं और एसआईआर में करेली में ड्यूटी कर रहे हैं। वह शुक्रवार शाम को ड्यूटी से वापस घर लौट रहे थे कि तभी बीडीए कॉलोनी के दो अज्ञात लड़कों ने गाड़ी में हाथ मारकर रोक लिया। बिना कारण बताए किसी बात पर मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि दूसरे लड़के ने हेलमेट से हमला करके घायल कर दिया। आरोप है कि उसके प्रपत्र भी फाड़ दिए गए। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने किसी तरह से बचाया। उसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। अध्यापक ने अपनी जान का खतरा बताते हुए सुभाषनगर पुलिस से शिकायत की है, जिसके बाद सुभाषनगर पुलिस ने दो अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कूच बिहार ट्रॉफी: यूपी और बंगाल की टीमों ने किया अभ्यास

बरेली, अमृत विचार : श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में कूच बिहार ट्रॉफी के तहत 16 से 19 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश और बंगाल के बीच मैच होगा। यूपी की टीम शुक्रवार और बंगाल की टीम शनिवार की देर रात शहर पहुंची। दोनों टीमों ने रविवार को मैदान में अभ्यास किया। टीमों के साथ कोच और सपोर्ट स्टॉफ ने खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए पिच और ग्राउंड पर उनके खेल पर काम किया।

स्टेडियम में मैच के लिए तैयारियां भी अंतिम चरण पर पहुंच गई हैं। रविवार को यूपी की टीम ने हेड कोच ध्रुव सिंह की निगरानी में अभ्यास किया। बंगाल की टीम ने कोच स्वरासिहिष लेहरी के साथ बारीकियों पर काम किया। दोनों टीमों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सभी क्षेत्रों में अभ्यास किया। यूपी की टीम सोमवार को सुबह साढ़े 9 बजे से और बंगाल की टीम सुबह साढ़े 11 बजे से अभ्यास करेगी।

अश्लील फोटो से ब्लैकमेल कर रहा फाइनेंस एजेंट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- रुपये देने से इंकार करने पर मोबाइल नंबर पोर्न साइट्स पर डालने का आरोप

अमृत विचार : थाना मुगलपुरा क्षेत्र की एक महिला ने बजाज फाइनेंस कंपनी के एजेंट पर आरोप लगाते हुए अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और रुपये देने से इंकार करने पर फोटो-वीडियो व मोबाइल नंबर पोर्न साइट्स पर डालने का आरोप लगाया है।

गुईया बाग थाना मुगलपुरा निवासी युवती ने सिविल लाइन पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता ने बहन की शादी के लिए वाशिंग मशीन, कूलर, फ्रिज आदि बजाज फाइनेंस कंपनी से फाइनेंस कराए थे। इनकी किश्तें एजेंट संजय सिंह निवासी रेलवे हरथला कॉलोनी के माध्यम से जमा होती थीं, जिससे आरोपी का परिवार में आना-जाना हो गया। पिता की कैंसर से मृत्यु के बाद आरोपी की नीयत खराब हो गई और वह अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने एआई से उसके अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोप है कि धमकाकर आरोपी ने एक अश्लील वीडियो बना ली और रुपये व संबंध बनाने की मांग करने लगा। इंकार करने पर आरोपी ने उसके कई मोबाइल नंबर पोर्न साइट्स पर डाल दिया, जिससे पीड़िता और उसके रिश्तेदारों के मोबाइल पर कॉल आने लगीं। पीड़िता ने बताया कि वह अत्यधिक मानसिक तनाव में है और लोकलाज के कारण आत्महत्या का विचार भी आ चुका है। उसके दो छोटे बच्चे हैं, जिनके भविष्य को लेकर वह बेहद चिंतित है। सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि मामला मुगलपुरा थाना क्षेत्र है लेकिन पीड़िता ने सिविल लाइन कोतवाली में तहरीर दी थी जिस पर आरोपी हरथला निवसी संजय के खिलाफ मुकदमा दर्ज मुगलपुरा थाने ट्रांसफर कर दिया।

पंचायत के बाद भी नहीं बनी बात, लौटी बरात

संवाददाता, कैंट/बरेली

- दुल्हन के भाई की तहरीर पर कैंट पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

अमृत विचार: सदर बाजार में शुक्रवार रात फेरों से पहले बरात को लेकर हुआ विवाद पंचायत के बाद भी सुलझ नहीं सका और बरात वापस लौट गई। कैंट थाना पुलिस ने दुल्हन के भाई की तहरीर पर दूल्हा समेत छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में लिया था लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया।

कैंट थाना क्षेत्र निवासी युवक ने बताया कि उसने अपनी बहन की शादी प्रेमनगर थाना क्षेत्र के नई बस्ती निवासी ऋषभ से तय की थी। सगाई और लगन में पांच लाख रुपये खर्च किए थे। 12 दिसंबर की रात उसकी बहन की शादी युगवीणा में थी। बरात जब देर रात उसके दरवाजे पर पहुंची तो दूल्हे वालों ने 20 लाख नकद और ब्रेजा कार की मांग कर दी। मांग पूरी होने के बाद ही फेरे और अन्य रस्में करने की बात कही। उन्हें समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह नहीं माने और बरात वापस ले जाने की धमकी देने लगे। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दूल्हे समेत अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया। देर रात तक कैंट थाने में पंचायत चलती रही, लेकिन दूल्हे वाले नहीं मानें। उसके बाद कैंट पुलिस ने दुल्हन के भाई की तहरीर पर दूल्हा ऋषभ, उसके पिता रामऔतार, मां, भाई आशीष और बहन-बहनोई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

दरगाह को बदनाम करने को कराई जा रही कार्रवाई

बरेली, अमृत विचार : आला हजरत खानदान के सबसे बुजुर्ग शख्स मन्नानी मियां के दामाद और मौलाना तौकीर रजा खां के बहनोई मोहसिन रजा और मौलाना तौकीर रजा समेत कई लोगों पर इज्जतनगर थाने में शनिवार को जमीन के कब्जे के मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद रविवार को मोहसिन रजा ने मीडिया के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि दरगाह आला हजरत को बदनाम करने और साजिश के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कहा कि हर मामले में 26 सितंबर को शहर में हुए बवाल और मौलाना तौकीर रजा खां का जिक्र करके परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इज्जतनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर दरगाह आला हजरत को बदनाम करने की साजिश कर रहा है।

बरेली विकास प्राधिकरण ने तेज की नई औद्योगिक टाउनशिप की कवायद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बीडीए तीन गांवों की 125 हेक्टेयर जमीन पर बसाएगा नया औद्योगिक क्षेत्र
- उद्यमियों को 17 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से उपलब्ध होंगे भूखंड

अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने शहर में लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के नई औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने की योजना को धरातल पर उतारने की कवायद तेज कर दी है। परियोजना के तहत 125 हेक्टेयर क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र तैयार किया जाएगा। इसके लिए रहपुरा जागीर, रसूला चौधरी और भिटौरा नौगवां उर्फ फतेहगंज पश्चिमी गांव की भूमि शामिल है। भूमि अधिग्रहण से पहले किसानों की सहमति लेने और उनके साथ संवाद स्थापित करने के लिए बीडीए ने आज क्रय दर निर्धारण समिति गठित करने का निर्णय लिया है। समिति किसानों से भूमि खरीदने के लिए उचित दर निर्धारित करेगी।

> प्राधिकरण का उद्देश्य नई टाउनशिप को आधुनिक औद्योगिक केंद्र बनाना है, जहां उद्यमियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और क्षेत्र में रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले। इंडस्ट्रियल टाउनशिप के विकास के लिए जमीन देने के बारे में अधिकांश किसान सहमति दे चुके हैं। क्रय दर निर्धारण समिति का सोमवार को गठन होगा। यह समिति स्थानीय किसानों से जमीन खरीदने के लिए संवाद कर दरें निर्धारित करेगी। -**मणिकंडन ए.**, बीडीए उपाध्यक्ष

बीडीए के अनुसार इस परियोजना के लिए पहले ही आय-व्यय की पूरी योजना तैयार कर ली गई है और उद्यमियों को 17 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे।

कुल परियोजना पर लगभग 800 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें भूमि अधिग्रहण के लिए 300 करोड़ रुपये, बाहरी विकास के लिए 275 करोड़ रुपये और आंतरिक विकास के लिए 225 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। परियोजना के लिए बीडीए ने पिछले सप्ताह तीन कंसल्टेंट्स को आमंत्रित कर प्रजेंटेशन लिया था। इसमें औद्योगिक टाउनशिप में विकसित किए जाने वाले एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट), ई-चार्जिंग स्टेशन, सामान्य पार्किंग क्षेत्र, भूमिगत विद्युतीकरण, पेट्रोल पंप समेत विभिन्न सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई।

छात्रा के फोटो वायरल कर परेशान कर रहा जीजा

बरेली, अमृत विचार: एक छात्रा को उसका जीजा फोटो वायरल करने की धमकी देकर परेशान कर रहा है।

सुभाषनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक छात्रा ने बताया कि गाजियाबाद निवासी उसका बहनोई उसके मोबाइल पर गंदे-गंदे मेसेज करके पिता के पास अश्लील फोटो भेजकर वायरल कर रहा है। आरोप है कि वह कहता है उसकी जिंदगी बर्बाद कर दूंगा। वह कहता है कि उसे कोई दान दहेज नहीं मिला है। वह अब 50 हजार रुपये की मांग कर रहा है। जब उसने अपनी बहन से शिकायत की तो उसके साथ मारपीट की गई। छात्रा ने सुभाषनगर पुलिस से मामले की शिकायत की, जिसके बाद सुभाषनगर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गन्ने की कटाई के दौरान बाघ से बचाव का तलाशा अनूठा तरीका, म्यूजिक सिस्टम बना सहरा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- तेज आवाज में बजाए जा रहे गाने, सुरक्षा के साथ मनोरंजन भी
- जंगल से सटे खेतों में बाघ व अन्य वन्यजीवों की रहती है दस्तक

अमृत विचार: टाइगर रिजर्व के जंगल से सटे इलाकों में वन्यजीवों की लगातार दस्तक को रोकने में तमाम इंतजाम नाकाफी साबित हो चुके है। इधर, अब किसानो ने ही खेतों पर काम करते वक्त मनोरंजन के साथ ही सुरक्षा को लेकर नया पैंतरा अपनाया है। किसान सौर ऊर्जा वाले साउंड सिस्टम लगाकर तेज आवाज में गाने बजा रहे है और गन्ने की कटाई की जा रही है। फिलहाल वन अफसर किसानो की इस बात से इनकार रहे है कि ऐसा करने से वन्यजीव दूर जा सकेगा। मामला चर्चा का विषय बना है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल से सटे कई गांवों में बाघ समेत अन्य वन्यजीव दस्तक देते रहे है। मानव वन्यजीव संघर्ष की स्थिति कई बार बन चुकी है। इन दिनों खेतों में गन्ने की कटाई चल रही है। जंगल से निकले बाघ अक्सर गन्ने के खेतों को आशियाना बनाए रहते हैं। कई बार कटाई के दौरान ही वन्यजीव के हमले में ग्रामीणों की जान जा चुकी है। अधिकारियों की ओर से किए गए तमाम दावों और प्रयास के बाद भी वन्यजीवों की दस्तक आबादी क्षेत्रों में बनी हुई है। खेती भी प्रभावित होती है। ऐसे में अब कुछ किसानो ने अपना अनूठा तरीका खोज निकाला है। गन्ने की कटाई के वक्त खेतों में काम करते वक्त किसान सौर ऊर्जा वाले म्यूजिक सिस्टम में गाने तेज आवाज में बजा रहे है। जंगल से सटे गांव राम नगरिया, अजीतपुर, जमुनिया, महुआ, माला घेरा, बसंतापुर समेत कई गांवों में बाघ समेत अन्य वन्यजीव दस्तक देते है। हाल ही में महुआ गांव में पगमार्ग खेतों में मिले थे। इसे लेकर महुआ गांव के किसान कृष्ण कुमार समेत कुछ किसान खेतों में तेज आवाज में गाना बजाकर फसल की कटाई कर रहे है। जिससे मामला चर्चा का विषय बन चुका है।

> ग्रामीणों के शोर शराबा करने पर तो बाघ भाग सकता है। मगर, इस तरह से म्यूजिक सिस्टम पर गाने बजाने से बाघ दूर जायेगा, ये पुष्ट दौर पर नहीं कहा जा सकता। चूंकि ऐसे शोर से तो वन्यजीव परेशान हो सकता है। फिलहाल बाकी एक्सपर्ट ही बता सकते है। ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। उन्हें ग्रुप बनाकर खेतों में जाने की बात कही गई है।
> – **सहेंद्र यादव**, रेंजर महोफ रेंज

मुंबई की फ्लाइट 49 मिनट देरी से उड़ी

बरेली, अमृत विचार: बरेली एयरपोर्ट पर रविवार को मुंबई से फ्लाइट निर्धारित समय से 17 मिनट की देरी से आई और बरेली से भी मुंबई की फ्लाइट 49 मिनट की देरी से गई। इससे यात्रियों को कुछ परेशानी हुई।

मुंबई से फ्लाइट अपने निर्धारित समय 2:20 बजे न आकर 2:37 बजे बरेली एयरपोर्ट पर लैंड हुई, जबकि बरेली एयरपोर्ट से उड़ान भरने का निर्धारित समय 2:55 बजे है लेकिन 49 मिनट की देरी से फ्लाइट 3:44 मिनट पर मुंबई के लिए उड़ान भर सकी। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी ने बताया कि परिचालन में कोई दिक्कत नहीं है। कुछ कार्य होने की वजह से फ्लाइट विलंब हुई है। सर्दी के मौसम में लगातार ठिठुरन बढ़ने से सैकड़ों किलोमीटर का सफर ट्रेनों से करने से लोग बच रहे हैं।

सोशल मीडिया पर डाली आपत्तिजनक धार्मिक पोस्ट

कार्यालय संवाददाता, सीबीगंज

- पोस्ट देखकर एक समुदाय के लोगों में फैला रोष, कार्रवाई को पहुंचे थाने, आरोपी हिरासत में

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर एक युवक ने एक समुदाय विशेष के लिए भड़काऊ पोस्ट डाल दी। लोगों ने अपनी भावनाएं आहत होने का आरोप लगाकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। दर्जनों लोग सीबीगंज थाने में तहरीर देने के लिए पहुंच गए। सीबीगंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर भड़काऊ पोस्ट वायरल करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

गांव जोगीठेर निवासी मुस्तफा रजा ने आरोप लगाया कि पड़ोसी गांव ऐना निवासी अरविंद राजपूत ने उनके धर्म को लेकर फेसबुक और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली। रविवार को जैसे ही पोस्ट की जानकारी लोगों को हुई तो क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।

दर्जनों लोग थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायती पत्र सौंपा। पुलिस ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। एहतियातन गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

सीबीगंज इंस्पेक्टर प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर भड़काऊ पोस्ट वायरल करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गनेशापुर विकास खण्ड पसगवां-खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025- 26

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गनेशापुर में वर्ष 2025-2026 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 15.12.2025 से 28.12.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत गनेशापुर के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है , प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 28.12.2025 अपरान्ह 4:00 बजे खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	शिवदयाल के मकान से शिवसागर लाल के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	सीमेंट, मौरंग, गिट्टी, बालू, लोकल बालू, ईंट, रोडी इंटरलॉकिंग, इत्यादि	865071.00

पुष्पेन्द्र मिश्रा (सचिव) मेवाराम (ग्राम प्रधान)

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत,लो0नि0वि0,बरेली

पत्रांक : 11749 / 413सी0(ई0टेण्डर)–3 / 25–26 दिनांक 02.12.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1–महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से मदवार दरों पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई–निविदा दिनांक 16.12..2025 से दिनांक 26.12.2025 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0लाख)	कुल लागत (रू0लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
वित्तीय वर्ष 2025–26 में धर्मार्थ योजनान्तर्गत कार्य									
01	जनपद बरेली में पीलीभीत रोड से ग्राम रिछौला ताराचन्द्र के श्री सुखराम धाम तक (ग्रामीण श्रेणी) मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	650.00	16.25	666.25	13.33	06 माह	2725.00	ए (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 242384 दिनांक: 12/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड ,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

20 साल तक एनडीए को नहीं हटा सकता कोई : राजभर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद/ अमरोहा

- बोले- सपा, बसपा ने मुस्लिमों को वोट बैंक की तरह किया इस्तेमाल
- कांग्रेस की ही कब्र खुद गई है अब वो किसी और की क्या खोदेंगे

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर को छाता देते पार्टी के जिलाध्यक्ष सतपाल तोमर।

अमृत विचार: प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मुरादाबाद में पार्टी कार्यालय पर राजभर ने कहा कि आने वाले 20 साल तक एनडीए को हटाने वाला कोई नहीं है। सबसे पहले वोट चोरी कांग्रेस ने ही की थी। कहा कि दो वोट पाने वाले प्रधानमंत्री बन गए और 11 वोट पाने वाले पीछे रह गए। वहीं अमरोहा में जनसभा में कहा कि सपा व बसपा ने मुस्लिमों का वोट लेकर उनको ठगा है। मुस्लिमों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है।

अमरोहा से लौटते वक्त पार्टी के जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता में ओमप्रकाश राजभर ने दिल्ली में कांग्रेस की रैली से पहले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी (कब्र खुदेगी) को अनुचित बताया और कहा कि इस तरह की बयानबाजी अच्छी बात नहीं है। कहा कि कांग्रेस की तो खुद ही कब्र खुद चुकी है, अब वह दूसरे की क्या कब्र खोदेगी। राजभर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के लोग प्रधानमंत्री की माता को गाली देते हैं और देश की महिलाओं का भी अपमान कर चुके हैं। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी वह विदेश जाते हैं, भारत को कटघरे में खड़ा करते हैं। अब उनकी बातों का कोई वजूद नहीं रह गया है। एसआईएआर को लेकर समाजवादी पार्टी और विपक्ष के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष केवल सड़कों पर बयान दे रहा है, जबकि हकीकत यह है कि वही लोग बूथ पर जाकर अपना-अपना फार्म भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विरोध सिर्फ दिखावे तक सीमित है।

इससे पहले अमरोहा में एक निजी इंस्टीट्यूट में विशाल जनसभा को उन्होंने संबोधित किया। कहा कि सुभासपा का प्रयास है कि सभी को समान शिक्षा का अधिकार लागू कराया जाए। एक गरीब का बच्चा क से कबूतर नहीं बल्कि क से कम्प्यूटर पढ़े। कहा कि अपने बच्चों को उच्च शिक्षा जरूर दिलाएं। शिक्षा में किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए। सपा और बसपा पर निशान साधते हुए कहा कि इन्होंने मुस्लिम को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है। इनके वोट के दम पर केवल चार व सात प्रतिशत जनसंख्या वाले मुख्यमंत्री बने हैं जबकि 20 प्रतिशत जनसंख्या का कोई भी मुख्यमंत्री नहीं बना सके हैं। उन्होंने केंद्र में पीएम मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी जमकर तारीफ की। कहा कि इनके नेतृत्व में देश व प्रदेश नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

कहा कि आगामी पंचायत चुनाव सुभासपा अपने दम पर लड़ेगी और विकास की नई इबारत लिखेगी। वहीं, आगामी विधानसभा चुनाव 2027 भाजपा के साथ सहयोगी पार्टी के रूप में लड़ेगी। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, रवि चौधरी, आदेश अमरोहवी, अशोक अग्रवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ,डॉ. दयाराम भार्गव, बाली चौधरी, कन्हैया राम प्रजापति, बलराजसिंह, रामपाल, सुशील गुर्जर, संजय बंजारा, दीपक चौहान, जसवीर सिंह चौहान, विनीत चौहान, रमेश चौहान, अतिकुर रहमान, रामगोपाल जाटव, सुरेंद्र सिंह प्रधान, चंद्रसेन खड़गवंशी, जितेंद्र राणा, ज्योति, संजय प्रधान, बॉबी गुर्जर, सोमपाल प्रधान, राजीव कुमार, मुजीब उरहमान आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में 25 लोगों का होगा चयन

प्रदेश सरकार की ओर से पंचायत राज विभाग ने एक योजना लागू की है। इसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत से 25-25 लोगों का चयन करते हुए उनके निशुल्क आवास, राशन, शौचालय, पानी की व्यवस्था की जाएगी। इन्हें गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही इन्हे 1.5 लाख रुपये का बिना ब्याज का लोन दिलाकर इनके आर्थिक स्थिति सुदृढ़ की जाएगी।

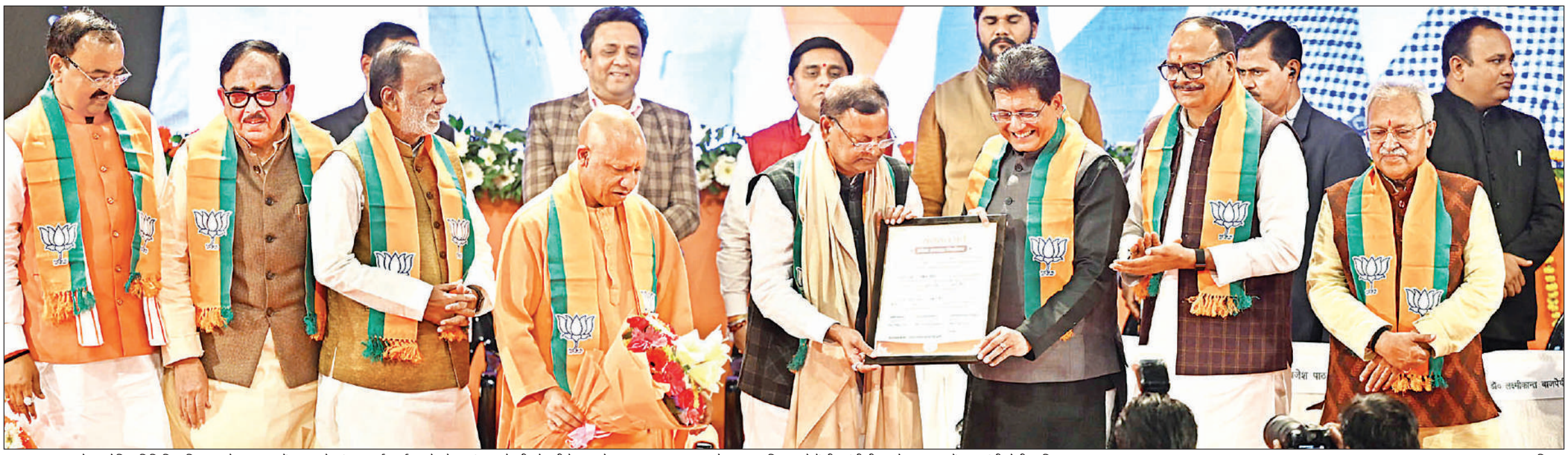

लखनऊ : राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के सभागार में भाजपा के संगठन पर्व कार्यक्रम के दौरान पंकज चौधरी को यूपी के नए प्रदेश अध्यक्ष का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य। अमृत विचार

कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत : योगी

प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, कहा- एक महीने सिर्फ बूथ पर काम करें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भाषण कार्यकर्ताओं में जोश, आत्मविश्वास और विजय का भरोसा भरने वाला रहा। योगी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है और वही पार्टी की हर जीत की नींव होता है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता जागरूक, संगठित और सक्रिय होता है, तब कोई ताकत भाजपा को रोक नहीं सकती। उन्होंने एसआईआई के मद्देनजर आगाह किया कि कार्यकर्ताओं को गोरखपुर, महाराजगंज या दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है, अगले एक महीने तक सिर्फ बूथ पर काम करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार की उपलब्धियों के पीछे संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत है। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। पहले प्रदेश अराजकता और दंगों से पहचाना जाता था, आज यूपी विकास, विरासत और मजबूत कानून व्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा और उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर राज्य बना। योगी ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि अगली लड़ाई बूथ पर लड़ी जाएगी। आपको गोरखपुर, महाराजगंज या दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है, अगले एक महीने तक सिर्फ बूथ पर काम करना है । उन्होंने जोर देकर कहा कि साफ-सुथरी मतदाता सूची भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने वाला अभियान बताते हुए कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में जुड़ना चाहिए और कोई फर्जी नाम न रहने पाए।

मुख्यमंत्री ने राम मंदिर निर्माण, हाईवे, मेट्रो, बिजली आपूर्ति और औद्योगिक निवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां तभी संभव हुईं जब सरकार और संगठन ने मिलकर काम किया। उन्होंने भरोसा जताया कि नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा। अंत में योगी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि जब कार्यकर्ता पूरे मन से मैदान में उतरता है, तब भाजपा की तीन चौथाई लड़ाई वहीं जीत ली जाती है।

मुख्यमंत्री योगी के पैर छू कर आशीर्वाद लेते नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी।

भाजपा के सांगठनिक चुनावों की प्रक्रिया अन्य दलों के लिए अकल्पनीय : पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने निर्वाचन का ऐलान करते हुए कहा कि इतनी बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा जिस व्यवस्थित, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से अपने चुनाव कराती है, वह अन्य दलों के लिए अकल्पनीय है। 1.62 लाख बूथों पर सदस्यता और सर्वसम्मति से नेतृत्व चयन इसका प्रमाण है। गोयल ने पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में संगठन और अधिक मजबूत होगा और आगामी चुनावों में भाजपा नई सफलता हासिल करेगी।

सेवा ही मेरा संकल्प : पंकज चौधरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **बोले- आदेश नहीं, संवाद करूंगा, रूल नहीं, रोल निभाऊंगा**
- **नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के भाषण पर जमकर गूंजे नारे**

अमृत विचार: भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने पहले ही संबोधन से साफ कर दिया कि उनके नेतृत्व की धुरी संगठन का कार्यकर्ता होगा। भव्य निर्वाचन समारोह में जैसे ही उन्होंने माइक संभाला, पूरा सभागार तालियों और नारों से गूंज उठा। आत्मविश्वास से भरे स्वर में पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है। आज इस पद पर पहुंचना मेरे लिए सत्ता का नहीं, सेवा का अवसर है। मुझे रूल नहीं करना है, बल्कि रोल अदा करना है। कहा कि कार्यकर्ता ही मेरी ताकत और सेवा ही मेरा संकल्प है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता कार्यकर्ताओं की बात सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। नेतृत्व आदेश देने से नहीं, संवाद और समाधान से मजबूत होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि संगठन में हर आवाज सुनी जाएगी। भाजपा की कार्यसंस्कृति का जिक्र करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि यह पार्टी किसी परिवार या जाति की नहीं, बल्कि परिश्रम और त्याग करने वाले कार्यकर्ताओं की है। यहां बूथ पर झंडा उठाने वाला कार्यकर्ता भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी और सबसे अनुशासित राजनीतिक पार्टी है।

पंकज ने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि 1991 में भाजपा ने उन्हें महाराजगंज से पहली बार चुनाव लड़ने का अवसर दिया। तब से लेकर अब तक सात बार सांसद बनने तक का सफर कार्यकर्ताओं के भरोसे और मेहनत का परिणाम है। मैंने न कभी महाराजगंज छोड़ा, न भाजपा को पंकज चौधरी ने। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रदेश अध्यक्ष पद उनके जीवन की अब तक की सबसे बड़ी और गंभीर जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को विनम्रता, परिश्रम और संगठन के सामूहिक प्रयास से निभाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते पंकज चौधरी, साथ में पार्टी नेता।

नए प्रदेश अध्यक्ष के सामने ये चुनौतियां

- लंबे समय से लंबित मनोनयनों और उपेक्षा से नाराज कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना।
- 2024 में खिसके पिछड़े वोट, खासकर कुर्मी समाज को फिर से भाजपा के पाले में लाना।
- बूथ स्तर पर संगठन को धार देकर पंचायत और विधानसभा चुनाव की ठोस रणनीति बनाना।
- प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और संगठन के बीच समन्वय बनाकर शिकायतों का समाधान करना।

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय परिषद सदस्य

1. नरेंद्र मोदी – वाराणसी
2. राजनाथ सिंह – लखनऊ
3. योगी आदित्यनाथ – गोरखपुर
4. केशव प्रसाद मौर्य – प्रयागराज
5. ब्रजेश पाठक – उन्नाव
6. चौधरी भूपेंद्र सिंह – मुरादाबाद
7. स्मृति ईरानी – सुल्तानपुर
8. महेंद्र नाथ पांडेय – वाराणसी
9. सूर्य प्रताप शाही – देवरिया
10. स्वतंत्र देव सिंह – बांदा
11. रमापति राम त्रिपाठी – गोरखपुर
12. सुरेश कुमार खन्ना – शाहजहांपुर
13. दारा सिंह चौहान – आजमगढ़
14. निरंजन ज्योति – फतेहपुर
15. विनोद सोनकर – कौशांबी
16. रामशंकर कठेरिया – इटावा
17. महेंद्र सिंह – प्रतापगढ़
18. हरीश द्विवेदी – बस्ती
19. कौशल किशोर – लखनऊ
20. प्रियंका रावत – बाराबंकी
21. रमापति शास्त्री – गोंडा
22. ब्रजबहादुर – अलीगढ़
23. राघव लखनपाल – सहारनपुर
24. मृगांका सिंह – शामली
25. सुभाष चंद्र शर्मा – मुजफ्फरनगर
26. महेंद्र धनौरीया – बिजनौर
27. यशवंत सिंह – बिजनौर
28. राकेश सिंह – मुरादाबाद
29. सुभाष भटनागर – रामपुर
30. परमेश्वर लाल सैनी – संभल
31. ऋषि पाल नागर – अमरोहा
32. अरुण वशिष्ठ – मेरठ
33. सुदेश चौहान – बागपत
34. लज्जा रानी गर्ग – हापुड़
35. हरीश चंद्र भाटी – गौतमबुद्धनगर
36. सतीश बाल्मीकि – बुलंदशहर
37. आशुतोष वार्ष्णेय – अलीगढ़
38. डीपी गोयल – मथुरा
39. प्रभु दयाल कठेरिया – आगरा
40. अशोक राणा – आगरा
41. आनंद चंद्र अग्रवाल – फिरोजाबाद
42. प्रेम सिंह शाक्य – मैनपुरी
43. त्रिवेंद्र पाल सिंह – एटा
44. हरप्रसाद पटेल – बदायूं
45. धर्मेंद्र कश्यप – बरेली
46. केएम अरोड़ा – बरेली
47. सुरेश गंगवार – पीलीभीत
48. अंजुला सिंह महौर – हाथरस
49. मिथिलेश कठेरिया – शाहजहांपुर
50. रजनी सरीन – फर्रुखाबाद
51. कमलेश कठेरिया – इटावा
52. सुब्रत पाठक – कन्नौज
53. प्रेमलता कटियार – कानपुर
54. नीरज चतुर्वेदी – कानपुर
55. सत्यप्रकाश शंखवार – जालौन
56. संतोष सोनी – झांसी
57. सरस्वती शरण द्विवेदी – हमीरपुर
58. रणवेंद्र प्रताप सिंह – फतेहपुर
59. संतोष गुप्ता – बांदा
60. अजय मिश्रा – लखीमपुर खीरी
61. जुगल किशोर – लखीमपुर खीरी
62. राकेश त्रिपाठी – सीतापुर
63. पूर्णिमा वर्मा – हरदोई
64. राजकिशोर रावत – सीतापुर
65. राम देव पाल – रायबरेली
66. अनिल तिवारी – अयोध्या
67. रामप्रकाश यादव – अंबेडकरनगर
68. मुकुट बिहारी वर्मा – बहराइच
69. अक्षयवर लाल गौंड – बहराइच
70. राकेश प्रताप सिंह – श्रावस्ती
71. इकबाल बहादुर तिवारी – गोंडा
72. दया शंकर यादव – अमेठी
73. एमपी सिंह – सुल्तानपुर
74. पुष्पा देवी – कौशांबी
75. कविता पटेल – प्रयागराज
76. सुरेंद्र प्रताप सिंह – जौनपुर
77. विद्यापति सोनकर – जौनपुर
78. शारदा चौहान – गाजीपुर
79. शिवनाथ यादव – चंदौली
80. गोरखनाथ पांडेय – भदोही
81. दिलीप पटेल – मिर्जापुर
82. राम शुक्ल – सोनभद्र
83. अष्टभुजा शुक्ल – बस्ती
84. दुर्गा राय – संतकबीरनगर
85. जनार्दन गुप्ता – महाराजगंज
86. संत राज यादव – कुशीनगर
87. रविंद्र कुशवाहा – देवरिया
88. काली प्रसाद – गोरखपुर
89. शेषनाथ आचार्य – आजमगढ़
90. अनिरुद्ध मिश्रा – देवरिया
91. हरिनारायण राजभर – मऊ
92. जय प्रताप सिंह – सिद्धार्थनगर
93. नागेंद्र पांडेय – बलिया
94. कमलेश सैनी – बिजनौर
95. संजीव बालियान – मुजफ्फरनगर
96. कांता कदम – मेरठ
97. विमला बाथम – नोएडा
98. ओमप्रकाश गोयल – अमरोहा
99. प्रदीप चौधरी – सहारनपुर
100. राजवीर सिंह – एटा
101. सूर्यप्रकाश पाल – आंवला
102. प्रमोद गुप्ता – आगरा
103. रामनरेश अग्निहोत्री – मैनपुरी
104. रविकांत गर्ग – मथुरा
105. सत्यदेव पचौरी – कानपुर
106. गीता शाक्य – औरैया
107. रश्मि राज – लखीमपुर
108. राजरानी रावत – बाराबंकी
109. पद्मसेन चौधरी – बहराइच
110. लल्लू सिंह – अयोध्या
111. कृष्ण शास्त्री – हरदोई
112. सुरेश तिवारी – लखनऊ
113. पीके वर्मा – हरदोई
114. संगम लाल गुप्ता – प्रतापगढ़
115. दर्शना सिंह – गाजीपुर
116. कौशलेंद्र पटेल – वाराणसी
117. सीमा द्विवेदी – जौनपुर
118. नीलम सोनकर – लालगंज
119. विनोद पांडेय – गोरखपुर
120. परदेशी रविदास – महाराजगंज

चुनाव में विरोधियों को धूल चटाने का साझा संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नेताओं ने साधा संगठन का सुर बूथ से चुनाव तक एकजुटता पर जोर**
- **पंचायत और विधानसभा चुनाव की तैयारी को बताया पार्टी का प्राथमिक एजेंडा**

अमृत विचार: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के अलावा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी मंच से संगठन को दिशा देने वाला संदेश दिया। सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है और आने वाले पंचायत चुनाव व 2027 के विधानसभा चुनाव की नींव बूथ स्तर पर ही पड़ेगी। आह्वान किया कि चुनावों में विरोधियों को हर मोर्चे पर धूल चटानी होगी।

केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा का संगठन पर्व विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी पार्टी में सर्वसम्मति से नेतृत्व का चयन कार्यकर्ताओं की परिपक्वता और अनुशासन को दर्शाता है। उन्होंने संगठनात्मक एकता बनाए रखने का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पंकज चौधरी का प्रदेश अध्यक्ष बनना संगठनात्मक अनुभव और सामाजिक संतुलन दोनों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता हर परिस्थिति में पार्टी की रीढ़ बनकर खड़ा रहता है। मौर्य ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव और 2027 का विधानसभा चुनाव संगठन के लिए बड़ी परीक्षा हैं, लेकिन अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा केवल सत्ता की राजनीति करने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि सेवा और समर्पण की विचारधारा पर चलती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में हुए बड़े बदलाव सरकार और संगठन के बेहतर तालमेल का परिणाम हैं। नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कार्यकर्ताओं को संवाद व सम्मान का वातावरण प्राप्त होगा।

निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अपने संबोधन में संगठन के सामूहिक प्रयासों को याद किया और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में पार्टी ने जो चुनावी सफलताएं हासिल की हैं, उनका श्रेय बूथ स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने संगठन पर्व को भाजपा की लोकतांत्रिक कार्यसंस्कृति का उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की नई टीम पर फोकस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **संगठन महामंत्री के पद पर बदलाव के आसार नहीं**
- **आठ उपाध्यक्ष और तीन महामंत्री बनाकर गढ़ी जाएगी नई टीम**

अमृत विचार: भाजपा उत्तर प्रदेश के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के चुनाव के बाद अब संगठन की निगाहें प्रदेश कार्यकारिणी की नई टीम पर टिक गई हैं। पार्टी के संविधान के तहत होने वाले इस गठन को लेकर संगठन के भीतर मंथन तेज हो गया है। प्रदेश महामंत्री (संगठन) के पद पर फिलहाल किसी बदलाव के आसार नहीं हैं, जबकि उपाध्यक्ष, महामंत्री और मंत्री पर नए चेहरों को मौका मिलने की प्रबल संभावना है।

पार्टी संविधान की धारा–17 के अंतर्गत श्रेणी–3 में आने वाले प्रदेशों के लिए स्पष्ट प्रावधान है कि प्रदेश कार्यकारिणी में अधिकतम 105 सदस्य हो सकते हैं। इसी श्रेणी के तहत उत्तर प्रदेश में अधिकतम 8 प्रदेश उपाध्यक्ष और 3 प्रदेश महामंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में नई टीम का ढांचा लगभग तय माना जा रहा है और अब सवाल सिर्फ नामों को लेकर है। संविधान के अनुसार श्रेणी–3 की कार्यकारिणी में कम से कम 35 महिलाएं और 9 अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के सदस्य होना अनिवार्य है। यही कारण है कि नई टीम के चयन में केवल राजनीतिक अनुभव नहीं, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को भी विशेष महत्व दिया जाएगा। पश्चिम यूपी, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध- चारों क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की तैयारी है।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन महामंत्री का पद यथावत रखा जाएगा। इसे संगठन की रीढ़ माना जाता है और पंचायत चुनाव तथा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस पद पर स्थिरता बनाए रखने के संकेत हैं। केंद्रीय नेतृत्व भी इस पद पर निरंतरता के पक्ष में बताया जा रहा है। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह पूरे प्रदेश में अपने संगठन कौशल और मेहनत से बूथ से लेकर शीर्ष तक सबसे प्रभावी चेहरे हैं।

नए चेहरों को आगे लाने की तैयारी

8 प्रदेश उपाध्यक्ष और 3 प्रदेश महामंत्री के पदों पर नए चेहरों को आगे लाने की तैयारी है। इसमें युवा, सक्रिय और जमीनी स्तर पर संगठन का अनुभव रखने वाले नेताओं को प्राथमिकता मिलने की चर्चा है। कुछ मौजूदा पदाधिकारियों को बाहर कर या नई जिम्मेदारी देकर संगठन में संतुलन साधा जा सकता है। सरकार के निगम, आयोग, परिषद आदि में भी कईयों को भेजकर पदोन्नति मिलेगी।

नाराजगी दूर करने और 2027 की बिसात

नई टीम के गठन को सिर्फ संगठनात्मक कवायद नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से संगठन में समायोजन का इंतजार कर रहे नेताओं की नाराजगी दूर करने की कोशिश भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा होगी। माना जा रहा है कि कुछ नेताओं को संगठन में और कुछ को बोर्ड-निगम या सरकारी दायित्वों के जरिए संतुष्ट किया जा सकता है।

शंखनाद, नारों और झंडों के बीच उत्सव में तब्दील हुआ संगठन पर्व

लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय परिसर में प्रदेशभर से पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **'नया कप्तान' देखने को उमड़े प्रदेशभर के कार्यकर्ता, संगठन के संदेश ने बढ़ाया उत्साह**

अमृत विचार: डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय का परिसर रविवार की दोपहर किसी राजनीतिक कार्यक्रम का नहीं, बल्कि उत्सव का गवाह बन गया। मुख्य सभागार के भीतर निर्वाचन की औपचारिकता चल रही थी, लेकिन असली तस्वीर बाहर थी।

जहां झंडे, ढोल-नगाड़े, शंखनाद और नारों के बीच भाजपा का संगठन पर्व जश्न में बदल चुका था। हर किसी को 'नया कप्तान' देखने की ललक थी। साथ ही, सरकार और संगठन के संदेश उत्साह बढ़ा रहे थे।सुबह से ही विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में भाजपा की प्रांतीय टीम कार्यक्रम को लेकर तैयारी तो अंतिम रूप देने में जुटी थी। जबकि प्रदेश भर से कार्यकर्ताओं की टोलियां जुटने लगी थीं। कोई पूर्वांचल से आया था तो कोई पश्चिम यूपी से।

लेकिन जैसे ही केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि 17वें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी निर्वाचित हैं, कार्यक्रम स्थल जयश्रीराम, वंदे मातरम, भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। अंदर से बाहर परिसर और सड़कों पर शंखनाद, नारों और झंडों लहराकर जश्न शुरू हो गया। लखनऊ मंडल की टीमों ने पटाखे भी फोड़े और जमकर थिरके भी। कई कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। कार्यक्रम में भाजपा के सांसद-विधायक-मंत्री से लेकर संगठनात्मक 98 जिलों से जिलाध्यक्ष और हाल ही में चुने गए 1600 से अधिक मंडल अध्यक्ष भी आए थे। कार्यक्रम स्थल के बाहर का दृश्य किसी चुनावी रैली से कम नहीं था। दिलचस्प यह रहा कि कार्यक्रम स्थल के बाहर किसी तरह की अफरातफरी या असंतोष नजर नहीं आया। सुरक्षा व्यवस्था सख्त थी, लेकिन माहौल सहज।

अमृत विचार

सोमवार, 15 दिसंबर 2025

जिस प्रकार शरीर में दृष्टि है, उसी प्रकार आत्मा में तर्क है।
अरस्तु, दार्शनिक

चौधरी का चयन

उत्तर प्रदेश भाजपा की कमान पंकज चौधरी को सौंपा जाना एक संगठनात्मक नियुक्ति मात्र नहीं, बल्कि आने वाले पंचायत और विधानसभा चुनावों की दृष्टि से एक सुविचारित राजनीतिक-रणनीति का संकेत है। ऐसे समय में जब 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं मिली, संगठन के शीर्ष पर यह बदलाव कई स्तरों पर संदेश देता है। सबसे पहले, पंकज चौधरी का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना यह दर्शाता है कि भाजपा नेतृत्व फिलहाल किसी गुटीय संघर्ष से बचना चाहता है, हालांकि इसे संगठन के पूरी तरह गुटबाजी-शून्य होने का प्रमाण मानना अतिशयोक्ति होगी।

उत्तर प्रदेश जैसा विशाल और विविध राज्य स्वाभाविक रूप से आंतरिक समीकरणों से भरा रहता है, पर निर्विरोध चयन यह दिखाता है कि शीर्ष नेतृत्व ने संतुलन साधते हुए सर्वमान्य चेहरे पर सहमति बनाई है। मुख्यमंत्री पहले ही पूर्वांचल से हैं और अब प्रदेश अध्यक्ष भी उसी क्षेत्र से चुनना क्षेत्रीय वर्चस्व की बहस को जन्म देता है। प्रश्न यह है कि क्या इससे राजनीतिक असंतुलन पैदा होगा? वस्तुतः भाजपा का संगठनात्मक ढांचा केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि जातीय और सामाजिक संतुलन पर भी आधारित रहता है। पूर्वांचल को अध्यक्ष पद देना दरअसल उस क्षेत्र में पार्टी की पकड़ को और मजबूत करने की कोशिश है, जहां 2024 में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। पंकज चौधरी के चयन के पीछे कुर्मी समुदाय का समीकरण भी स्पष्ट दिखता है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी मतदाता लगभग 8 प्रतिशत माने जाते हैं, जो कई सीटों पर निर्णायक भूमिका में रहते हैं। समाजवादी पार्टी लंबे समय से पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण के जरिए इन्हें साधने की कोशिश कर रही है। ऐसे में कुर्मी समुदाय से प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह पिछड़े वर्गों में अपनी पैठ और गहरी करना चाहती है। यह रणनीति सपा के सामाजिक गठजोड़ की काट के रूप में देखी जा सकती है। इससे पहले भी कुर्मी समुदाय से भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं।

पंकज चौधरी का राजनीतिक सफर पार्षद से लेकर विधायक और सांसद तक का रहा है। उन्होंने जीत और हार-दोनों का स्वाद चखा है। यही अनुभव उन्हें जमीन से जुड़ा नेता बनाता है। संगठन और प्रशासन, दोनों का अनुभव होने से सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद की जा सकती है। संघ नेतृत्व से उनके अच्छे संबंध योगी सरकार को भी संगठनात्मक मजबूती देगा, हालांकि नए प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं हैं, पंचायत चुनावों में जमीनी संगठन को सक्रिय करना, जातीय संतुलन बनाए रखना, आंतरिक असंतोष को नियंत्रित करना और विपक्ष के पीडीए नैरेटिव का प्रभावी जवाब देना। यदि पंकज चौधरी इन मोर्चों पर संतुलित और समावेशी नेतृत्व दिखा पाते हैं, तो उनके नेतृत्व में प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक विकास और चुनावी सफलता की कामना असंगत नहीं होगी। अंततः यह नियुक्ति भाजपा की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें सामाजिक विस्तार और संगठनात्मक मजबूती को साथ-साथ साधने की कोशिश साफ नजर आती है।

प्रसंगवश

टीईटी की अनिवार्यता के साथ बदलाव जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया था कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य है। इसके बाबजूद नौ दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है। टीईटी को आरटीई एक्ट-2009 के तहत कक्षा एक से आठ तक के शिक्षकों के लिए अनिवार्य बनाया गया था, ताकि बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा का अधिकार मिले, लेकिन पिछले दस साल से देश के लाखों शिक्षक, खासकर 2010-2015 के बीच नियुक्त हुए, जो इस परीक्षा के कारण नौकरी, प्रमोशन और मानसिक शांति खोने की कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया था कि टीईटी अनिवार्य है। इसके बाबजूद नौ दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है।

अंबिका अंबी
लेखिका

सबसे बड़ा फायदा शिक्षकों को होगा। लाखों शिक्षक, जिनमें अधिकांश 45-55 साल के हैं, एक लिखित परीक्षा के दबाव से मुक्त हो जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में जहां पहले से शिक्षकों की कमी है, यह कमी पूरी होगी। शिक्षकों में प्रमोशन रुकने का डर खत्म होगा, वेतन विसंगतियां दूर होंगी और शिक्षक संगठनों का आंदोलन शांत हो जाएगा। कई राज्यों में भर्ती प्रक्रियाएं भी तेज होंगी, क्योंकि बीएड करने वाले बिना टीईटी दिए नौकरी पा सकेंगे। वर्तमान टीईटी का स्वरूप ही सबसे बड़ी समस्या है।

यह परीक्षा आज भी 10-12 साल पुराने सिलेबस और रटंत-आधारित प्रश्नों पर टिकी है, जबकि कक्षा में बच्चे डिजिटल टूल्स, प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अपेक्षा करते हैं। कई अनुभवी शिक्षक जो रोज़ कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, वे लिखित परीक्षा में असफल हो रहे हैं, क्योंकि उनका कौशल अब पेपर टेस्ट में नहीं, बल्कि वास्तविक शिक्षण में नजर आता है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षक प्रमाणीकरण को लचीला और बहु-आयामी बना दिया है। अमेरिका में नेशनल बोर्ड सर्टिफिकेशन, फिनलैंड में पोर्टफोलियो मूल्यांकन और सिंगापुर में परफार्मेंस बेस्ड असेस्मेंट जैसे मॉडल सफलतापूर्वक चल रहे हैं। भारत में भी निष्ठा, दीक्षा और एनसीईआरटी के मौजूदा ढांचे का उपयोग कर एक हाइब्रिड प्रमाणीकरण प्रणाली बनाई जा सकती है, जिसमें लिखित परीक्षा का वेटेज सिर्फ 30-40 प्रतिशत हो और बाकी कक्षा-प्रदर्शन, सहकर्मी समीक्षा तथा छात्र फीडबैक पर आधारित हो, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा और शिक्षकों के साथ भी न्याय होगा।

दूसरी तरफ शिक्षा की गुणवत्ता पर गहरा सवाल खड़ा होता है। टीईटी का मकसद सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि बाल मनोविज्ञान, शिक्षण शास्त्र और विषय की बुनियादी समझ जांचना था। यदि अनुभव के नाम पर इसे पूरी तरह हटा दिया गया तो 15-20 साल पुरानी डिग्री या प्रशिक्षण आज भी प्रासंगिक है, कैसे हो सकती है? खासकर तब जब एनईपी-2020 खुद निरंतर प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर जोर दे रही है। एक तरफ हम विकसित शिक्षा नीति एवं विकसित भारत का सपना देख रहे है, दूसरी तरफ समय के साथ गुणवतापूर्ण न्यूनतम मानक को ही ढीला करने को तैयार हैं।

सोचने वाली बात यह है कि समस्या टीईटी से नहीं, बल्कि उसके कठोर एवं एकमात्र मानदंड के रूप में प्रयोग में है। इसका समाधान लिखित टेट में छूट नहीं, बल्कि अनुभवी शिक्षकों के लिए एक अलग 'अनुभवी शिक्षक प्रमाणीकरण कार्यक्रम' शुरू करना हो सकता है।

युद्ध के नए फ्रंट पर टिकी निगाह

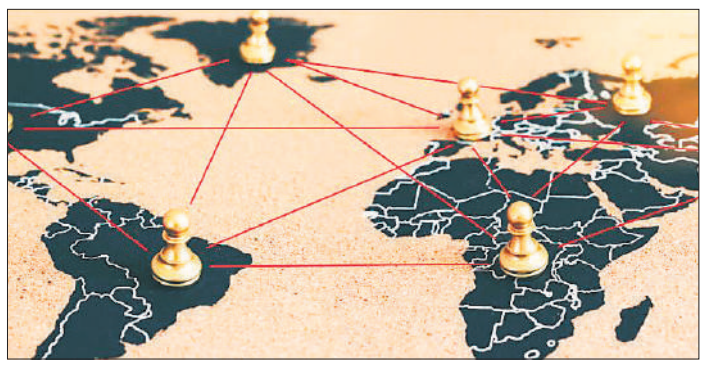

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी, टैरिफ वार की नीति से तंग भारत, रूस और चीन के व्यापार को लेकर त्रिगुट बनाने के साथ ही जियो पॉलिटिक्स में तेजी से बदलाव होने लगा है। युक्रेन से युद्ध में उलझे रूस को लगातार धमकियां दे रहे अमेरिका को भी अब अपनी नीति में बदलाव को मजबूर होना पड़ा है। अप्रत्याशित रूप से अमेरिका ने जहां अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी) में बदलाव करते हुए रूस को खतरे के तौर पर न देखने का निर्णय लिया, वहीं भारत को भरोसेमंद सहयोगी बताने को मजबूर हो गया। रूस और अमेरिका में तनाव तो कम हुआ, लेकिन चीन-जापान, थाईलैंड-कंबोडिया और पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तनाव से पूरी दुनिया चिंतित है, क्योंकि ये देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। अगर युद्ध के नए फ्रंट खुलते हैं, तो जनहानि तो होगी ही भारत समेत कई देशों की अर्थव्यवस्था पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा।

2014 में क्रीमिया को रूस में मिलाने और 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से ही अमेरिका प्रशासन रूस को खतरा मानता चला आ रहा है। युक्रेन-रूस युद्ध रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार रूसी राष्ट्रपति को बर्बाद करने की धमकियां देते आ रहे हैं। अमेरिका ने रूस पर टैरिफ तो नहीं लगाया था, लेकिन भारत और चीन पर भारी भरकम टैरिफ लगाया। टैरिफ के दम पर ही उसने अपने मित्र राष्ट्र जापान को भी झुकने को मजबूर किया। भारत, ब्राजील और चीन ने अमेरिकी टैरिफ के आगे झुकने से इंकार किया। अब भी ये देश तनकर खड़े हैं।

अमेरिका से व्यापार में आई दिक्कत को ध्यान में रखकर नया बाजार भी तलाश रहे हैं और इस घाटे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के बाद अचानक अमेरिका के रुख में परिवर्तन आया है। रूस-भारत की गहरी होती दोस्ती को देखते हुए अमेरिका के सुर दोनों देशों के प्रति बदल गए हैं और उसके रवैये में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जल्द ही भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता भी होने के संकेत मिलने लगे हैं।

रूस-भारत की गहरी होती दोस्ती को देखते हुए अमेरिका के सुर दोनों देशों के प्रति बदल गए हैं। उसके रवैये में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

एक फ्रंट से आई खुशी की खबर तो राहत देने वाली है, लेकिन पड़ोस में अशांति से चिंतित होना स्वाभाविक है। ताइवान पर चीन के संभावित हमले को ध्यान में रखकर ही जापान की प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों संसद में बयान दिया था और कहा था कि इस युद्ध में वह भी चीन के विरुद्ध खड़ा होगा। इससे चीन चिढ़ा हुआ है और युद्ध की धमकियां भी दे रहा है। जापान के रक्षा मंत्रालय लगातार दावा कर रहा है कि चीन की नौसेना का एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग जापान के पास देखा गया। चीन वहां अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है। इससे जापान चिंतित है और उसने भी ओकिनावा के पास प्रशांत महासागर में लड़ाकू विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास करके चीन को बता दिया है कि वह हर खतरे से निपटने को तैयार है।

जापान का आरोप है कि चीनी लड़ाकू विमानों ने उसके सैन्य एयरक्राफ्ट पर फायर कंट्रोल रडार लॉक किया, जो सीधे संभावित मिसाइल अटैक की चेतावनी माना जाता है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने इसे अपनी रक्षात्मक नीति बताया है। दोनों देशों के बीच संभावित युद्ध के खतरे से दुनिया का चिंतित होना स्वाभाविक है। चीन के जापान पर बढ़ते दबाव पर अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि देशों की निगाह है। अगर यह युद्ध छिड़ता है, तो इसका सीधा नकारात्मक असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा, क्योंकि इससे समुद्री मार्ग से व्यापार प्रभावित होगा।

जापान से युद्ध छिड़ने का मतलब है कि ताइवान से भी युद्ध छिड़ जाएगा। उधर, थाइलैंड द्वारा कंबोडिया पर की गई एयरस्ट्राइक से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। कंबोडिया की सेना कभी भी इसका जवाब दे सकती है। पूर्व में छिड़े युद्ध का अमेरिका ने समाधान करा दिया था, लेकिन अब दोनों देश फिर आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्पादों का निर्यात प्रभावित होगा, वहां से जिन उत्पादों का आयात होता है, उनके आवागमन में रुकावट आएगी। ऐसी स्थिति में वे महंगे होंगे। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान से तनाव के कारण अपने व्यापारिक रिश्ते खत्म कर दिए हैं।

भारत से अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कवायद तेज कर दी है। अब पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति पुनः बन रही है। पाकिस्तान अक्सर अफगानिस्तान की सीमा में बमबारी कर देता है। इससे बेगुनाह नागरिकों की मौत होती है। इसका जवाब देने को अफगान तालिबान तैयार है। पाकिस्तान बार-बार तहरीके तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों को संरक्षण देने का आरोप तालिबान सरकार पर लगाता है। तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। ऐसे में पाकिस्तान एयर स्ट्राइक करके अफगानिस्तान के नागरिकों को मौत की नींद सुला देता है। ऐसे में दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। अगर युद्ध होगा तो इसका असर भारत-अफगानिस्तान के बीच होने वाले कारोबार पर सीधा-सीधा पड़ेगा। साथ ही बेगुनाह नागरिकों की मौत भी होगी।

भारत के जो प्रोजेक्ट अफगानिस्तान में प्रगति पर हैं, उन पर भी सीधा असर पड़ेगा। ऐसे में भारत सरकार की निगाह भी चीन-जापान-ताइवान, पाकिस्तान-अफगानिस्तान और कंबोडिया-थाइलैंड के बीच तनाव पर लगी हुई है। एशियाई देशों में युद्ध जैसे हालात तो हैं ही, अमेरिका और वेनेजुएला के बीच भी युद्ध कभी भी छिड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति को धमकी दे चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि युद्ध कभी भी छिड़ सकता है।

आमने सामने

चुनाव आयोग को वोट बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए, जिससे वोट बढ़े। इसके उलट देखा जा रहा है कि यूपी में करीब तीन करोड़ वोट कटने जा रहा है। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर साजिश कर रहे हैं कि जहां-जहां भाजपा हारी है, वहां-वहां वोट काट दें। यह लोकतंत्र के खिलाफ षड्यंत्र है।
-अखिलेश यादव, सपा मुखिया

अगर अखिलेश सरकार में रहते कुछ काम करते तो जनता उन्हें सत्ता से बाहर नहीं करती। आज यूपी का मॉडल अन्य राज्य अपना रहे हैं, जबकि अखिलेश के राज में राज्य केवल दंगाग्रस्त था। कानून-व्यवस्था भाषणों से नहीं, कार्रवाई से सुधरती है।
-सुरेश खन्ना
मंत्री, उत्तर प्रदेश

दिल्ली की दूषित हवा से अर्थव्यवस्था पर भी संकट

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दिल्ली की हवा अब केवल सांस लेने का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह लोगों की सेहत और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी है। हर साल अक्टूबर से फरवरी के बीच राजधानी जहरीले धुएं की मोटी चादर में ढक जाती है। कई दिनों तक दिल्ली का AQI 350 से 450 के बीच बना रहता है, जबकि सुरक्षित स्तर 50 से नीचे माना जाता है। कुछ इलाकों में यह 500 के पार भी पहुंच जाता है, जो सीधे 'गंभीर आपात स्थिति' मानी जाती है। इस स्तर की हवा में कुछ घंटे भी रहना फेफड़ों और दिल के लिए खतरनाक हो सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है। हर सर्दी में सांस, दमा, सीओपीडी, दिल के दौरे और स्ट्रोक के मरीजों की संख्या 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। अकेले दिल्ली में हर साल करीब 55 से 60 हजार समय से पहले मौतों का एक बड़ा कारण वायु प्रदूषण बनता जा रहा है। यह एक स्वास्थ्य संकट के साथ-साथ एक बड़ा आर्थिक संकट भी है।

दिल्ली के परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। एक सामान्य सांस के मरीज का सालाना इलाज खर्च 12,000 से 25,000 रुपये तक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मरीजों का खर्च इससे कई गुना अधिक होता है। हर साल दिल्ली में प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों पर करीब 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये केवल इलाज पर खर्च हो जाते हैं। इसमें अस्पताल का खर्च, दवाइयां, जांच, ऑक्सीजन सपोर्ट और घरेलू उपचार सब शामिल हैं। मध्यम और गरीब वर्ग के लिए यह खर्च उनकी साल भर की बचत खत्म कर देता है। कई परिवार कर्ज लेकर इलाज करवाने को मजबूर हो रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, क्योंकि प्रदूषण के कारण केवल एक सीजन में ही औसतन 10 से 15 स्कूल दिवस बर्बाद हो जाते हैं। इससे भविष्य की कार्यशक्ति कमजोर होती है, जिसका आर्थिक नुकसान आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा।

खराब हवा का असर काम करने की क्षमता पर भी सीधा पड़ रहा है। जब AQI 300 से ऊपर जाता है, तो दफ्तरों में कर्मचारियों की उत्पादकता 10 से 15 प्रतिशत तक गिर जाती है। लगातार सिर दर्द, थकान, आंखों में जलन और सांस फूलने के कारण लोग पूरे मन से काम नहीं कर पाते। दिल्ली देश का सबसे बड़ा सेवा और कारोबार केंद्र है। केवल IT, बैंकिंग, बीमा, सरकारी दफ्तर और कॉरपोरेट सेक्टर में ही रोजाना करीब 50 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। अगर इनमें से बड़ी आबादी आधी क्षमता से भी काम करे, तो हर साल हजारों करोड़ रुपये की उत्पादकता का नुकसान होता है। अनुमान है कि खराब हवा के कारण केवल कार्यक्षमता में कमी से ही दिल्ली को सालाना लगभग 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

खराब हवा के कारण केवल कार्यक्षमता में कमी से ही दिल्ली को सालाना लगभग 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

निर्माण और छोटे उद्योगों पर प्रदूषण की मार और भी सीधी है। जब AQI 400 के पार जाता है, तो GRAP के तहत निर्माण कार्य बंद कर दिए जाते हैं। हर साल औसतन 15 से 25 दिन निर्माण गतिविधियां ठप रहती हैं। दिल्ली-एनसीआर में रोज निर्माण क्षेत्र से करीब 800 से 1,000 करोड़ रुपये का कारोबार जुड़ा होता है। ऐसे में केवल निर्माण पर ही हर साल 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये तक का सीधा नुकसान होता है। इसके साथ ही ट्रक प्रतिबंध, डीजल वाहनों पर रोक और फैक्ट्रियों की बंदी से लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी भारी क्षति होती है। छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और ढाबों की बिक्री 30 से 40 प्रतिशत तक गिर जाती है।

पर्यटन और होटल उद्योग भी इस प्रदूषण संकट से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सर्दियों में दिल्ली का टूरिस्ट सीजन चरम पर होता था, लेकिन अब कई विदेशी और घरेलू पर्यटक अपनी यात्रा टाल देते हैं। खराब दृश्यता के कारण फ्लाइट्स और ट्रेनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। अनुमान है कि स्मॉग सीजन के दौरान होटल और पर्यटन उद्योग का कारोबार औसतन 25 से 30 प्रतिशत तक घट जाता है। इससे होटल, टैक्सी, रेस्टोरेंट, टूर गाइड और स्मारकों से जुड़े हजारों लोगों की आय पर सीधा असर पड़ता है। केवल इस सेक्टर में ही सालाना 3,000 से 5,000 करोड़ रुपये की कमाई प्रभावित हो रही है। बीमा उद्योग पर भी प्रदूषण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सांस और दिल से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते मामलों के कारण दिल्ली-एनसीआर में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पिछले कुछ वर्षों में औसतन 10-15% तक बढ़ चुका है। कंपनियों के लिए क्लेम का जोखिम बढ़ रहा है व लोगों के लिए बीमा लेना महंगा होता जा रहा है।

रियल एस्टेट और निवेश के क्षेत्र में भी हवा की गुणवत्ता अब एक बड़ा फैक्टर बन गई है, जिन इलाकों में AQI तुलनात्मक रूप से कम रहता है और हरियाली ज्यादा है, वहां मकानों की कीमतें 10 से 20 प्रतिशत तक ज्यादा देखी जा रही हैं। बड़ी कंपनियां भी अब अपने निवेश और कार्यालय के लिए ऐसे शहर चुन रही हैं, जहां हवा बेहतर हो। अगर दिल्ली की प्रदूषित छवि बनी रही, तो आने वाले वर्षों में निवेश का बड़ा हिस्सा अन्य शहरों की ओर शिफ्ट होने की आशंका बढ़ती जाएगी, जिससे दिल्ली की आर्थिक रफ्तार पर सीधा असर पड़ेगा।

सोशल फोरम

छवियों की गिरफ्त और नार्सिसस की कहानी

आजकल हरदम फोटो खींचने और सहेज लेने का एक नशा सा हो चला है। लोग कहीं भी जाते हैं, उस पल को जीते नहीं हैं, उसे पकड़ लेना चाहते हैं। यहां तक की पूजा और श्मशान जैसी जगहों पर भी, जिंदगी को महसूस करने की जगह उसे जमा करना चाहते हैं। यह आदत कभी-कभी एक पुरानी ग्रीक कहानी याद दिलाती है, जिसे ओविड ने मेटामोर्फ़ोज़ में दर्ज की थी, कहानी है नार्सिसस की।

प्रदीप चौधरी
चिकित्सक

वह एक लड़का था, बेहद सुंदर, लोग उसे देखकर ठहर जाते थे, लेकिन उसके भीतर एक अजीब सा खालीपन था, वह किसी पर ध्यान नहीं देता था, किसी की भावना को लौटाता नहीं था। एक दिन वह जंगल में घूमते हुए एक शांत जलाशय तक पहुंचा। पानी बिल्कुल स्थिर था, जैसे समय रुक गया हो। नार्सिसस ने जैसे ही झुककर देखा, उसे अपनी ही छवि दिखाई दी, पर वह समझ नहीं पाया कि सामने उसका प्रतिबिंब है। वह उस सुंदर चेहरे पर मोहित हो गया। वह बार-बार उसे छूने की कोशिश करता, पानी हिल जाता और चेहरा टूट जाता। फिर वह झुकता, फिर वही आकर्षण। धीरे-धीरे उसके भीतर की भूख, प्यास, सब धुंधली हो गईं। वह वहीं बैठा रह गया, क्योंकि उसे लगा कि जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा उसी पानी में है। अंत में वह वहीं मर गया और उसकी जगह एक फूल उग आया, जिसे आज भी नार्सिसस कहते हैं।

यह कहानी केवल एक सुंदर लड़के की मृत्यु की कथा नहीं है। यह उस मानसिक पैटर्न की कहानी है, जिसमें मनुष्य अपनी ही छवि की गिरफ्त में आ जाता है। वह अपनी पहचान, अपनी भावनाओं, अपने संबंधों को बाहरी चमक के मुकाबले कम आंकने लगता है।

आज की दुनिया में यह कहानी और भी समझ आती है। हम अपनी छवि को लेकर जितने सतर्क हो गए हैं, उतने शायद किसी युग में नहीं थे। हर मुस्कान फोटो में ढल जाती है, हर जगह हम कैमरे की नजर से गुजरकर ही जीवित रहते हैं। जैसे हमारी उपस्थिति तभी मान्य होती है, जब वह एक स्क्रीन के लिए उपयुक्त हो। नार्सिसस की असली गलती यह थी कि उसने प्रतिबिंब को वास्तविकता समझ लिया। हमारे समय में भी यही खतरा सबसे गहरा है। जब दिखना, होना बन जाता है, जब चमक, सत्य को पीछे छोड़ देती है, जब हम अपने ही बनाए फ्रेम का हिस्सा बन जाते हैं, तब मन धीरे धीरे अपने भीतर की आवाज खो देता हैं।

सामयिकी

ड्रग तस्करों के खिलाफ राज्यों की साझा पहल

देश के लगभग हर राज्य में नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना, इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे के लिए पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

बीते दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था।

यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं।

यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है, बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबला डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्राज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि चंडीगढ़ में आयोजित सेमिनार के निष्कर्ष राज्य व केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया, ताकि साझी रणनीति तय की जा सके। दरअसल, हाल के दिनों में पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने देश की चिंता बढ़ाई है।

सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। संकट का एक पहलू यह भी है कि सीमावर्ती जिलों में किशोरों को नशे की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब सरकार के विशेष अभियान के दौरान भी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। अनेक तस्कर व दोहरी भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों तक भी कानून के हाथ पहुंचे हैं, लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है। उम्मीद है कि सात राज्यों के सामूहिक प्रयास से नशे और नकली दवाइयों के कारोबार पर अंकुश लगेगा और प्रभावी कार्रवाई हो पाएगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बरेली में थार प्रेमियों ने शहर में एक अनोखा क्लब 'थारिएंस क्लब बरेली' बनाया है। यह क्लब न केवल थार मालिकों को एक मंच देता है, बल्कि शहर में सामाजिक सरोकारों के लिए अपनी पहचान भी बना रहा है। क्लब में फिलहाल 30 सक्रिय थार संचालक सदस्य जुड़े हुए हैं। इनमें (डाक्टर, सीए और उद्यमी) शामिल हैं।

-महिपाल गंगवार, बरेली

थारिएंस क्लब में महिलाएं भी हैं खूब सक्रिय

क्लब के सचिव सुबोध भारद्वाज बताते हैं कि क्लब में कई महिलाएं सदस्य भी सक्रिय हैं, जो थार खुद चलाती हैं और ऑफ-रोडिंग इवेंट्स में अपना हुनर दिखाती हैं। इससे क्लब का दायरा सिर्फ पुरुषों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह परिवारों के लिए एक सकारात्मक और सुरक्षित मंच बन गया है। वह बताते हैं कि थारिएंस क्लब के सदस्यों का मानना है कि थार ने उन्हें एक नए समुदाय से जोड़ा है। पहले वे सिर्फ गाड़ी तक सीमित थे, लेकिन क्लब से जुड़ने के बाद उन्हें समाजसेवा, नई जगहें देखने और समान विचारधारा वाले लोगों से मिलने का मौका मिला।

थार के शौक को सिर्फ घूमने-फिरने तक सीमित न रखें

थार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजीव खुराना बताते हैं कि यह क्लब केवल शौक के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए बनाया गया है। उनके अनुसार हम चाहते थे कि थार के शौक को सिर्फ घूमने-फिरने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक जिम्मेदारी से भी जोड़ा जाए। थारिएंस क्लब उतराखंड में नदी वाले स्थानों पर राइडिंग के साथ हर 15 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकालने के साथ-साथ समय पर जलसंरक्षण आदि को लेकर सामाजिक अभियान चलाता है, जिसमें सभी 30 थारें एक साथ निकलती हैं।

बरेलियंस का नया टशन
थारिएंस क्लब

बरेली शहर में अब तक 450 से अधिक बिक चुकी हैं थार

स्थानीय डीलरों के अनुसार बरेली में महिंद्रा थार की ऑन-रोड कीमतें वेरिएंट के हिसाब से 15.5 लाख रुपये से 21 लाख रुपये तक जाती हैं, जबकि टॉप मॉडल की कीमत 22 लाख रुपये के करीब पड़ती है। शहर में थार के लॉन्च होने के बाद से अब तक लगभग 450 से अधिक थारें बिक चुकी हैं, जो युवाओं की पसंद का मजबूत संकेत देती हैं। मजेदार बात यह भी है कि थार खरीदने वाले कई युवा पहले से एसयूवी चला रहे थे, लेकिन जब से थार गाड़ी लांच हुई लोग इसे सिर्फ गाड़ी नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल मान रहे हैं। खासकर वीकेंड पर यह गाड़ी बरेली के आसपास के हिल स्पॉट्स या नदी किनारे ऑफ-रोडिंग के लिए खूब दिखाई देती है। शहर में शादी-ब्याह के अवसर हों या किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी, थार का प्रवेश ही माहौल को अलग बना देता है।

इसलिए बढ़ी थार की लोकप्रियता

थार की लोकप्रियता के पीछे इसके मजबूती और विशेषताएं सबसे बड़ा कारण हैं। मूसाराम इंटरप्राइजेज के प्रबंध निदेशक दिनेश अग्रवाल बताते हैं कि थार में वह सब कुछ है, जो भारतीय सड़क और कठिन रास्तों के लिए जरूरी है। इसका पेट्रोल और डीजल इंजन न केवल दमदार पावर देते हैं, बल्कि हर तरह के रास्ते पर कमाल का परफॉर्मेंस दिखाते हैं। थार को खास इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह सिर्फ शहर की गाड़ी नहीं है, बल्कि पहाड़, रेगिस्तान, कीचड़-हर जगह अपनी पकड़ बनाए रखती है। यही नहीं थार का ग्राउंड क्लीयरेंस, चार बाई चार ड्राइव, वॉटर वेडिंग क्षमता और टॉर्क इसे अपनी श्रेणी की अन्य एसयूवी से आगे रखते हैं। इसलिए थार सिर्फ युवा ही नहीं, परिवारों में भी पसंद की जा रही है।

मॉय फर्स्ट राइड

हॉर्न, ब्रेक और हौसलों के बीच मेरा सफर

मैंने जब पहली बार कार चलाना सीखने का निर्णय लिया, तो मन में उत्साह के साथ-साथ डर भी था। बचपन से ही कार चलाते हुए लोगों को देखकर लगता था कि यह कोई बहुत कठिन काम है, जो शायद मेरे बस का नहीं। घर में अक्सर यही सुनने को मिलता था-"तुमसे नहीं होगा", "यह काम पुरुषों का है" या "ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ही ठीक हैं।" लेकिन कहीं न कहीं मन में यह इच्छा थी कि मैं भी आत्मनिर्भर बनूं और बिना किसी पर निर्भर हुए खुद गाड़ी चला सकूं।

यह इच्छा मैंने डरते-डरते अपने पति को बताई, तो उन्होंने दो मिनट सोचकर कहा ठीक है, कल सुबह से तुम्हारी कार की क्लास शुरू होगी। पहले दिन जब मैं ड्राइविंग स्कूल पहुंची, तो दिल तेज-तेज धड़क रहा था। इंस्ट्रक्टर ने जब कार की सीट पर बैठने को कहा, तो हाथ-पैर जैसे सुन्न हो गए। स्टेयरिंग पकड़ते ही लगा कि मैं किसी बड़ी जिम्मेदारी को थाम रही हूं। क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर तीनों को समझना अपने-आप में एक चुनौती था। शुरुआत में कार बार-बार बंद हो जाती थी और पीछे से हॉर्न की आवाजें आत्मविश्वास को और डगमगा देती थीं।

सबसे मुश्किल था सड़क का डर। सामने से आती गाड़ियां, अचानक मोड़ लेते वाहन और पैदल चलते लोग सब कुछ मुझे घबराहट में डाल देता था। कई बार लगा कि शायद मैं यह सीख ही नहीं पाऊंगी। एक दिन तो गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेरेटर दब गया और इंस्ट्रक्टर को तुरंत कंट्रोल संभालना पड़ा। उस दिन घर आकर मैंने खुद से कहा "बस, अब नहीं।" पर अगले ही पल मन ने समझाया कि डर से भागने से कुछ हासिल नहीं होगा। धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ता गया। रोज सुबह थोड़ा जल्दी उठकर ड्राइविंग क्लास के लिए जाना अब मेरी दिनचर्या का हिस्सा बन गया। इंस्ट्रक्टर की सीख और खुद पर भरोसा दोनों ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। अब कार कम बंद होती थी और गियर बदलते समय हाथ नहीं कांपते थे। जब पहली बार मैंने बिना किसी मदद के कार स्टार्ट की और कुछ दूरी तक सही तरीके से चला पाई, तो वह खुशी शब्दों में बयान करना मुश्किल है।

कार सीखने का सबसे बड़ा सबक यह था कि सड़क पर धैर्य सबसे जरूरी है। जल्दीबाजी या घबराहट दोनों ही नुकसानदेह हैं। मैंने सीखा कि दूसरों की गलती पर भी संयम बनाए रखना जरूरी है। कई बार पुरुष ड्राइवर ताने मारते या मजाक उड़ाते, लेकिन मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। धीरे-धीरे मैं समझने लगी कि आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा हथियार है। जिस दिन मैंने ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट पास किया, उस दिन मेरी आंखों में खुशी के आंसू थे। यह सिर्फ एक लाइसेंस नहीं था, बल्कि मेरी आजादी की चाबी थी। अब मैं बच्चों को स्कूल छोड़ने, बाजार जाने या अचानक किसी काम से बाहर निकलने के लिए किसी पर निर्भर नहीं थी। परिवार वालों का नजरिया भी बदल गया। वही लोग, जो पहले मना करते थे, अब गर्व से कहते हैं- "हमारी बेटी बहुत अच्छी ड्राइवर है।"

आज जब मैं खुद कार चलाकर सड़क पर निकलती हूं, तो महसूस होता है कि यह सिर्फ ड्राइविंग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का अनुभव है। कार सीखना मेरे लिए एक कौशल ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, साहस और खुद पर भरोसा करने की सीख भी था। हर महिला को यह अनुभव जरूर लेना चाहिए, क्योंकि जब हम डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ते हैं, तभी हमें अपनी असली ताकत का एहसास होता है।

-डॉ. आरती मोहन
कानपुर

सर्दियों में टायर प्रेशर का रखें ध्यान

यदि आप दोपहिया या कार के मालिक हैं और आपको महसूस हो रहा है कि कड़ाके की इस सर्दी में आपकी गाड़ी के टायरों की हवा कुछ कम हो गई है, तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा होना तापमान में गिरावट के कारण बिल्कुल सामान्य प्रक्रिया है। ठंड के मौसम में टायर सिकुड़ने लगते हैं, जिसके कारण उनके भीतर का एयर प्रेशर घट सकता है, लेकिन टायर प्रेशर को नजरअंदाज करना सही नहीं है, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव कार या दोपहिया वाहन के संतुलन, सुरक्षा और माइलेज पर पड़ता है। सर्दियों में गाड़ी के टायर का प्रेशर कम न हो, इसके पीछे के सामान्य कारणों और उनसे बचने के आसान उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

टायर प्रेशर घटने का वैज्ञानिक कारण

सर्दी बढ़ने पर टायर अचानक लीक नहीं होने लगते, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण होता है। कम तापमान में हवा के कणों की गति धीमी हो जाती है और वे कम स्थान घेरते हैं। इसी वजह से जैसे-जैसे तापमान घटता है, टायर के अंदर का प्रेशर भी कम होने लगता है। माना जाता है कि हर 10 डिग्री सेल्सियस तापमान गिरने पर टायर का एयर प्रेशर लगभग 1 पीएसआई (पाउंड प्रति वर्ग इंच) तक घट सकता है।

टायर की रबर का सख्त होना

सर्दियों में टायर की रबर सामान्य से थोड़ा सख्त हो जाती है। इससे टायर की हवा कम नहीं होती, जिससे रबर की लचक घटने से सील वाले हिस्से उतने प्रभावी नहीं रह जाते। यदि टायर में पहले से कहीं मामूली सी लीकेज मौजूद है, तो सर्दियों में हवा का प्रेशर गिरना ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस होने लगता है।

सुरक्षा के लिए उपाय

- **नियमित जांच रखें, सुरक्षा बढ़ाएं-** टायर प्रेशर की नियमित जांच करना बेहद जरूरी है। महीने में कम से कम एक बार और लंबी यात्रा पर निकलने से पहले टायर का प्रेशर अवश्य जांच लें। इसके लिए वाहन में एक पोर्टेबल टायर प्रेशर गेज रखना उपयोगी होता है, जिससे आप स्वयं आसानी से टायर की हवा चेक कर सकते हैं।
- **सही टायर प्रेशर रखें -** टायर में हमेशा वही हवा भरवानी चाहिए, जो वाहन निर्माता कंपनी के मानक हैं। इसकी जानकारी आमतौर पर गाड़ी के ऑनर मैनुअल में या ड्राइवर साइड के दरवाजे के अंदर लगे स्टिकर पर आसानी से मिल जाती है।
- **टेम्परेचर में बदलाव पर नजर रखें :** मौसम में होने वाले तापमान के उतार-चढ़ाव का टायर प्रेशर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए मौसम के बदलाव और आवश्यकता के अनुसार टायर की हवा को समय-समय पर जांचकर उसे एडजस्ट करते रहना चाहिए।
- **विंटर-ग्रेड टायर करें प्रयोग :** यदि आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं, जहां सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ती है, तो विंटर-ग्रेड टायर का उपयोग करना अधिक उपयुक्त होता है। ये टायर ठंडे मौसम में बेहतर पकड़ बनाए रखते हैं और वाहन की परफॉर्मेंस को भी बेहतर बनाते हैं।

योनो एप के उपयोगकर्ताओं को 20 करोड़ करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस सेठी ने कहा कि बैंक सोमवार को योनो एप का नया संस्करण पेश करने के साथ अगले दो वर्षों में इसके उपयोगकर्ता आधार को दोगुना कर 20 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य है। योनो 2.0 एक बड़ा अपग्रेड है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव देगा और बैंक के लिए एक मजबूत डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगा। इसकी सभी विशेषताएं 6–8 महीनों में चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9400–12000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000–8800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700–8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3100, मसूरी- 1000, बासमती- 5200, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 3400, साबुत चना दाल- 3100, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8700–12300, दाल उड़द- 6400, साबुत मसूर दाल- 4300, मसूर दाल- 3100, उड़द साबुत- 5000, काबुली चना- 9300, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 2200

कच्चे तेल के स्त्रोतों में विविधता लाना जरूरी

संसदीय समिति ने बढ़ती निर्भरता और भू-राजनीतिक जोखिमों को देश के लिए बड़ी चुनौतियां बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संसद में पेश रिपोर्ट में समिति ने कहा- भारत अपनी जरूरतों का 89% करता है आयात**

संसदीय समिति ने कच्चे तेल के आयात पर भारत की भारी निर्भरता और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों को देश के लिए बड़ी चुनौतियां बताते हुए सरकार से आपूर्ति स्रोतों में विविधता बढ़ाने और जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने का आग्रह किया है।

पिछले सप्ताह संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में लोक उपक्रम समिति ने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 89 प्रतिशत आयात करता है। इस वजह से देश संघर्ष, प्रतिबंध, तेल उत्पादक देशों में नागरिक अशांति और स्वेज नहर तथा लाल सागर जैसे प्रमुख पोत परिवहन मार्गों में व्यवधान जैसी वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी हालिया घटनाओं ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को उजागर किया है।

समिति ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और सरकारी तेल कंपनियों से कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों को भौगोलिक और अनुबंधीय दोनों स्तरों पर विविध बनाने की सिफारिश की है। समिति ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करने और वैकल्पिक आयात मार्ग विकसित करने पर भी जोर दिया।

कोयला खनन की मंजूरी प्रक्रिया बनाएं आसान

नई दिल्ली। संसदीय समिति ने भूमिगत कोयला खनन की अनुमति के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल अपनाने का सुझाव दिया है। समिति का कहना है कि बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी जटिल मंजूरी प्रक्रिया लागू किए जाने से कम पर्यावरणीय प्रभाव वाली परियोजनाओं में भी देरी होती है। सरकार ने 2030 तक भूमिगत कोयला खदानों से 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने रिपोर्ट में कहा कि भूमिगत कोयला खनन से सतह पर होने वाला व्यवधान न्यूनतम रहता है, जिससे भूमि, वन और बुनियादी ढांचे का संरक्षण होता है। इसके साथ ही भूमि पुनर्वास की लागत और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी आती है। यह पद्धति उच्च गुणवत्ता वाले गहरे कोयला भंडार तक पहुंच की अनुमति देती है और मौसम की परवाह किए बिना पूरे वर्ष संचालन सुनिश्चित करती है। कम पर्यावरणीय प्रभाव के बावजूद, कई भूमिगत परियोजनाओं को बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी ही मंजूरी और दस्तावेजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे परियोजनाओं में देरी होती है। इसलिए समिति ने भारत में भूमिगत कोयला खनन प्रथाओं के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर जोर दिया है। समिति ने खुले में खनन के लिए भी एकल-खिड़की मंजूरी प्रणाली के तहत मानक संदर्भ शर्तें (टीओआर) और मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) लागू करने की सिफारिश की है।

बजट 2026-27

निवेश-प्रेरित वृद्धि के लिए सीआईआई ने रखा सुधारों का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 12 और राज्यों को दी जाने वाली सहायता में 10% की वृद्धि की जाए**
- **सतत निवेश वृद्धि को बढ़ाने और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था में भारत को बनाए रखना उद्देश्य**

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आगामी आम बजट 2026-27 के लिए व्यापक सुधारों का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक, निजी और विदेशी निवेशों को शामिल करते हुए सतत निवेश वृद्धि को बढ़ावा देना और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की गति को बनाए रखना है।

सीआईआई ने सुझाव दिया कि वित्त वर्ष 2026-27 में केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 12 प्रतिशत और राज्यों को दी जाने वाली पूंजीगत व्यय सहायता में 10 प्रतिशत वृद्धि की जाए, इसके अलावा 2026-32 के लिए 150 लाख करोड़ की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) 2.0 शुरू की जाए, जिन कंपनियों ने महत्वपूर्ण नए निवेश, उत्पादन या कर योगदान के महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किए हैं, उन्हें अतिरिक्त कर रियायतें या अनुपालन में ढील दी जाए। इसमें यह भी कहा गया है कि त्वरित मूल्यह्रास लाभ को पुनः लागू किया जाए ताकि नए पूंजीगत व्यय और तकनीकी उन्नयन को और अधिक प्रोत्साहन दिया जा सके, विशेषकर लघु, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और विनिर्माण उद्योगों के लिए, बशर्ते कि यह उपाय ऐसा हो कि आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिले लेकिन न्यूनतम वैकल्पिक कर की देयता उत्पन्न न हो।

एसआईएफसी के गठन की भी सिफारिश

सीआईआई ने राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना निधि (एनआईआईएफ) को मजबूत करने का सुझाव दिया और इसके लिए एक संप्रभु निवेश रणनीति परिषद (एसआईएफसी) के गठन की भी सिफारिश की, ताकि निवेश राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हो सके। सीआईआई ने कहा कि आर्थिक चक्र आधारित सार्वजनिक ऋण ढांचे को अपनाकर वित्तीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकता है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि आगामी बजट 2026-27 को स्थिरीकरण और वृद्धि के दोनों भूमिकाओं को निभाना होगा और निवेश को बढ़ावा देना इसके सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक होगा।

सस्ते आयात से चिंतित तांबा उद्योग, 3% सुरक्षा शुल्क मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आईपीसीपीए ने कहा- एफटीए के तहत तांबे के सस्ते आयात से विनिर्माण को हो रहा नुकसान**

उद्योग निकाय आईपीसीपीए ने कहा कि कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तांबे के सस्ते आयात से भारतीय विनिर्माण को गंभीर रूप से नुकसान पहुंच रहा है। इसके साथ ही उसने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर सुरक्षा शुल्क लगाने और विदेशों से आने वाले आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध लागू करने की मांग की है।

इंडियन प्राइमरी कॉपर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईपीसीपीए) के अनुसार, शून्य शुल्क पर तांबे के आयात के चलते देश के घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है, जबकि आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए हाल के वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। आईपीसीपीए ने कहा कि एफटीए साझेदारों से शून्य शुल्क पर हो रहे आयात भारतीय स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग उद्योग को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं। उद्योग निकाय ने कहा कि तांबे की कुछ श्रेणियों के आयात पर तीन प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाना चाहिए। संगठन ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर भी चिंता जताई, जिसके तहत तांबे के वायर रॉड पर सीमा शुल्क 2025-26 में घटकर 1% रह गया है।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए व्यवहार में बदलाव आवश्यक: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए हर नागरिक में व्यवहारिक परिवर्तन बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के कार्यक्रम में कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल है। यही विचार लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट – लाइफ के माध्यम से पूरी दुनिया तक पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए हर क्षेत्र और हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए व्यवहार में बदलाव बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण सबसे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा का सबसे विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऊर्जा का बुद्धिमानी से, जिम्मेदारी से और कुशलता से उपयोग करना है।

उन्होंने कहा कि जब हम अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचते हैं, ऊर्जा-कुशल उपकरण अपनाते हैं, घरों और कार्यस्थलों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन का उपयोग करते हैं या सौर और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प अपनाते हैं, तो हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल स्रोत और संतुलित परिवेश बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

ऊर्जा संरक्षण समारोह में उपस्थित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

- **प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल**

पुराने फेरा मामलों को निपटाएगा ईडी

नई दिल्ली। ईडी ने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा) के तहत दर्ज मामलों को निपटाने का फैसला किया है। यह कानून 25 साल से अधिक पहले 1998 में खत्म हो गया था। 1973 के प्रावधानों से युक्त फेरा कानून की जगह 2000 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) ने लिया, जो दीवानी कानून है। जांच एजेंसी ने ऐसे 400-500 मामलों की पहचान की है, जिनमें फेरा के तहत विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों को तेजी से निपटाया जा सकता है।

राष्ट्रीय

साल्ट लेक पहुंचे राज्यपाल बोस, न्यायिक जांच की मांग

आयोजनों के प्रबंधन को एसओपी बनाने का बोस ने सरकार से किया आग्रह

कोलकाता, एजेंसी

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा-तफरी के एक दिन बाद रविवार को राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने स्टेडियम का दौरा कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्यपाल ने इस घटना की न्यायिक जांच की मांग की है।

बोस ने सरकार से भविष्य में इस तरह की घटनाओं के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को तैयार करने का भी आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल बोस ने मुख्य सचिव मनोज पंत और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ स्टेडियम के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अराजकता के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और आयोजक को दर्शकों को टिकट की कीमत तुरंत वापस करनी चाहिए।

कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार को आयोजित लियोनेल मेसी के फुटबॉल कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आयोजन स्थल पर मची अफरा-तफरी के बाद यह कार्रवाई की गई, जिससे अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी को मैदान छोड़कर समय से पहले ही लौटना पड़ा। बिधाननगर पुलिस ने स्टेडियम में मची अफरातफरी का स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्यक्रम के कुप्रबंधन के आरोप में दत्ता को कोलकाता हवाई अड्डे से ही गिरफ्तार किया जहां वह मेसी और उनके साथ शामिल अन्य को हैदराबाद जाते समय विदा करने गए थे।

बोस ने कहा कि वह कुछ पीड़ितों से बातचीत के बाद राज्य और केंद्र सरकारों को सिफारिशों सहित विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने विस्तृत जानकारी देने से इन्कार करते हुए कहा कि मेरी रिपोर्ट तैयार है और इसे सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दिया जाएगा। राज्यपाल ने शहर में सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल पर बल दिया, जिसमें दर्शकों के लिए बीमा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अन्य अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय शामिल हैं। बोस ने स्टेडियम का दौरा करने के बाद कहा कि जब निजी संस्थाओं को खेलों का व्यवसायीकरण करने और पैसा कमाने की अनुमति दी जाती है, तो जनता को इसका खामियाजा नहीं भुगतना चाहिए।

मेसी के कार्यक्रम में अराजकता

- **राज्यपाल ने मुख्य सचिव और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ साल्ट लेक स्टेडियम का किया दौरा**
- **बोले- अराजकता के लिए जिम्मेदारों को गिरफ्तार और आयोजक को दर्शकों का पैसा तुरंत लौटना चाहिए**

जांच समिति ने लिया नुकसान का जायजा

सॉल्ट लेक में मची अफरा-तफरी की जांच के लिए रविवार को समिति ने घटना स्थल का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। तीन सदस्यीय टीम ने टूटी कुर्सियों, मुड़े हुए धातु के अवरोधक और कूड़े से भरी गैलरी का जायजा लिया। कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशीष कुमार रे समिति का नेतृत्व कर रहे है। समिति ने स्टेडियम के अंदर उन स्थानों का जायजा लिया, जहां मेसी गए। मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती सहित समिति ने प्रवेश गलियारों, सुरक्षा व्यवस्थाओं और आसपास की दीर्घाओं का निरीक्षण किया।

राज्यपाल को शनिवार को स्टेडियम में जाने से गया था रोका

कार्यक्रम में फैली अराजकता के कुछ घंटों बाद शनिवार शाम को राज्यपाल को सॉल्ट लेक स्टेडियम में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। राज्यपाल जब वहां पहुंचे तो स्टेडियम के गेट बंद थे और लाइटें भी बंद थीं। राज्यपाल ने आरोप लगाया था कि यह कदम उनके प्रवेश को रोकने के लिए उठाया गया था और उन्होंने इस संबंध में स्पष्टीकरण की मांग की थी। बोस ने स्टेडियम में हुई घटना को कोलकाता के खेल प्रेमियों के लिए काला दिन करार दिया था।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के दिए थे आदेश

घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए और दिग्गज खिलाड़ी को देखने से वंचित रह गए लोगों से माफी मांगी। फुटबॉल के दीवानों के लिए जो सबसे सुखद अनुभव हो सकता था, वह बुरी याद में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च करके टिकट खरीदने के बावजूद इस दिग्गज की झलक नहीं मिल पाने से निराश प्रशंसकों ने स्टेडियम में तोड़फोड़ की। मेसी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी पहली उपस्थिति थी, लेकिन उनका यह दौरा अव्यवस्था का शिकार हो गया। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया।

मुख्य आयोजक 14 दिन की पुलिस हिरासत में

कोलकाता की अदालत ने कार्यक्रम के दौरान फैली अराजकता के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। सतद्रु दत्ता को पुलिस ने शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया था।

प्रौद्योगिकी मनुष्य की क्षमता बढ़ाए, न कि जगह ले : सीजेआई सूर्यकांत

कटक। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि प्रौद्योगिकी को मानवीय निर्णय क्षमता को बढ़ाना चाहिए, न कि उसका स्थान लेना चाहिए। सीजेआई यहां आम आदमी के लिए न्याय सुनिश्चित करना: मुकदमेबाजी की लागत और देरी को कम करने की रणनीतियां विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

- **बोले- लंबित मामलों से न्यायिक संरचना के हर स्तर पर बाधा उत्पन्न होती है**

उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों से न्यायिक संरचना के हर स्तर पर, अधीनस्थ न्यायालय से लेकर संवैधानिक अदालत तक, बाधा उत्पन्न होती है। जब शीर्ष स्तर पर बाधा उत्पन्न होती है, तो नीचे दबाव और भी बढ़ जाता है। सीजेआई सूर्यकांत ने लंबित मामलों को कम करने के लिए न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि पर्याप्त अदालतों के बिना ईमानदार न्यायिक प्रणाली भी अवसंरचना संबंधी दबाव के कारण ध्वस्त हो जाएगी। कोविड के दौरान प्रौद्योगिकी बहुत उपयोगी साबित हुई। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रौद्योगिकी के अपने नकारात्मक पहलू भी हैं।

सत्य के साथ मोदी को हराएंगे : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और निर्वाचन आयोग पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्य के साथ खड़े होकर प्रधानमंत्री मोदी और 'आरएसएस की सरकार' को देश की सत्ता से हटाएगी। राहुल ने रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली को संबोधित करते हुए यह आरोप भी दोहराया कि निर्वाचन आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है।

राहुल गांधी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का हवाला देते हुए कहा, भागवत ने कहा कि विश्व सत्य को नहीं शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है उसे माना जाता है। यह विचारधारा आरएसएस की है। हमारी विचारधारा, हिंदुस्तान की विचारधारा, हिंदू धर्म की विचारधारा और सभी धर्मों की विचारधारा कहती है कि सत्य सबसे जरूरी हैं। भागवत कहते हैं कि सत्य का मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है।

दिल्ली में आयोजित रैली के दौरान लोगों का अभिवादन करते राहुल गांधी।

- **रैली में निर्वाचन आयुक्तों को दी चेतावनी- बदलेंगे कानून, आपके खिलाफ करेंगे कार्रवाई**

उन्होंने कहा, सत्य और असत्य के बीच लड़ाई है। हम सत्य के साथ खड़े होकर नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस सरकार को हटाएंगे। भागवत ने शनिवार को अंडमान में विराट हिंदू सम्मेलन समिति में कहा था कि वर्तमान में वैश्विक मान्यता को आकार देने में सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है।

भाजपा ने कहा- घुसपैठियों को बचाना चाहती है कांग्रेस

भाजपा ने 'वोट चोरी' के मुद्दे पर रैली से पहले रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित कर रही है ताकि घुसपैठियों को मतदाता सूची से हटाए जाने से बचाया जा सके। भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस लोगों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने की कोशिश में सफल नहीं होगी, क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि भारत का लोकतंत्र बहुत मजबूत है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस यह रैली ऐसे समय में कर रही है, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर हुई बहस में विपक्ष के गढ़े हुए आरोपों का बिंदुवार खंडन करके उन्हें बेनकाब कर दिया है। पात्रा ने कहा, सच आपके साथ नहीं है, फिर भी आप भ्रम का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कश्मीर में बर्फबारी, तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर क्षेत्र के ऊंचे इलाकों में कई स्थानों पर रात भर बर्फबारी हुई, जिसके कारण दिसंबर में पहली बार रात का तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-द्रास मार्ग पर स्थित जोजिला दर्रा, मिनामार्ग और बालटाल में बर्फबारी हुई है।

उन्होंने बताया कि बांदीपुरा जिले की गुरेज घाटी में स्थित तुलैल में भी हिमपात की सूचना मिली है। इस दिसंबर में पहली बार, जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो शुक्रवार रात के दर्ज किये गए तापमान (शून्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस नीचे) की तुलना में लगभग पांच डिग्री अधिक है।

मौसम विभाग ने बताया कि रात का तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.2 डिग्री अधिक था। पुलवामा में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.7 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे यह जम्मू-कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा। यह ऐसा क्षेत्र रहा, जहां तापमान हिमांक बिंदु से नीचे रहा।

- **बांदीपुरा जिले की गुरेज घाटी स्थित तुलैल में भी भारी हिमपात की सूचना**

दिन में घाटी के अधिकांश हिस्सों में घना कोहरा रहा। काजीगुंड और कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान 0.8 डिग्री रहा, जबकि कुपवाड़ा में यह 1.2 डिग्री रहा। वहीं, गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री और पहलगाम में यह 2.4 डिग्री रहा। कश्मीर अब 'चिल्लई कलां' की ओर बढ़ रहा है- यह 40 दिनों की कठोर सर्दी होती है, जो 21 दिसंबर से शुरू होती है। इस दौरान बर्फबारी अधिक होती है। मौसम विभाग ने 20-21 दिसंबर को घाटी के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है।

ऑटिज्म पीड़ितों की देखभाल संबंधी दिशा-निर्देश तैयार करने पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ऑटिज्म और अन्य बौद्धिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल, पुनर्वास एवं सुरक्षा को व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेषज्ञ समिति के गठन के अनुरोध वाली याचिका पर 15 दिसंबर को सुनवाई करेगा। याचिका में केंद्र और अन्य को हर जिले में ऑटिज्म एवं अन्य बौद्धिक विकारों से पीड़ितों के लिए जनसंख्या-आधारित आवासीय सुविधाएं स्थापित करने तथा इन सुविधाओं की स्थापना, विनियमन और निगरानी के लिए व्यापक एवं बाध्यकारी मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत की 15 दिसंबर की वाद सूची के मुताबिक, याचिका न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए पेश की जाएगी।

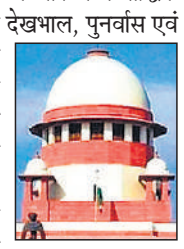

वर्ल्ड ब्रीफ

भारतीय राजदूत ने अमेरिकी सांसदों से की कई मुद्दों पर वार्ता

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के प्रयासों के तहत डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सांसदों के साथ बैठकें कर उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा और व्यापार में सहयोग पर चर्चा की। क्वात्रा ने हाउस डेमोक्रेट्स कॉकस के उपाध्यक्ष, सांसद टेड ल्यू के साथ सार्थक वार्ता की। इस दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में हो रहे नए विकास, रक्षा और सुरक्षा सहयोग, व्यापार और निवेश, तथा लोगों से लोगों के संपर्क जैसे साझा प्राथमिकता वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। क्वात्रा ने हाउस ब्लैक कॉकस की अध्यक्ष सांसद इवेट क्लार्क से भी मुलाकात की।

उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में आयोजन

बीजिंग। प्रसिद्ध तबला वादक दिवंगत उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास में एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दूतावास ने शनिवार को जारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के एक प्रतिष्ठित कलाकार और तबला शिक्षक बिवाकर चौधरी ने स्मरण कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें केंद्र के युवा और प्रतिभाशाली कलाकारों एवं छात्रों ने शानदार संगीत प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बजाई गई प्रत्येक धुन उस्ताद जाकिर हुसैन को एक विनम्र श्रद्धांजलि थी, जिन्होंने दुनियाभर में अपनी कला का लोहा मनवाया था।

नेपाल के मनांग जिले में भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल के गंडकी प्रांत के मनांग जिले में रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप प्रभावित क्षेत्र से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। भूकंप विज्ञान विभाग के अनुसार अपराह्न 12 बजकर 54 मिनट पर आए 4.7 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र मनांग जिले के थोचे में दर्ज किया गया। भूकंप के झटके आसपास के कास्की, लमजुंग और मुस्तांग जिलों में भी महसूस किए गए।

फिलीपींस में हादसे में आठ लोगों की मौत

मनीला। मध्य फिलीपींस के नेग्रोस ओरिएंटल प्रांत में एक वाहन के ब्रेक फेल होकर गड्ढे में गिर जाने से आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना शनिवार की सुबह उस समय हुई जब वाहन अयंगून नगरपालिका में एक कब्रिस्तान की ओर जाते समय ढलान से नीचे जा रहा था। सभी अपने रिश्तेदार की बरसी में जा रहे थे।

एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में भारत तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर रहा

भारत एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। स्टैनफोर्ड यूनीवर्सिटी की वैश्विक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट में भारत को 21.59 अंक दिए गए हैं। अमेरिका 78.6 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं, चीन 36.95 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया (17.24) और ब्रिटेन (16.64 अंक) भारत के बाद क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में अनुसंधान एवं विकास में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है। जिम्मेदार एआई और अर्थव्यवस्था के पैमानों पर भारत को शीर्ष तीन में जगह नहीं दी गयी है। प्रतिभा के मामले में भारत को सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है। बुनियादी ढांचा और नीति एवं प्रशासन के मामले में भी भारत को पहले तीन में स्थान नहीं मिला है। लोगों की सोच के मामले में भारत दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर है।

मेमोरी चिप

मेमोरी चिप एक इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट है जो डेटा को स्टोर और एक्सेस (पुनः उपयोग) करने का काम करता है। यह एक तरह की सेमीकंडक्टर चिप होती है, जो सिलिकॉन जैसे पदार्थ से बनी होती है। मेमोरी चिप बिना बिजली के स्थायी रूप से डेटा रख सकती है (जैसे फ़ोन की स्टोरेज), या केवल बिजली चालू होने पर डेटा रख सकती है (जैसे कंप्यूटर की रैम)। रैम अस्थायी मेमोरी होती है। जब कंप्यूटर या मोबाइल बंद होता है, तो डेटा मिट जाता है जबकि स्टोरेज स्थायी होता है जैसे फ़ोन का स्टोरेज। यह चिप्स डाटा को स्टोर करने के साथ-साथ सिस्टम को तेज़ी से काम करने में भी मदद करती हैं। देश को वर्तमान में मेमोरी चिप संकट का सामना करना पड़ रहा है। एआई सर्वरों के लिए हाई-बैंडविड्थ मेमोरी की भारी मांग के कारण वैश्विक स्तर पर भी गंभीर कमी हो गई है, जिससे मेमोरी चिप की कीमतें आसमान छू रही हैं।

सूचना का इलेक्ट्रॉनिक भंडारण

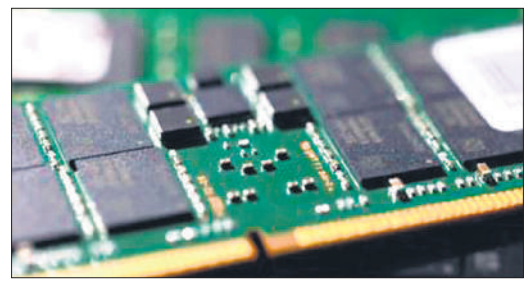

कितने प्रकार की होते हैं मेमोरी चिप्स

● **रैम :** यह अस्थायी मेमोरी होती है। यह प्रोग्राम चलाते समय डेटा को तेज़ी से उपलब्ध कराता है लेकिन बिजली गुल होते ही डेटा मिट जाता है। ● **डीरैम :** यह मोबाइल/कंप्यूटर की मुख्य रैम होती है। यह सस्ती होने के साथ ही ज्यादा क्षमता की होती है। डेटा बनाए रखने के लिए बार-बार इसे रिफ्रेश करना जरूरी होता है। ● **स्टेटिक रैम :** यह बहुत तेज होने के साथ महंगी भी है। सीपीयू के कैच मेमोरी में इसका उपयोग किया जाता है। इसे रिफ्रेश करने की जरूरत नहीं होती है। ● **रोम :** यह स्थायी मेमोरी होती है। डिवाइस को स्टार्ट करने के निर्देश देती है। बिजली बंद होने पर भी डेटा सुरक्षित रहता है। अन्य प्रकार के मेमोरी चिप्स भी आते हैं।

विश्व की प्रमुख मेमोरी चिप निर्माता

● मेमोरी चिप का निर्माण करने वाली दुनिया की प्रमुख कंपनियां चीन, अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया में स्थित हैं। जहां बड़े पैमाने पर इनका उत्पादन कर दुनिया के अन्य देशों में निर्यात किया जाता है। इनमें दक्षिण कोरिया की सैमसंग, एसके हिनीक्स मेमोरी चिप मार्केट में बड़े खिलाड़ी हैं। इसी प्रकार ताइवान की कंपनी टीएसएमसी सेमीकंडक्टर और मेमोरी टेक्नोलॉजी में अग्रणी है। चीन और अमेरिका की कुछ कंपनियां भी मेमोरी चिप्स बनाती हैं और सप्लाई चेन के हिस्से के रूप में भी चिप्स भारत में भेजती हैं। भारत अपनी जरूरत की अधिकतर मेमोरी चिप इन देशों से आयात करता है क्योंकि घरेलू उत्पादन अभी बहुत कम है।

मेमोरी चिप का उपयोग कहां होता है?

मेमोरी चिप्स लगभग हर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में उपयोग होती हैं। जिसमें मोबाइल फोन, टैबलेट, लैपटॉप, डेस्कटॉप कंप्यूटर, स्मार्ट टीवी, सेट-टॉप बॉक्स, कारों के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, डिफेंस व एयरोस्पेस उपकरण, डेटा सेंटर और सर्वर, गेमिंग कंसोल एवं स्मार्ट वॉच आदि इलेक्ट्रानिक गैजेट्स शामिल हैं।

भारत में निर्माण की स्थिति

● भारत में मेमोरी चिप्स का निर्माण अभी बहुत सीमित स्तर पर है और देश के पास बड़े-पैमाने पर उत्पादन क्षमता नहीं है, इसलिए भारत इन चिप्स को मुख्य रूप से आयात करता है। कुछ भारतीय कंपनियों ने मेमोरी चिप निर्माण करना शुरू किया है। बड़े निवेश और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर प्रोजेक्ट्स के तहत गुजरात आदि में मेमोरी चिप उत्पादन की योजनाएं चल रही हैं। इसके बावजूद भारत अभी भी मुख्यतः आयात पर निर्भर है।

बांग्लादेश में फिर अशांति, निर्वाचन आयोग ने मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

आईजीपी से आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षा देने की अपील की

● चुनाव की घोषणा के बाद आयोग के दो कार्यालयों पर हुए हमले

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बंदूकधारियों द्वारा आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल हुए हिंसक प्रदर्शनों के अग्रणी नेता को गोली मारे जाने के बाद निर्वाचन आयोग (ईसी) ने अपने प्रमुख, अन्य आयुक्तों और अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। इस हमले के बाद बांग्लादेश में फिर से अशांति फैल गई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने शनिवार देर रात कहा कि निर्वाचन आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी), निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) और निर्वाचन आयोग सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करने का आग्रह किया है।

निर्वाचन आयोग ने 13वें राष्ट्रीय चुनाव से पहले अपने जमीनी स्तर के कार्यालयों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है क्योंकि गुरुवार को आगामी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद दक्षिण-पूर्वी लक्ष्मीपुर और दक्षिण-पश्चिमी पिरोजपुर में स्थित दो कार्यालयों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया था। आयोग ने मुख्य आयुक्त के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा वाहन की मांग की है, जबकि वर्तमान में उनके लिए एक पुलिस सुरक्षा वाहन की व्यवस्था पहले से ही मौजूद थी।

आयोग ने चारों आयुक्तों और वरिष्ठ सचिव के लिए 24 घंटे पुलिस सुरक्षा की मांग की। पत्र में कहा गया है कि सुरक्षा बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि उनके 10 क्षेत्रीय कार्यालय, 64 जिला चुनाव कार्यालय और 522 उप-जिला स्तरीय कार्यालय में महत्वपूर्ण दस्तावेजों और चुनाव सामग्री को सुरक्षित रखना होगा।

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को घोषणा की कि आगामी संसदीय चुनाव अगले साल 12 फरवरी को होंगे। इसके एक दिन बाद राजधानी के एक निर्वाचन क्षेत्र से अपना चुनाव अभियान शुरू करते समय शरीफ उस्मान हादी को सिर में करीब से गोली मार दी गई थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने को ऑपरेशन डेविल हंट का दूसरा चरण शुरू किया गया है।

यूनुस ने की हादी के परिवार से मुलाकात

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हादी के परिवार से मुलाकात कर उनके इलाज में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और संदिग्धों की तलाश के आदेश दिए। यूनुस ने कहा कि पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा है और हर कोई यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल मिले। हादी पिछले साल के छात्र-नेतृत्व वाले प्रदर्शन के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार सत्ता से बेदखल हो गई। गंभीर रूप से बीमार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, साथ ही जमात-ए-इस्लामी और छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने हादी पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से दिए गए भड़काऊ बयानों पर गंभीर चिंता जताई। हसीना इस समय भारत में हैं। हसीना (78) पिछले साल अगस्त में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बाद भारत चली गई थीं। देश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें मौत की सजा सुनाई है। बांग्लादेश भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। बांग्लादेश के विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्रालय ने आज भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया और भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार की इस गंभीर चिंता से अवगत कराया कि शेख हसीना को ऐसे भड़काऊ बयान जारी करने की अनुमति दी जा रही है, जिसमें वह अपने समर्थकों को बांग्लादेश में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसा रही हैं।

बांग्लादेश के छह शांति सैनिकों की मौत

ढाका। बांग्लादेश की सेना के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस ने शनिवार रात एक बयान में बताया कि सूडान के अबेई में हमलावरों ने संयुक्त राष्ट्र की शिविर को निशाना बनाया, जिसमें बांग्लादेश की सेना के छह शांति सैनिक मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। बयान में कहा गया कि युद्ध जारी है।

विदेशी समकक्षों से मिले जयशंकर

● यूएई शिखर सम्मेलन में भाग लेने अबू धाबी में हैं विदेशमंत्री

दुबई, एजेंसी

यूएई के अबू धाबी में सर बानी यस फोरम के दौरान लातविया, लक्ज़मबर्ग और पोलैंड के समकक्षों के साथ विदेशमंत्री जयशंकर।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन से इतर यूरोप, ब्रिटेन और मिस्र के अपने समकक्षों से मुलाकात की। कई महत्वपूर्ण भूराजनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के लिए विश्व के नेता और नीति निर्माता यूएई में एकजुट हुए हैं।

जयशंकर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल, पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की और लातविया की विदेश मंत्री बैबा ब्रेज के साथ मिलकर बहुत अच्छा लगा। मंत्री संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में तीन दिवसीय सर बानी यास फोरम 2025 में भाग लेने पहुंचे थे। जयशंकर ने शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री ने एक अन्य बैठक को लेकर कहा कि मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बदर अब्देलट्टी से मुलाकात करके अच्छा लगा।

अमेरिकी विवि में गोलीबारी में दो की मौत, 9 लोग घायल

प्रोविडेंस। अमेरिका में रोड आइलैंड राज्य के प्रोविडेंस शहर स्थित ब्राउन विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षाओं के दौरान गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। प्रोविडेंस पुलिस प्रमुख कर्नल ऑस्कर पेरेज़ ने रविवार को बताया की कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 30 वर्ष के आसपास है। पुलिस के मुताबिक, हमलावर ने 40 से अधिक गोलियां चलाईं।

क्रिप्टोकरेंसी मामले में कांगड़ा और मंडी में ईडी की छापेमारी

शिमला, एजेंसी

● राज्यभर में अब तक 80 से अधिक लोग जांच के घेरे में

हिमाचल प्रदेश में ईडी कांगड़ा और मंडी में कई स्थानों पर एक क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी के सिलसिले में सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए है, जिससे निवेशकों के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के मामले में धन-शोधन की जांच में तेजी आई है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की मदद से ईडी की टीमों ने शनिवार को मंडी जिले के सुंदरनगर और कांगड़ा जिले के नगरोटा बगवां में देर रात तक छापेमारी की। अधिकारियों ने तलाशी के दौरान वित्तीय दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की। उसने पांच लोगों से उनके वित्तीय दस्तावेज और क्रिप्टोकरेंसी निवेश से संबंधित पूछताछ की। राज्य में लगभग 80 लोग एजेंसी की जांच के घेरे में आ चुके हैं। जांच के नतीजों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

इजराइल ने हमास कमांडर को किया ढेर

यरुशलम/गाजा, एजेंसी

● अक्टूबर में इजराइल पर हुए हमलों का था योजनाकार

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने शनिवार को गाजा पट्टी में एक हमले में हमास के एक वरिष्ठ कमांडर को मार गिराया है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हमास की सैन्य शाखा में हथियार निर्माण मुख्यालय के प्रमुख राद साद को मार दिया गया है।

इजराइली सेना के अनुसार, साद सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास द्वारा किए गए योजनाकारों में से एक था और अंतिम बचे हुए शीर्ष सरगनाओं में एक था। आईडीएफ ने यह भी दावा किया कि साद हाल के महीनों में हमास द्वारा संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघनों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार था। सेना ने यह भी आरोप लगाया कि वह संघर्ष विराम के दौरान हथियारों का निर्माण जारी रखने के लिए भी जिम्मेदार था।

इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कहा कि उन्होंने और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार को गाजा में इजरायली बलों को घायल करने वाले हमास के एक विस्फोटक उपकरण के विस्फोट के जवाब में साद की हत्या का व्यक्तिगत रूप से आदेश दिया था। इससे पहले शनिवार को इजराइली सेना ने बताया था कि दक्षिणी गाजा में आतंकवाद विरोधी एक अभियान के दौरान एक बम फट जाने से दो सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए थे।

इजराइल के एक पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी माइकल मिल्स्टीन ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, साद को मारना हमास के लिए व्यावहारिक और प्रतीकात्मक दोनों रूप से एक झटका है। लेकिन उन्होंने आगाह किया कि यह अभी भी समूह को उखाड़ फेंकने से बहुत दूर है, क्योंकि समूह सक्षम है।

हांगकांग की सबसे बड़ी लोकतंत्र की समर्थक पार्टी भंग

हांगकांग। हांगकांग की सबसे बड़ी लोकतंत्र समर्थक पार्टी ने 30 से अधिक वर्षों की सक्रियता के बाद रविवार को भंग होने के लिए मतदान किया, जो चीनी अर्ध-स्वायत्त शहर के कभी विविध राजनीतिक परिदृश्य के एक युग के अंत का प्रतीक है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष लो किन-हई ने कहा कि पार्टी को भंग करने के पक्ष में करीब 97 प्रतिशत सदस्यों ने मतदान किया और यही पार्टी सदस्यों के लिए आगे बढ़ने का सबसे बेहतर रास्ता है। उन्होंने कहा कि हमें गहरे अफसोस के साथ इसको समाप्त करना पड़ रहा है।

सीबीआई ने साइबर अपराध मामले में चीन के 4 नागरिकों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी

● एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का है मामला

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की रकम हड़पने में संलिप्त एक अंतर्राष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क में शामिल होने के आरोप में चीन के चार नागरिकों समेत 17 लोगों और 58 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

अक्टूबर में गिरोह का पर्दाफाश करने के बाद जांचकर्ताओं ने पाया कि यह एक सुनियोजित और संगठित सिंडिकेट था, जो जटिल डिजिटल और वित्तीय प्रणाली के जरिए कई तरह की धोखाधड़ियां कर रहा था। धोखाधड़ी के इन तरीकों में भ्रामक ऋण आवेदन, फर्जी निवेश योजनाएं, पोंजी और मल्टी-लेवल मार्केटिंग मॉडल, फर्जी पार्ट-टाइम नौकरी के ऑफर और फर्जी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म शामिल थे। जांच एजेंसी की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह ने 111 मुखौड़ा कंपनियों के जरिये अवैध धन के लेन-देन को छिपाया और म्यूल खातों के माध्यम से लगभग 1,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से एक खाते में कम समय में 152 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा हुई थी। सीबीआई ने कहा कि ये मुखौटा कंपनियां डमी निदेशकों, जाली या भ्रामक दस्तावेजों, फर्जी पतों और व्यावसायिक उद्देश्यों के बारे में झूठे हलफनामों के जरिए बनाई गई थीं। जांचकर्ताओं के अनुसार यह घोटाला 2020 में शुरू हुआ था।

जर्मनी में हमले की साजिश रचने में पांच लोग गिरफ्तार

बर्लिन। दक्षिणी जर्मनी में एक क्रिसमस मार्केट पर हमले की साज़िश रचने के शक में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि संदिग्धों में एक मिस्र का, एक सीरिया का और तीन मोरक्को के नागरिक शामिल हैं। चार लोगों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं, जबकि पांचवें को निवारक हिरासत में रखा गया है। अभियोजक को शक है कि यह हमला इस्लामिक चरमपंथ से संबंधित है, जिसे कथित तौर पर एक वाहन का इस्तेमाल करके अंजाम दिया जाना था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 21.19 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

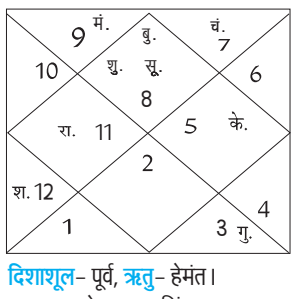

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- चित्रा 11.08 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज आप दूसरों की सहायता अवश्य करेंगे। प्रशासन से जुड़े लोगों के सम्मान मिल सकता है। अपनी कार्यशैली में संरचनात्मक सुधार कर सकते हैं। मित्रों के माध्यम से आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति प्रेम भाव बढ़ेगा।

वृष — आज राजनीतिक विषयों पर चर्चा में समय बीतेगा। गुप्त शत्रुओं को लेकर परेशान हो सकते हैं। विदेश में नौकरी की इच्छा रखने वाले लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के लिए दिन अच्छा है।

मिथुन — आज रियल एस्टेट से जुड़े प्रकल्पों को पूरा करने में कठिनाई होगी। आपको अनावश्यक विवादों से बचना चाहिए। करियर को लेकर मन में दुविधा उत्पन्न हो सकती है। घर के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में सम्मिलित होना पड़ सकता है।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपको वाणी पर संयम रखना चाहिए। व्यवसाय में आपको अचानक निर्णय लेने से बचना चाहिए। अपने ही निर्णयों को लेकर आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के लोग आपसे असंतुष्ट हो सकते हैं। विवाह को लेकर जल्दबाजी न करें।

सिंह — आज व्यापार में आर्थिक लाभ होने से कर्ज चुकाने में आसानी होगी। अधूरे कार्यों को पूरे करने में लगे रहेंगे। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बच्चों की उपलब्धियों पर आपको गर्व की अनुभूति होगी।

कन्या — आज समाज कल्याण के कार्यों में आपका मन लगेगा। परिजनों के व्यवहार से रुष्ट हो सकते हैं। पुराने मित्रों से काफी दिनों बाद मिलना हो सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। खरीदारी करते समय अपने बजट का ध्यान अवश्य रखें।

तुला — आज नई परियोजनाओं के प्रति आपके मन में रुचि बढ़ेगी। लोगों की समस्याओं को सुलझाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। विद्वान लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज नशे और अनैतिक कार्यों की ओर आप आकर्षित हो सकते हैं। बच्चों को गलत संगत से दूर रखें। अपनी क्षमता और योग्यता का सार्थक उपयोग नहीं कर पाएंगे। गुप्त शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए।

धनु — आज दांपत्य जीवन में आ रही गलतफहमियों को दूर करने के लिये काफी अच्छा दिन है। भविष्य को लेकर योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी और व्यापार दोनों में ही आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। चतुराई से आप परेशानियों का समाधान ढूंढ लेंगे।

मकर — आज नई नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। युवा जातक अपने प्रेमीजन को प्रपोज कर सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। अपनी कार्यशैली में आप परिवर्तन ला सकते हैं। अपनी महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें।

कुंभ — आज उच्च अधिकारियों के साथ अपने संबंध खराब न करें। किसी परिजन के साथ अनबन हो सकती है। आवारा जानवरों से सावधान रहें। वैवाहिक जीवन को समय नहीं दे पाएंगे। घर के किसी बुजुर्ग सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मीन — आज किसी नई मूवी या वेबसीरीज में अत्यधिक रूचि ले सकते हैं। परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में लोग आपको पर्याप्त महत्व नहीं देंगे। बच्चों के क्रियाकलापों पर नजर बनाकर रखें। स्त्रियों को स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है।

सुडोकू - 2

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6		7	1			4	
9		4				1		8
	3	5			6			2
	2		1	6				3
4				3	5		9	
3			9			8	5	
8		1				7		4
	5			8	4		1	

सुडोकू - 1 का हल

6	1	4	9	8	2	3	5	7
9	3	7	4	5	1	6	2	8
2	8	5	7	6	3	9	4	1
5	6	1	2	7	8	4	3	9
7	4	9	3	1	6	5	8	2
8	2	3	5	4	9	7	1	6
3	9	6	1	2	5	8	7	4
1	7	8	6	3	4	2	9	5
4	5	2	8	9	7	1	6	3

उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को दिए जा रहा प्रोत्साहन, रोजगार और सुविधाएं उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है और भविष्य की सुरक्षा का भरोसा भी देता है। खेल से मिले अनुशासन, समर्पण और फिटनेस अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।

-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

आईपीएल में गेंदबाजी के लिए तैयार कैमरन

एडीलेड : ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने रविवार को साफ किया कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने साफ किया कि उनके मैनेजर की गड़बड़ी की वजह से उन्हें अगले हफ्ते होने वाली छोटी नीलामी में गलती से बल्लेबाज के तौर पर पंजीकृत कर दिया गया। पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण 2025 सत्र से बाहर रहे 26 साल के ग्रीन जून में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे थे। हालांकि इसके बाद उन्हें गेंदबाजी करने की इजाजत मिल गई है और वह ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में गेंदबाजी कर रहे हैं। ग्रीन ने कहा मैं गेंदबाजी के लिए तैयार रहूंगा। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर यह सुनना चाहेंगे या नहीं लेकिन उनकी तरफ से गड़बड़ी हुई थी।

मुंबई ने हरियाणा को चार विकेट से हराया

अम्बी (पुणे) : टी20 टीम में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं द्वारा अनदेखी के बाद यशस्वी जायसवाल ने रविवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग बी मैच में 48 गेंद में शतक जड़कर गत चैंपियन मुंबई की हरियाणा पर चार विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। सुपर लीग के अपने पहले मैच में हैदराबाद के खिलाफ एकतरफा हार के बाद जायसवाल (50 गेंद में 101 रन) और सरफराज खान (24 गेंद में 64 रन) की पारियों से मुंबई ने हरियाणा के 235 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.3 ओवर में छह विकेट पर 238 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायसवाल और सरफराज ने सिर्फ 6.1 ओवर में 88 रन जोड़कर मुंबई की फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद जीवंत रखी। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान जासवाल ने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 50 हजार रुपये का चैक लेने के लिए अपने साथ सरफराज को भी बुलाया।

दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर भारत ने सीरीज में बढ़त हासिल की

एडेन मार्करम के अर्धशतक के बावजूद तीसरे टी-20 में मेहमान टीम 117 रनों पर सिमटी

धर्मशाला, एजेंसी

वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक शर्मा (35) और शुभमन गिल (28) की सधी शुरुआत से भारत ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली।

दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सिर्फ 117 रन बना सकी। आसान लक्ष्य को भारत ने तीन विकेट नुकसान पर 15.5 ओवर में हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ कप्तान एडेन मार्करम (46 गेंद में 61 रन) ही भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना कर सके। उनके अलावा डोनोवन फरेरा (20) और एनरिक नोर्किया (12) ने ही दहाई के आंकड़े में रन बनाये।

अर्शदीप ने चार ओवर में 13 रन देकर दो जबकि चक्रवर्ती ने इतने ही ओवर में 11 रन देकर दो सफलता हासिल की। राणा ने 34 रन पर दो जबकि कुलदीप ने दो ओवर में 12 रन पर दो विकेट लिये। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे भी एक-एक सफलता हासिल की।अर्शदीप ने पहले ओवर में रीजा हेंड्रिक्स (शून्य) तो वहीं राणा ने दूसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक (एक) को पगबाधा कर एक रन पर दक्षिण अफ्रीका को शुरुआती दो झटके दिये। टीम अभी इन झटकों से उबरी भी नहीं थी कि राणा की गेंद को डेवाल्ड ब्रेविस (दो) विकेटों पर खेल गये। कप्तान एडेन मार्करम ने दूसरे छोर से राणा के खिलाफ दो चौके लगाये जिससे टीम ने पावरप्ले में तीन विकेट पर 30 रन बनाये। पंड्या ने अपने शुरुआती ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स (नौ) को विकेटकीपर जितेश शर्मा के हाथों कैच कराकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे किये।

वह इसके साथ ही खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। दुबे ने 11वें ओवर में अपनी पहली ही गेंद पर कोर्बिन बोश को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पांचवां झटका दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 12वें ओवर में रनों का अर्धशतक पूरा किया जिसके बाद डोनोवन फरेरा ने कुलदीप के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा। फरेरा ने अभिषेक की गेंद पर अर्शदीप के कैच टपकाने से मिले जीवनदान का जश्न चौके के साथ मनाया।

वह खतरनाक होते इससे पहले ही चक्रवर्ती ने अपनी फिरकी से उन्हें चकमा देकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 50 विकेट पूरे किये और फिर शानदार लय में चल रहे मार्को यानसन (दो) को बोल्ड किया। इस बीच मारक्रम ने दुबे के खिलाफ चौका लगाने के बाद राणा के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर एक छोर से संघर्ष जारी रखते हुए 41 गेंद में अपना अर्धशतक और टीम के रनों का शतक पूरा किया।

ओपनिंग पारी के दौरान अभिषेक शर्मा व शुभमन गिल। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

117/10 (20 ओवर)

क्विंटन डिकॉक पगबाधा राणा	01
रीजा हेंड्रिक्स पगबाधा अर्शदीप	00
मार्करम का जितेश बो अर्शदीप	61
डेवाल्ड ब्रेविश बो राणा	02
ट्रिस्टन स्टब्स का जितेश बो पंड्या	09
कोर्बिन बोश बो दुबे	04
डोनोवन फरेरा बो चक्रवर्ती	20
मार्को यान्सेन बो चक्रवर्ती	02
नॉर्किया स्टं जितेश बो कुलदीप	12
लुंगी एनगिडी नाबाद	02
बार्टमैन का सूर्यकुमार बो कुलदीप	01

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-13-2, राणा 4-0-34-2, हार्दिक 3-0-23-1, चक्रवर्ती 4-0-11-2, दुबे 3-0-21-1, कुलदीप 2-0-12-2

एडेन मार्करम। एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान को 90 रनों से हराया

दुबई, एजेंसी

अंडर-19 एशिया कप

भारत ने ऑलराउंडर कनिष्क चौहान और तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन की अगुवाई में अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत रविवार को यहां अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान को 90 रनों से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 240 रन का स्कोर खड़ा किया जिसमें आरोन जॉर्ज ने 85 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान आयुष म्हात्रे (38) और चौहान (46) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम शुरुआती झटकों से नहीं उबर पाई और 41.2 ओवर में 150 रन पर ऑल आउट हो गई।

भारत ने तेज शुरुआत की जिसमें कप्तान म्हात्रे ने 25 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। लेकिन मोहम्मद सैयाम ने पहले 10 ओवर के अंदर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद जॉर्ज ने पारी को संभाला। वह लगातार गैप ढूंढकर रन जुटाते रहे जिससे बीच के ओवरों में उन्होंने स्थिरता बनाए रखी। चौहान ने आखिरी ओवरों में तेज बल्लेबाजी जिसमें तीन छक्के शामिल थे और भारत को नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद 230 रन के पार पहुंचाने में मदद की। पाकिस्तान के लिए सैयाम ने 67 रन देकर और अब्दुल सुभान ने 42 रन देकर तीन तीन विकेट झटके जबकि निकाब शफीक ने दो विकेट लिए। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत खराब रही। उसके 30 रन के स्कोर पर चार विकेट गिर गए जिसमें देवेंद्रन ने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट लिए।

कप्तान फरहान यूसुफ (23) और हुजैफा अहसान ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन चौहान की धारदार ऑफ-स्पिन ने इस साझेदारी को तोड़ दिया। अहसान पाकिस्तान के लिए 83 गेंद में 70 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई साथ नहीं मिला। चौहान ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि देवेंद्रन ने 16 रन देकर तीन विकेट हासिल किए जिससे भारत ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने टॉस के समय और मैच के बाद एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया।

मेसी का मुंबई आना एक सुनहरा पल: सचिन

मुंबई, एजेंसी

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को अर्जेंटीना के फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी के मुंबई दौरे को शहर और देश के लिए एक सुनहरा पल बताया। तेंदुलकर ने इसी मैदान पर 2011 क्रिकेट विश्व कप की जीत की तुलना मेसी के दौरे से की जो अपने इंटर मियामी टीम के साथी लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डि पॉल के साथ पहुंचे।

तेंदुलकर ने भारत की वनडे विश्व कप जीत का जिक्र करते हुए यह बात कही जिसमें उन्होंने बड़ी भूमिका अदा की थी। उन्होंने कहा मैंने यहां कुछ अविश्वसनीय पल बिताए हैं। जैसा कि हम कहते हैं, मुंबई सपनों का शहर है। और इस जगह पर कई सपने पूरे हुए हैं। और आपके समर्थन के बिना, हम 2011 में इस मैदान पर उन सुनहरे पलों को कभी नहीं देख पाते। उन्होंने कहा और आज, इन तीन महान हस्तियों का यहां होना वाकई मुंबई, मुंबईवासियों और भारत के लिए एक सुनहरा पल है। जिस तरह से आपने खेल के इन तीनों महान खिलाड़ियों का स्वागत किया है, वह सच में कमाल का है।

मेसी के बारे में बात करते हुए तेंदुलकर ने कहा जहां तक 'लियो' (मेस्सी) की बात है तो अगर मुझे उनके खेल के बारे में बात करनी है तो यह सही मंच नहीं होगा। और आप जानते हैं, उनके बारे में कोई क्या बात करे? उन्होंने सब कुछ हासिल कर लिया है। हम सच में उनकी लगन, दृढ़ संकल्प, प्रतिबद्धता की तारीफ करते हैं। उन्होंने कहा और सबसे बढ़कर उनकी विनम्रता की, वह जिस तरह के इंसान हैं।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के साथ अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी। एजेंसी

● चार शहरों के 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' का दूसरा दिन

प्रधानमंत्री मोदी से आज मिलेंगे लियोनेल

नई दिल्ली : अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी सोमवार को भारत दौरे के दिल्ली चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आधिकारिक आवास पर जाने के बाद एक सांसद के आवास पर भारत के मुख्य न्यायाधीश और सेना प्रमुख से मुलाकात करेंगे। जीओएटी भारत दौरे के अंतिम दिन मेसी फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम के दो सदस्यों से भी मिलेंगे। मेसी सुबह 10:45 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। यहां एक होटल में 50 मिनट के 'मीट एंड ग्रीट' सत्र के बाद प्रधानमंत्री के आवास पर जाएंगे जहां वे मोदी के साथ 20 मिनट तक बातचीत करेंगे। अलगा पड़ाव एक सांसद का आवास होगा जहां वे भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कौसिनो, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से भी मिलेंगे।

अनाहत सिंह ने स्क्वैश वर्ल्ड कप में रचा इतिहास

चेन्नई : अनाहत सिंह ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के दम पर भारत ने फाइनल में हांगकांग को हराकर स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 का अपना पहला खिताब जीता। इसी के साथ भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और मिस्र के बाद स्क्वैश विश्व कप जीतने वाला चौथा देश बन गया है।

टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय स्क्वैश टीम ने खिताब तक पहुंचने के रास्ते में एक भी मैच नहीं हारा। ग्रुप स्टेज के मैचों में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को 4-0 के समान अंतर से हराने के बाद, भारत ने क्वार्टर और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के विजेता मिस्र को 3-0 से हराकर मिक्स्ड-टीम स्क्वैश इवेंट में खिताब के लिए मुकाबला पक्का किया। आज यहां पीएसए रैंकिंग में 79वें स्थान पर मौजूद अनुभवी जोशना चिनप्पा ने भारत को शानदार शुरुआत दी, जब उन्होंने शुरुआती महिला एकल मुकाबले में दुनिया की नंबर 37 ली का यी को (7-3, 2-7, 7-5, 7-1) से हराया।

नीदरलैंड्स ने तीसरी बार जीता खिताब

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

नीदरलैंड्स ने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डच टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप का खिताब जीता और 2022, 2023 और अब 2025 में जीत के साथ लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया।

मैच की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने पहले हाफ में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले से गोल करके मैच अपने नाम कर लिया और फिर निर्णायक चरणों में एक बहुत ही मजबूत रक्षात्मक संरचना के माध्यम से अपनी मामूली बढ़त को बनाए रखा।इस दौरान अर्जेंटीना लगातार दबाव दिखी। नीदरलैंड्स को दूसरे क्वार्टर में सफलता उसम समय मिली जब आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया। अर्जेंटीना ने रक्षात्मक अनुशासन के साथ जवाब दिया, दबाव के सबसे कठिन चरणों को सहा और पेनल्टी कॉर्नर से अपने पहले स्कोरिंग मौके बनाए, दूसरे क्वार्टर में दो प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने लारा कैसास ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया और अर्जेंटीना की खिताबी मुकाबले में वापसी कराई।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाये और रखा और अर्जेंटीना को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। ब्राजील ने चीन को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप ट्रॉफी के साथ नीदरलैंड्स की टीम।

● हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के फाइनल में अर्जेंटीना को 2-1 से हराया

लिवरपूल ने ब्राइटन को हराया

इंग्लिश प्रीमियर लीग

लीवरपूल, एजेंसी

लिवरपूल ने शनिवार को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राइटन को 2-0 से हरा दिया। इस जीत से लिवरपूल ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने अजेय क्रम को पांच मैच तक पहुंचाया। गत चैंपियन टीम अब अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

इस मैच के साथ लिवरपूल के मोहम्मद सालाह ने रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी भी की। आर्सेनल ने अंतिम स्थान पर चल रहे वोल्वरहैम्पटन को दो आत्मघाती गोल की बदौलत 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने एवर्टन को 2-0 से शिकस्त दी। बर्नले को फुलहम के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो टीम की लगातार सातवीं हार है।

ब्राइटन के लुईस डंक के साथ मुकाबला करते लिवरपूल के मो सालाह (बाएं)। एजेंसी

ला लीगा : राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना ने ओसासुना को हराया

बार्सीलोना : राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना ने शनिवार को यहां ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में ओसासुना को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। ब्राजील के फारवर्ड राफिन्हा ने 70वें मिनट में बार्सीलोना को बढ़त दिलाई और फिर 84वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। लीग में लगातार सातवीं जीत के साथ गत चैंपियन बार्सीलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रीयाल मैड्रिड पर सात अंक की बढ़त बना ली है। मैड्रिड को रविवार को एल्वेस से भिड़ना है।

उन्नति और किरण ने एकल खिताब अपने नाम किया

कटक : शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और किरण जॉर्ज ने रविवार को ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

उन्नति ने संयम का परिचय देते हुए हमवतन खिलाड़ी इशारानी बरुआ को महज आधे घंटे में 21-17, 21-10 से हराया। इस 18 साल की खिलाड़ी ने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा और इशारानी को लय हासिल करने का मौका नहीं दिया। इस हार के बावजूद इशारानी ने रजत पदक हासिल कर इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।

दूसरे वरीयता प्राप्त जॉर्ज ने पुरुष एकल फाइनल में इंडोनेशिया के मुहम्मद यूसुफ को 65 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-14, 13-21, 21-16 से हराया।

साक्षात्कार जमैका की दिग्गज फर्राटा धाविका बोलीं-हाई स्कूल में मुझे अपने दौड़ने के तरीके को बदलना पड़ा

खराब फिनिशर के ठप्पे से थी दुखी : शेली एन

पुणे, एजेंसी

जमैका की दिग्गज फर्राटा धाविका शेली एन फ्रेजर प्राइस का कहना है कि उन्हें यह ठप्पा पसंद नहीं था कि वह अच्छी शुरुआत करती थी, लेकिन अच्छी फिनिशर नहीं थी। उन्होंने कहा कि एलीट स्तर तक पहुंचने के लिए उन्हें अपने शुरुआती वर्षों में अपनी दौड़ने की शैली को बदलना पड़ा।

ओलंपिक की आठ बार की और विश्व चैंपियनशिप की 17 बार की पदक विजेता शेली एन ने कहा कि उन्होंने 100 मीटर फर्राटा दौड़ में बेहतर होने के लिए 200 मीटर दौड़ में बहुत मेहनत की। शेली एन के नाम 100 मीटर में 10.60 सेकेंड का इतिहास का तीसरा सबसे तेज समय दर्ज है। शेली एन ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा एक एलीट फर्राटा धाविका बनने के लिए हाई स्कूल में मुझे अपने दौड़ने के तरीके को पूरी तरह से बदलना पड़ा क्योंकि मेरा दौड़ने का तरीका सही नहीं था, इससे मैं रेस नहीं जीत पाती। उन्होंने कहा लोग कहते थे वह अच्छी शुरुआत करती है लेकिन अच्छी फिनिशर नहीं है' और मुझे ये बातें सुनकर निराशा होती थी क्योंकि मुझे लगता था कि मैं अच्छी तरह से रेस को खत्म कर सकती हूं।

शेली एन ने कहा मुझे जिम में अधिक मजबूत होना पड़ा। अगर मुझे अपनी 100 मीटर दौड़ को बेहतर करना था तो मुझे 200 मीटर में अधिक दौड़ना पड़ा। मुझे खुद को अधिक चुनौती देनी पड़ी।

लक्ष्य पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने का मिला लाभ

तीन ओलंपिक और 10 विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीतने वाली शेली एन ने कहा कि जमैका के किंग्सटन के वाटरहाउस जिले में बड़े होते समय उनके बड़े लक्ष्य नहीं थे। उन्होंने कहा जब मैं छोटी थी तो मुझे विश्वास नहीं था कि मैं आज जैसी इंसान बन पाऊंगी। मुझे कभी अधिक प्रेरणा नहीं मिली और मेरे आदर्श भी अधिक नहीं थे इसलिए मैं यह सोचते हुए बड़ी हुई कि मेरे लिए चीजें मुमकिन नहीं हैं। शेली एन ने कहा (लेकिन) एक बार जब आप अपना मकसद जान लेते हैं तो आप उन चीजों को करने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हो। मेरे लिए यह विश्वास और निरंतरता है जिसने फर्क पैदा किया है।